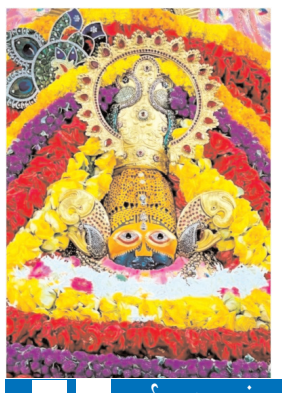

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 25। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद,21 सितंबर 2026 (सोमवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

देश के सिस्टम पर 6 लोगों का कब्जा... टॉप पर बैठे लोग चला रहे हैं पूरी व्यवस्था

राहुल गांधी का केंद्र सरकार पर तीखा, घातक और चौंकाने वाला हमला!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

नई दिल्ली। भारतीय राजनीति में उस वक्त एक बड़ा भूचाल आ गया जब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने देश की प्रशासनिक, राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्था को लेकर अब तक का सबसे तीखा और सनसनीखेज हमला बोला। राहुल गांधी ने केंद्र सरकार को सीधे कठघरे में खड़ा करते हुए गंभीर आरोप लगाया कि आज 140 करोड़ की आबादी वाले इस लोकतांत्रिक देश के पूरे 'सिस्टम' (व्यवस्था) पर सिर्फ और सिर्फ 6 लोगों का एकाधिकार यानी कब्जा हो चुका है। उन्होंने दावा किया कि देश की नीतियां, फैसले और नीयत सब कुछ यही 6 लोग अपने-अपने हिसाब से तय और संचालित कर रहे हैं।

राहुल गांधी ने इन 6 हस्तियों के नाम उजागर करते हुए उनकी भूमिका का जो खाका खींचा, उसने राजनीतिक गलियारों में तहलका मचा दिया है:

1. नरेंद्र मोदी (प्रधानमंत्री):

राहुल गांधी के अनुसार, इस पूरे 6 लोगों के सिंडिकेट या सिस्टम के केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी बैठे हैं। वही पूरे सरकारी तंत्र, एजेंसियों और मंत्रालयों की डोर संभालते हैं और सिस्टम के मुख्य चेहरा हैं।

2. अमित शाह (गृह मंत्री):

गृह मंत्री अमित शाह पर हमला बोलते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि देश के सामाजिक ताने-बाने को प्रभावित करने, राजनीतिक माहौल में गर्मी पैदा करने और विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों व युवाओं पर कठोर पुलिसिया कार्रवाई का निर्देश देने का काम उन्हीं के इशारे पर होता है।

3. अजीत डोभाल:

राहुल गांधी ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को इस व्यवस्था की सबसे अहम 'इंटेलीजेंस कड़ी' करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि अजीत डोभाल का काम प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को पल-पल की अंदरूनी, रणनीतिक और राजनीतिक जानकारियां मुहैया कराना है, ताकि पूरे तंत्र पर नियंत्रण बनाए रखा जा सके।

4. मोहन भागवत (आरएसएस प्रमुख):

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने कहा कि वे इस पूरी व्यवस्था को वैचारिक दिशा देते हैं। देश में क्या एजेंडा चलेगा और किस विचारधारा के तहत नीतियां बनेंगी, इसका नियंत्रण उन्हीं के पास है।

5. अडानी और अंबानी :

कॉरपोरेट जगत के दो सबसे बड़े नामों—गौतम अडानी और मुकेश अंबानी का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने दावा किया कि ये दोनों बड़े उद्योगपति इस पूरे सिस्टम के 'फाइनेंसर' (वित्तीय आधार) हैं। राहुल गांधी के मुताबिक, यही दो घराने पूरे राजनीतिक और प्रशासनिक तंत्र को आर्थिक मजबूती और फंड मुहैया कराते हैं, जिसके बदले में पूरा सिस्टम उनके हितों की रक्षा करता है।

राजनीतिक तापमान चरम पर...

राहुल गांधी के इस बेहद आक्रामक और सीधे हमले के बाद सत्तापक्ष में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे देश के लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं का अपमान करार दिया है। वहीं, विपक्ष इस मुद्दे को लेकर सरकार को घेरने की पूरी रणनीति बना रहा है। 'महानगर मेट्रो' की इस विशेष रिपोर्ट के अनुसार, राहुल गांधी के इस घातक बयान के बाद आने वाले दिनों में संसद से लेकर सड़क तक राजनीतिक घमासान और अधिक उग्र होने के पूरे आसार हैं।

जम्मू-कश्मीर में आईएसआई के लिए जासूसी का आरोप, ट्रक चालक गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कठुआ। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में पुलिस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए कथित जासूसी करने के आरोप में 24 वर्षीय ट्रक चालक अमन को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि अमन ने अपने घर के बाहर सिम सुविधा वाले निगरानी कैमरे लगाए थे। इन कैमरों का रुख उस सड़क की ओर था, जिसका उपयोग सुरक्षा बलों की आवाजाही के लिए किया जाता है। पुलिस के अनुसार, कैमरों से प्राप्त दृश्य सीधे आईएसआई से जुड़े लोगों तक पहुंचाए जाते थे। जांच में सामने आया है कि कैमरा लगाने के लिए अमन को 20 हजार रुपये दिए गए थे। यह राशि दुबई स्थित एक माध्यम के जरिए भेजे जाने का आरोप है। पुलिस अब पूरे नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। पिछले चार महीनों में जम्मू-कश्मीर में डिजिटल निगरानी से जुड़े आईएसआई नेटवर्क का यह दूसरा मामला बताया जा रहा है। मई में जम्मू के मकवाल गांव से करण कुमार को भी सुरक्षा प्रतिष्ठानों की तस्वीरें भेजने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

कांगपोकपी में हिंसक प्रदर्शन, सड़कें जाम कर टायर जलाए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कांगपोकपी। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में शनिवार रात सात कुकी ग्रामीणों की हिरासत के विरोध में हिंसक प्रदर्शन हुए। मोतबुंग और आसपास के इलाकों में प्रदर्शनकारियों ने सड़कें जाम कर टायर जलाए और वाहनों पर पथराव किया। इंफाल-दीमापुर राष्ट्रीय राजमार्ग-2 को भी खोदकर यातायात रोकने का प्रयास किया गया। सुरक्षा बलों ने भीड़ को हटाने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में कुछ प्रदर्शनकारियों के वाहनों पर गोली चलाने के दृश्य भी सामने आए हैं। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, बाद में सुरक्षा बलों ने हिरासत में लिए गए सात गांव स्वयंसेवकों को छोड़ दिया, जिसके बाद प्रदर्शन समाप्त हो गया। कुकी इनपी मणिपुर ने हिरासत की निंदा करते हुए सुरक्षा बलों पर कार्रवाई का आरोप लगाया। वहीं, रिहाई के बाद काकचिंग जिले में एक मैतेई महिला संगठन ने प्रदर्शन कर गिरफ्तार मैतेई स्वयंसेवकों की रिहाई की मांग की। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है।

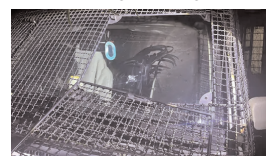

सलमान खान ट्रोलर्स पर भड़के, बोले- 'बूढ़ा हो गया हूं, उम्र बढ़ना स्वाभाविक है'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। टीवी शो 'बिग बॉस 20' के दूसरे 'वीकेंड का वार' में शनिवार को सलमान खान ने सोशल मीडिया ट्रोलिंग और बॉडी-शेमिंग पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि लोगों के शरीर, वजन, लुक्स, उम्र और निजी जीवन को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां करना गलत है। सलमान ने कहा कि सोशल मीडिया आज रोजगार और पहचान का बड़ा माध्यम बन चुका है, लेकिन इसका दूसरा पहलू ट्रोलिंग भी है। उन्होंने ट्रोलर्स से सवाल किया कि जिस व्यक्ति को वे गालियां देते हैं या उसके शरीर और लुक्स पर टिप्पणी करते हैं, वही व्यक्ति कहीं न कहीं उनके कंटेंट और कमाई का हिस्सा बन रहा है। अपनी उम्र को लेकर होने वाली ट्रोलिंग का जिक्र करते हुए सलमान ने कहा कि उनके बारे में भी लिखा जाता है कि वे 'बूढ़े हो गए'। उन्होंने कहा, 'बूढ़ा हो गया, ऑफकोर्स 60 साल का हो गया हूं।' इसके बाद सलमान ने मंच पर अपनी टोपी, जैकेट और टी-शर्ट उतारकर अपने एब्स दिखाए।

सनथ जयसूर्या बोले- वैभव सूर्यवंशी भारत का भविष्य, टीम में शामिल करने की जल्दबाजी न करें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। श्रीलंका के पूर्व कप्तान सनथ जयसूर्या ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को भारत का भविष्य बताया है। उन्होंने कहा कि सूर्यवंशी को अंतिम एकादश में शामिल करने की जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। उनके पास अपनी प्रतिभा साबित करने के लिए पर्याप्त समय है और मौका मिलने पर वह अच्छा प्रदर्शन करेंगे। सूर्यवंशी हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल थे, लेकिन उन्हें किसी मुकाबले में खेलने का अवसर नहीं मिला। उन्हें एशियाई खेलों के लिए भी भारतीय टीम में जगह दी गई है। जयसूर्या ने कहा कि सूर्यवंशी अलग तरह की प्रतिभा हैं और उन्हें अवसर का इंतजार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह किस क्रम पर बल्लेबाजी करेंगे, यह परिस्थितियों पर निर्भर करेगा, लेकिन मौका मिलने पर वह उसे भुना सकते हैं। उन्होंने अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन के प्रदर्शन का भी जिक्र करते हुए कहा कि भारत में खिलाड़ियों के बीच प्रतिस्पर्धा बहुत अधिक है और यहां हर प्रारूप के लिए प्रतिभाशाली खिलाड़ी तैयार रहते हैं।

मुजफ्फरपुर में छात्रा की पिटाई का वीडियो वायरल, शिक्षक पर नकल के आरोप में मारने का दावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर स्थित डेजावू स्कूल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में एक छात्रा रोती हुई दिखाई दे रही है और उसके हाथों पर पिटाई के निशान नजर आ रहे हैं। दावा है कि शिक्षक ने परीक्षा में नकल करने के आरोप में छात्रा की पिटाई की। वीडियो में शिक्षक कथित तौर पर कहते सुनाई दे रहे हैं कि नकल करने पर छात्रा को थोड़ा ही मारा गया। वहीं छात्रा का कहना है कि उस दिन कोई परीक्षा हुई ही नहीं थी। पिटाई की वजह पूछे जाने पर शिक्षक ने इसे गलती से लगी चोट बताया और कहा कि इसकी जानकारी प्रधानाचार्य को दे दी गई है। वीडियो में परिजन और आसपास के लोग छात्रा को संभालते दिखाई दे रहे हैं। छात्रा किस कक्षा में पढ़ती है, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। फिलहाल स्कूल प्रशासन की ओर से मामले पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

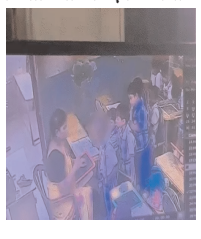

वापी रेलवे स्टेशन से शराब की बेधड़क तस्करी के संगीन आरोप

रेलवे परिसर और ट्रेनें बुटलेगर्स के लिए बनीं सेफ रूट ? जांच एजेंसियों पर खड़े हुए बड़े सवाल!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वापी। गुजरात में सख्त शराबबंदी के तमाम दावों के बीच दक्षिण गुजरात के सीमावर्ती और बेहद महत्वपूर्ण माने जाने वाले वापी रेलवे स्टेशन से शराब की धड़ल्ले से हो रही आवाजाही को लेकर चौंकाने वाले सवाल खड़े हो गए हैं। रेलवे परिसर और यात्रियों के लिए चलने वाली ट्रेनों का इस्तेमाल करके बूटलेगर्स द्वारा शराब का अवैध नेटवर्क चलाए जाने की खबरों से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।

रेलवे स्टेशन और ट्रेनें बनीं तस्करों का आसान जरिया?

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, केंद्र शासित प्रदेश दमन और महाराष्ट्र की सीमा के बेहद करीब होने के कारण वापी इलाका अवैध शराब की तस्करी के लिहाज से हमेशा संवेदनशील माना जाता रहा है। स्थानीय चर्चाओं के मुताबिक सुरक्षा और निगरानी पर सवाल-रेलवे स्टेशन जैसे अति सुरक्षित और पुलिस पहरे वाले इलाके से शराब की खेप ट्रेनों में और स्टेशन के बाहर कैसे पहुंच रही है, यह एक बड़ा रहस्य बना

हुआ है। नेटवर्क का खुला खेल-आम यात्रियों के भेष में बूटलेगर्स और उनके नेटवर्क द्वारा ट्रेनों के कोचों में शराब छिपाकर गुजरात के अन्य शहरों की तरफ सप्लाई किए जाने की आशंका भी जताई जा रही है।

महानगर मेट्रो के तीखे सवाल- जिम्मेदार एजेंसियां कब आएंगी हरकत में?

रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए जीआरपी, आरपीएफ और स्थानीय पुलिस बल तैनात होने के बावजूद इस प्रकार शराब की आवाजाही के आरोप सामने आने से प्रशासनिक तंत्र की कार्यशैली पर सवालिया निशान लग गए हैं

1. सुरक्षा जांच में लापरवाही ? क्या रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के सामान की ठीक से स्कैनिंग हो रही है या फिर सुरक्षा व्यवस्था में कोई बहुत बड़ी चूक हो रही है ?

2. बूटलेगर्स के नेटवर्क पर कब होगी कार्रवाई ? क्या जिम्मेदार एजेंसियां इस पूरे सप्लाई नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए कोई बड़ा सर्च ऑपरेशन चलाएंगी ?

3. क्या जवाबदेह अधिकारियों पर होगी कार्रवाई ? शराब की इस प्रकार खुलेआम आवाजाही के पीछे किन बड़े आकाओं या स्थानीय शह का हाथ है, इसकी निष्पक्ष जांच कब होगी ?

कड़ा संज्ञान लेने की उठी लोकमांग

गुजरात में शराबबंदी कानून का कड़ाई से पालन कराने और वापी रेलवे स्टेशन जैसे सार्वजनिक स्थानों का इस्तेमाल किसी भी गैर-कानूनी गतिविधि के लिए न हो, इसके लिए रेलवे पुलिस और स्थानीय प्रशासन तुरंत सख्त से सख्त कदम उठाए—ऐसी मांग आम जनता और जागरूक नागरिकों द्वारा लगातार की जा रही है।

सेलम में तांत्रिक गिरफ्तार, महिलाओं और नाबालिगों के वीडियो बनाने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सेलम। तमिलनाडु के सेलम में पुलिस ने महिलाओं और नाबालिग लड़कियों का कथित यौन शोषण करने के आरोप में 50 वर्षीय तांत्रिक विजयराजा को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी वाझापाड़ी के पास तंत्र-मंत्र केंद्र चलाता था और पूजा-पाठ के नाम पर महिलाओं व लड़कियों के वीडियो छिपे कैमरों से रिकॉर्ड करता था। इन वीडियो को कथित तौर पर एक वेबसाइट के जरिए बेचा जाता था। पुलिस ने आरोपी के पास से लैपटॉप, मोबाइल फोन और अन्य डिजिटल उपकरण जब्त किए हैं। लैपटॉप में महिलाओं और स्कूली छात्राओं के 50 से अधिक वीडियो मिलने की बात सामने आई है। पुलिस के अनुसार, कुछ महिलाओं को नशीला पदार्थ देकर उनकी रिकॉर्डिंग की गई। मामला तब सामने आया, जब विनायक चतुर्थी के लिए चंदा लेने पहुंची एक छात्रा के साथ कथित छेड़छाड़ की कोशिश की गई। शिकायत के बाद स्थानीय लोगों ने आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर कथित डिजिटल नेटवर्क की जांच शुरू कर दी है।

बोरीवली गरबा में मुस्लिमों की एंट्री पर शर्त, तिलक और देवी पूजा की बात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। बोरीवली में आगामी नवरात्रि गरबा आयोजन में मुस्लिमों की एंट्री को लेकर भाजपा विधायक संजय उपाध्याय ने शर्त रखी है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समुदाय के जो लोग गरबा में शामिल होना चाहते हैं, उन्हें तिलक लगाना और देवी की पूजा करना होगा। आयोजन में प्रवेश से पहले पहचान पत्रों की जांच की भी बात कही गई है। इससे पहले महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने भी गरबा और डांडिया आयोजनों में मुस्लिमों की भागीदारी पर रोक की मांग का समर्थन किया था। उन्होंने पहचान की जांच और अन्य शर्तों की बात कही थी। वहीं, अमृता फडणवीस ने कहा था कि गरबा और नवरात्रि जैसे त्योहार समावेशी होने चाहिए और किसी मुस्लिम व्यक्ति के शांतिपूर्वक शामिल होने में उन्हें कुछ गलत नहीं लगता।

टाटा ट्रस्ट ने चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति को बताया गैरकानूनी

दोनों ट्रस्ट प्रतिनिधियों की सहमति जरूरी, नोएल टाटा ने किया था विरोध; 5 साल के कार्यकाल पर खड़ा हुआ विवाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। टाटा ट्रस्ट ने एन. चंद्रशेखरन को पांच साल के लिए दोबारा टाटा संस का चेयरमैन बनाए जाने के फैसले को गैरकानूनी बताया है। ट्रस्ट ने रविवार को जारी बयान में कहा कि टाटा संस के नियमों के अनुसार चेयरमैन पद से जुड़े ऐसे प्रस्ताव के लिए ट्रस्ट के दोनों नामित निदेशकों की सहमति जरूरी है। ट्रस्ट के अनुसार 17 सितंबर की बैठक में चेयरमैन नोएल टाटा ने चंद्रशेखरन के पुनर्नियुक्ति प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया था, जबकि दूसरे नामित निदेशक वेणु श्रीनिवासन ने इसके पक्ष में वोट दिया। टाटा ट्रस्ट का कहना है कि उसके दो प्रतिनिधि बोर्ड में होने के कारण इस मामले में केवल एक वोट को बहुमत नहीं माना जा सकता। ट्रस्ट के मुताबिक प्रस्ताव के पक्ष में चार और विरोध में एक वोट पड़ने के बावजूद दोनों नामित निदेशकों की सहमति नहीं होने से प्रस्ताव नियमों के अनुरूप पारित नहीं हुआ।

भारत-जापान वायुसेना प्रमुखों ने पहली बार साथ उड़ाया तेजस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। भारत और जापान के वायुसेना प्रमुखों ने रविवार को जोधपुर में पहली बार एक साथ स्वदेशी तेजस लड़ाकू विमान में उड़ान भरी। भारतीय वायुसेनाध्यक्ष एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने एक तेजस से उड़ान भरकर विमानों के गठन का नेतृत्व किया, जबकि जापान के वायुसेना प्रमुख जनरल मोरिता ताकेहिरो ने दूसरे तेजस में उड़ान भरी। उड़ान के दौरान जापानी वायुसेना प्रमुख को तेजस की आधुनिक प्रणालियों और क्षमताओं से परिचित कराया गया। उन्होंने अनुभव को शानदार बताते हुए तेजस को भारत के तकनीकी नवाचार का प्रतीक बताया। दोनों अधिकारियों ने कहा कि संयुक्त युद्धाभ्यास से दोनों देशों की वायुसेनाओं के बीच आपसी समझ, प्रशिक्षण और संचालन क्षमता मजबूत होगी। 9 सितंबर से जोधपुर में चल रहे 'वीर गार्जियन' युद्धाभ्यास में जापान के एफ-2 लड़ाकू विमान और सी-2 विमान शामिल हैं। भारतीय वायुसेना ने सुखोई-30 एमकेआई, तेजस और राफेल लड़ाकू विमानों को अभ्यास में उतारा है। अभ्यास के दौरान दोनों देशों के पायलट जटिल युद्ध अभियानों का प्रशिक्षण ले रहे हैं और अपने अनुभव साझा कर रहे हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट को मिलेंगे 7 नए जज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट में जिला न्यायपालिका से सात न्यायिक अधिकारियों की जज के रूप में नियुक्ति की गई है। केंद्र सरकार ने 19 सितंबर को नियुक्तियों की अधिसूचना जारी की। इनमें निवेदिता अनिल शर्मा और निशा सहाय सक्सेना स्थायी जज, जबकि संजय शर्मा, भरत पाराशर, अदिति चौधरी, दिनेश भट्ट और अरुण भारद्वाज अतिरिक्त जज नियुक्त किए गए हैं। वहीं, दिल्ली में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान करीब 33 लाख मतदाताओं को विवरण में विसंगतियों के कारण नोटिस जारी किए गए हैं। इनमें भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी और आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया के नाम भी शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, नोटिस मिलने का अर्थ मतदाता सूची से नाम हटना नहीं है; संबंधित विवरण का सत्यापन किया जा रहा है।

कच्छ के मुंद्रा में घर के ही निकले 'आस्तीन के सांप'

सेवानिवृत्त शिक्षक के घर से 52 लाख की चोरी करने वाले सगे मां-बेटे गिरफ्तार! बेटे की शादी का खर्च निकालने के लिए रचा था खौफनाक षड्यंत्र

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। मुंद्रा (कच्छ)। कच्छ जिले के मुंद्रा शहर में सेवानिवृत्त संगीत शिक्षक के घर में हुई भारी चोरी का मुंद्रा पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। करीब 52 लाख रुपये की इस बड़ी चोरी में बाहर का कोई गिरोह शामिल नहीं था, बल्कि घर में ही रहने वाले सगे मां-बेटे ने मिलकर इस पूरी वारदात को अंजाम दिया था। इस सनसनीखेज खुलासे से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मुंद्रा निवासी सेवानिवृत्त संगीत शिक्षक शौकत अली खोजा के घर से 52 लाख रुपये मूल्य के गहने और नकदी चोरी होने पर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुंद्रा पुलिस ने गहराई से जांच शुरू की। पुलिस की पैनी जांच और घर के सदस्यों से पूछताछ के दौरान शक की सुई परिवार के लोगों पर ही टिकी। कड़ाई से पूछताछ करने पर घर के ही सगे मां-बेटे टूट गए और अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी बेटे समीर खोजा की जल्द ही बड़ी धूमधाम से सगाई और शादी होने वाली थी। शादी का भारी-भरकम खर्च निकालने और शानो-शौकत पूरी करने के लिए समीर ने अपनी मां यास्मिन खोजा के साथ मिलकर अपने ही घर में चोरी की साजिश रची थी। मुंद्रा पुलिस ने इस पूरे मामले का खुलासा करते हुए आरोपी मां यास्मिन खोजा और बेटे समीर खोजा को गिरफ्तार कर लिया है। इसके अलावा, पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी गई 23 लाख रुपये की नकदी और सोने-चांदी के कीमती आभूषणों समेत बड़ा सामान सफलता पूर्वक बरामद कर लिया है। अपनों द्वारा ही किए गए इस बड़े विश्वासघात ने समाज के सामने एक कड़वी सच्चाई पेश की है। मुंद्रा पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आपराधिक साजिश और चोरी का मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

वडताल स्वामीनारायण संप्रदाय में फिर बड़े धमाके के आसार!

'सत्य सिद्धांत समिति' के बैनर तले वलेटवा में 200 से अधिक प्रमुख लोगों की गुप्त बैठक, सत्ताधीशों पर तीखा हमला!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद/वडताल। स्वामीनारायण संप्रदाय के मुख्य धाम माने जाने वाले वडताल पीठ में एक बार फिर आंतरिक गुटबाजी और भारी असंतोष का विस्फोट होने के आसार नजर आ रहे हैं। संप्रदाय को उसके मूल सिद्धांतों की ओर वापस लाने के दावे के साथ 'सत्य सिद्धांत समिति' के बैनर तले कोर कमेटी के सदस्यों की एक बेहद महत्वपूर्ण और चर्चास्पद बैठक वडताल के पास स्थित वलेटवा गांव में आयोजित की गई। इस बैठक के बाद वडताल के राजनीतिक और धार्मिक गलियारों में भारी सनसनी फैल गई है। मिल जानकारी के अनुसार, इस बैठक में गुजरात के अलग-अलग जिलों से 200 से अधिक प्रभावशाली हरिभक्त, नेता और निष्ठावान सदस्य उपस्थित रहे। वलेटवा गांव में आयोजित इस महत्वपूर्ण सभा में वडताल गद्दी और वर्तमान प्रशासकों की कार्यशैली के खिलाफ खुलकर आवाज उठाई गई। बैठक में मौजूद हरिभक्त नेताओं ने बेहद कड़े और तीखे शब्दों में हमला बोलते हुए कहा, 'वडताल संप्रदाय जिस पवित्र मर्यादा, सिद्धांतों और नियमों पर स्थापित हुआ था, वर्तमान समय में तंत्र और सत्ताधीशों के अहंकार तथा प्रशासनिक मनमानी के कारण संप्रदाय अपने मूल सिद्धांतों से दूर भटक रहा है।' हरिभक्तों का स्पष्ट आरोप है कि धर्म के नाम पर आडंबर और सत्ता का दुरुपयोग बढ़ रहा है, जिसे रोकना बेहद आवश्यक हो गया है। बैठक का मुख्य उद्देश्य वडताल संप्रदाय को पुनः उसके मूल वैचारिक और धार्मिक स्वरूप में वापस लाना है। 'सत्य सिद्धांत समिति' के बैनर तले एकजुट हुए ये हरिभक्त अब संप्रदाय की गरिमा बचाने के लिए आर-पार की लड़ाई लड़ने के मूड में दिखाई दे रहे हैं।

'महानगर मेट्रो' का सीधा सवाल - वडताल धाम में बार-बार पैदा होने वाले ऐसे आंतरिक विवादों और विरोध के बवंडर पर 'महानगर मेट्रो' सीधा सवाल पूछता है कि – लाखों श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र वडताल संप्रदाय में आखिरकार कब तक आंतरिक कलह और सत्ता की खींचतान चलती रहेगी? जब 200 से अधिक वरिष्ठ हरिभक्तों को सड़कों पर आकर या अलग बैठकें करके विरोध जताना पड़ रहा हो, तब वर्तमान संचालक क्यों मौन साधे बैठे हैं? वलेटवा में हुई यह बैठक केवल एक शुरुआत है या आने वाले दिनों में वडताल पीठ में कोई बड़ा राजनीतिक-धार्मिक भूचाल लाएगी, इस पर अब पूरे राज्य के स्वामीनारायण हरिभक्तों की निगाहें टिकी हुई हैं।

आणंद के सोचित्रा सरकारी अस्पताल में घोर लापरवाही

दुर्घटना का मरीज आया फिर भी डॉक्टर तारापुर खाना खाने चले गए! एम्बुलेंस में ही इलाज कराने को मजबूर हुआ मरीज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आणंद/सोचित्रा। आणंद जिले के सोचित्रा तालुका स्थित सरकारी अस्पताल से स्वास्थ्य तंत्र की घोर लापरवाही और मनमानी का बेहद शर्मनाक मामला सामने आया है। जो अस्पताल गरीब और जरूरतमंद मरीजों के लिए संजीवनी माना जाता है, उसी सोचित्रा सरकारी अस्पताल में आपातकालीन समय पर डॉक्टर के गायब होने का गंभीर आरोप लगने से पूरे इलाके में हड़कंप और भारी जन-आक्रोश फैल गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल मरीज को तुरंत और जीवनरक्षक इलाज मिल सके, इस उद्देश्य से 108 एम्बुलेंस के जरिए सोचित्रा सरकारी अस्पताल लाया गया था। मरीज खून से लथपथ हालत में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा था, लेकिन अस्पताल पहुंचते ही परिजनों और एम्बुलेंस स्टाफ के होश उड़ गए। अस्पताल की इमरजेंसी ड्यूटी पर कोई भी डॉक्टर मौजूद नहीं था! चौंकाने वाला आरोप यह लग रहा है कि ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर इस बेहद गंभीर समय में मरीजों को राम भरोसे छोड़कर सोचित्रा से दूर तारापुर खाना खाने चले गए थे। अस्पताल में जिम्मेदार डॉक्टर की गैरमौजूदगी के कारण दुर्घटना के शिकार मरीज को अस्पताल के स्ट्रेचर पर ले जाने के बजाय एम्बुलेंस के अंदर ही प्राथमिक उपचार देने की नौबत आ गई। अत्यंत गंभीर स्थिति में भी मेडिकल सुविधा न मिलने पर, समय गंवाए बिना मरीज के परिजनों को भारी मजबूरी और लाचारी में मरीज को आगे के इलाज के लिए नडियाद सिविल अस्पताल ले जाना पड़ा। अगर रास्ते में मरीज के साथ कोई अनहोनी हो जाती, तो इसका जिम्मेदार कौन होता? 'महानगर मेट्रो न्यूज पेपर' आज स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन से सीधा और कड़ा सवाल पूछता है कि – सरकारी वेतन और पद का आनंद लेने वाले ऐसे लापरवाह डॉक्टरों के खिलाफ कब सख्त कदम उठाए जाएंगे? इमरजेंसी सेवाओं में खाने के बहाने मरीजों की जान से खिलवाड़ करने वाले डॉक्टरों के खिलाफ सख्त से सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए और उन्हें तुरंत निलंबित (सस्पेंड) किया जाए, ऐसी मांग स्थानीय लोगों और पीड़ित परिवार द्वारा जोर-शोर से उठाई जा रही है।

अहमदाबाद IKDRC में बड़ा भर्ती और वित्तीय घोटाला

मुख्यमंत्री और कानून के आदेशों की सरेआम धज्जियां उड़ीं!

निदेशक डॉ. प्रांजल मोदी की मनमानी: CM की पूर्व अनुमति के बिना सेवानिवृत्त अधिकारियों को लाखों के वेतन पर रखा

40 युवाओं को बेरोजगार किया! 297 बैकडोर भर्तियां और 'पे-माइनस-पेंशन' नीति को दिखाया ठेंगा!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

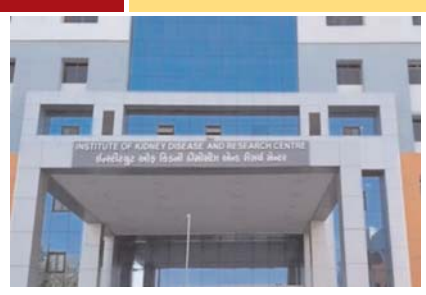

अहमदाबाद। अहमदाबाद सिविल अस्पताल परिसर में स्थित विश्व प्रसिद्ध 'इंस्टिट्यूट ऑफ किडनी डिजीज एंड रिसर्च सेंटर' इस समय अपनी चिकित्सा सेवाओं के लिए नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार और घोटालों के अखाड़े के रूप में चर्चा में आ गई है। संस्था के निदेशक डॉ. प्रांजल मोदी की मनमानी और अवैध हरकतों का चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। गुजरात सरकार के वित्त विभाग के परिपत्रों, सरकारी प्रस्तावों और सीएजी के नियमों को ताक पर रखकर निदेशक द्वारा करोड़ों रुपये का वित्तीय नुकसान पहुँचाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है।

1. CM की पूर्व अनुमति के बिना सेवानिवृत्त अधिकारियों की अवैध नियुक्ति

गुजरात सरकार के वित्त विभाग के परिपत्र (क्रमांक: जनव/10/2017/277973/अ, दिनांक 28/01/2022) के अनुसार, किसी भी सेवानिवृत्त अधिकारी या कर्मचारी को सेवानिवृत्ति के बाद अनुबंध के आधार पर पुन: नियुक्त करने के लिए माननीय मुख्यमंत्री की पूर्व स्वीकृति प्राप्त करना अनिवार्य है। इसके अलावा, ऐसी पुन: नियुक्ति के लिए अधिकतम आयु सीमा 62 वर्ष निर्धारित की गई है। लेकिन डॉ. प्रांजल मोदी ने मुख्यमंत्री या वित्त विभाग से किसी भी प्रकार की पूर्व स्वीकृति लिए बिना सीधे ही 65 से 72 वर्ष की आयु के 11 से 12 सेवानिवृत्त अधिकारियों को अवैध रूप से नौकरी पर रख लिया है।

2. 'पे-माइनस-पेंशन' नीति की खुली अवहेलना: लाखों रुपये का अंधाधुंध भुगतान

सरकारी नीति के अनुसार, सेवानिवृत्ति के बाद अनुबंध के आधार पर नियुक्ति पाने वाले कर्मचारी का वेतन तय करते समय उसके वेतन में से पेंशन की राशि घटानी होती है और कुल वेतन सरकारी सीमा (अधिकतम 75,000 से ?80,000) से अधिक नहीं होना चाहिए। IKDRC में इस नीति का सरेआम उल्लंघन किया गया है। इन सेवानिवृत्त अधिकारियों को सरकार से 100% पेंशन तो मिल ही रही है, साथ ही IKDRC से भी बिना किसी कटौती के 60,000 से लेकर 2,30,000 प्रति माह तक का भारी-भरकम वेतन दिया जा रहा है। यह सरकारी खजाने पर सीधा डाका है।

3. नियमों के खिलाफ प्रशासनिक पदों पर तैनाती!

सामान्य प्रशासन विभाग के दिनांक 17/05/2018 के प्रस्ताव के अनुसार, सेवानिवृत्त कर्मचारियों की सेवाओं का उपयोग केवल शैक्षणिक और नैदानिक कार्यों के लिए ही किया जा सकता है। उन्हें किसी भी स्थिति में प्रशासनिक, वित्तीय या खरीद से संबंधित पदों पर नियुक्त नहीं किया जा सकता।

इसके बावजूद, CAG ऑडिट में सामने आया है कि नियमों के विपरीत जाकर सेवानिवृत्त कर्मचारियों को OSD (ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी), प्रशासनिक अधिकारी और निदेशक के पीए जैसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर बैठा दिया गया है।

4. 'स्व-निधि' के नाम पर झूठा बचाव: CAG ने दलील खारिज की!

निदेशक डॉ. प्रांजल मोदी ने यह बचाव किया था कि इन कर्मचारियों का वेतन सरकारी अनुदान से नहीं बल्कि संस्था के 'स्व-निधि' से दिया जाता है।

CAG ऑडिट ने इस दलील को पूरी तरह खारिज कर दिया है। IKDRC 100% सरकारी अनुदान पर निर्भर संस्था होने के कारण स्व-निधि के नाम पर वित्तीय अनियमितता नहीं कर सकती। इसके अलावा, PMJAY (आयुष्मान भारत) योजना के तहत अवैध प्रोत्साहन बांटना भी एक बड़ा वित्तीय घोटाला है।

5. युवा बेरोजगार, और 297 कर्मचारियों की 'बैकडोर एंट्री' (चुपचाप भर्ती)

एक तरफ 65 से 72 वर्ष के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भारी वेतन पर बनाए रखा गया है, वहीं दूसरी तरफ 5 साल की फिक्स-पे अवधि पूरी करने वाले लगभग 40 स्थानीय युवाओं को बिना किसी नोटिस के नौकरी से निकाल दिया गया है। इतना ही नहीं, RTI और CAG रिपोर्ट के अनुसार संस्था में 297 कर्मचारियों की भर्ती बिना किसी विज्ञापन या प्रतियोगी परीक्षा के सीधे 'बैकडोर एंट्री' से नियमों के खिलाफ कर दी गई है।

आवेदक रजनीकांत मकवाना की आर-पार की लड़ाई: CMO के आदेश के बावजूद मामला दबाने का प्रयास!

आवेदक रजनीकांत मकवाना ने मुख्यमंत्री कार्यालय में शिकायत की थी, जिस पर अपर कलेक्टर ने (पत्र क्रमांक: मुमक/Reg/2025/18957, दिनांक 21/05/2025) स्वास्थ्य विभाग को नियमानुसार कार्रवाई करने का आदेश दिया था। लेकिन डॉ. प्रांजल मोदी ने भ्रामक जवाब देकर इस शिकायत को बंद करवा दिया। अब आवेदक ने अतिरिक्त निदेशक (चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान, गांधीनगर) के समक्ष सभी दस्तावेजी सबूत पेश करते हुए उच्चस्तरीय जांच समिति गठित करने और निदेशक डॉ. प्रांजल मोदी के खिलाफ कड़े अनुशासनात्मक व कानूनी कदम उठाने की जोरदार मांग की है।

क्र.सं.	नाम	पद	मासिक वेतन (₹)	नियुक्ति तिथि	विशेष टिप्पणी
1	डॉ. दिनेश निर्मलदास गेरा	प्रोफेसर	₹2,30,000/-	01.11.2019	–
2	डॉ. गीता पी. पारिख	प्रोफेसर	₹2,30,000/-	01.11.2022	–
3	डॉ. विरेन एम. त्रिवेदी	OSD (प्रशासनिक पद)	₹75,000/-	24.01.2024	CAG रिपोर्ट के अनुसार पूर्व में गलत तारीके से प्राप्त ₹9.40 लाख के 'रिसर्च एक्टिविटी अलाउंस' की वसूली करने के बजाय उन्हें फिर से बड़ा पद दे दिया गया!
4	वर्षा बी. त्रिवेदी	सीनियर रिसर्च ऑफिसर	₹75,000/-	06.10.2024	–
5	जितेन्द्र कुमार नरसिंहराम सुथार	प्रशासनिक अधिकारी (प्रशासनिक पद)	₹80,000/-	01.11.2018	–
6	केतन तेजपाल पारीख	सहायक प्रशासनिक अधिकारी	₹50,000/-	07.10.2021	–
7	रमणभाई पी. राठौड़	सहायक प्रशासनिक अधिकारी	₹60,000/-	13.02.2019	–
8	जयंतिलाल छगनभाई पटेल	सहायक प्रशासनिक अधिकारी	₹38,500/-	20.06.2022	–
9	वंदना गोवर्धनभाई पटेल	सहायक हेड नर्स	₹25,000/-	13.02.2025	–
10	नलिनी नटवरलाल पटेल	निदेशक की पीए (PA to Director - प्रशासनिक पद)	₹35,000/-	01.07.2020	–
11	ज्योत्स्ना बाबूलाल सुथार	बुक कीपर	₹35,000/-	05.04.2025	–

'महानगर मेट्रो' का सीधा सवाल:

वित्त विभाग के परिपत्र की शर्त संख्या-2 के अनुसार ऐसी अवैध नियुक्तियों को तत्काल समाप्त करने और नियुक्ति करने वाले अधिकारी के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई का स्पष्ट आदेश है, तो फिर निदेशक के खिलाफ कार्रवाई करने में शासन किसकी राह देख रहा है?

अहमदाबाद में एसीबी का बड़ा धमाका: पालडी पोस्ट ऑफिस की महिला ऑफिसर रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ी गई!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद एंटी-करप्शन ब्यूरो ने एक बार फिर सभ्य और जिम्मेदार माने जाने वाले सरकारी विभागों में चल रहे भ्रष्टाचार के काले कारनामे पर करारा प्रहार किया है। अहमदाबाद के पॉश इलाके पालडी में स्थित पोस्ट ऑफिस की एक महिला ऑफिसर रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ी गई, जिससे पूरे प्रशासन और पोस्टल डिपार्टमेंट में भारी सनसनी फैल गई। मिली जानकारी के अनुसार, पालडी पोस्ट ऑफिस में काम करने वाली एक महिला ऑफिसर ने एक आवेदक से सरकारी काम या किसी स्कीम से जुड़ी फाइल को पास करने के बदले में गैर-कानूनी पैसे (रिश्वत) मांगे थे। चूंकि आवेदक रिश्वत नहीं देना चाहता था, इसलिए उसने तुरंत एंटी-करप्शन ब्यूरो से संपर्क किया और इस बारे में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर, एसीबी टीम ने गुप्त रूप से पूरे मामले की जांच की और पालडी पोस्ट ऑफिस में रिश्वत का जाल बिछाया। प्लान के मुताबिक, जब आवेदक महिला अधिकारी को तय रिश्वत की रकम दे रहा था, तो एसीबी टीम ने पहले से तय प्लान के मुताबिक रेड की और महिला अधिकारी को मौके पर ही रिश्वत की रकम के साथ पकड़ लिया। एसीबी की इस अचानक और जानलेवा कार्रवाई से पोस्ट ऑफिस के दूसरे कर्मचारियों में भारी भगदड़ और दहशत फैल गई। पुलिस ने मौके से रिश्वत की रकम जब्त कर ली है और महिला अधिकारी के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट के तहत केस दर्ज करके उसे हिरासत में ले लिया है।

'सरकार भैंस की तरह बहरी हो चुकी है! सूखा घोषित करने के लिए गोपाल इटालिया ने भैंस को सौंपा ज्ञापन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात में किसानों और पशुपालकों की बदहाल होती स्थिति तथा बारिश की भारी कमी के बीच राज्य सरकार के खिलाफ एक बेहद अनोखा, सनसनीखेज और तीखा विरोध प्रदर्शन देखने को मिला है। आम आदमी पार्टी के प्रदेश नेता और फायरब्रांड चेहरा गोपाल इटालिया ने भाजपा सरकार की निष्क्रियता और संवेदनहीनता पर करारा प्रहार करते हुए सीधे 'भैंस को ज्ञापन' सौंपकर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया है। घटना के विवरण के अनुसार, राज्य के कई इलाकों में पैदा हुए सूखे जैसे भयानक हालात और पानी-चारे की किल्लत को देखते हुए प्रशासन से तुरंत 'सूखा' घोषित करने की मांग की जा रही थी। लेकिन, बार-बार की गई अपीलों के बावजूद सरकार के कानों पर जूं तक न रेंगने के कारण गोपाल इटालिया ने सरकार की तुलना 'भैंस' से कर दी। गोपाल इटालिया ने सरेआम भैंस के सामने जाकर ज्ञापन पढ़कर सुनाया और उसे सौंपने की कोशिश की। इस विरोध प्रदर्शन के दौरान एक नाटकीय और भाजपा सरकार के लिए बेहद शर्मनाक दृश्य भी सामने आया — जिस तरह राज्य सरकार जनता का दर्द सुनने को तैयार नहीं है, ठीक उसी तरह ज्ञापन सौंपते वक्त भैंस ने भी अपना मुंह दूसरी तरफ फेर लिया! इस अनोखे प्रदर्शन के बाद गोपाल इटालिया ने प्रशासन पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, 'हम भैंस के आगे बीन बजा रहे हैं। यह सरकार भैंस की तरह ही बहरी और संवेदनहीन हो चुकी है। जिस तरह आज भैंस ने ज्ञापन लेने के बजाय मुंह मोड़ लिया, ठीक उसी तरह राज्य सरकार भी देश के अन्नदाता और किसानों की दुर्दशा से आंखें मूंदकर मुंह फेरकर बैठी है। 'महानगर मेट्रो' आज प्रशासन से सीधा सवाल पूछता है कि — जब किसानों की फसलें सूख रही हैं, मवेशियों के लिए चारा नहीं है, तब तक तंत्र इस तरह 'भैंस' की तरह बेजुबान बनकर तमाशा देखता रहेगा? इस अनोखे विरोध प्रदर्शन का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और राजनीतिक गलियारों में हलचल मचाने के साथ-साथ सरकार की निष्क्रियता के खिलाफ जनता के जनाक्रोश को और बुलंद कर रहा है।

अहमदाबाद के गीतामंदिर में दिनदहाड़े बदमाशों का आतंक

वायरल वीडियो के बाद पुलिस एक्शन मोड में, सड़क पर रंगदारी वसूलने वाले 2 शातिर अपराधी गिरफ्तार!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात की आर्थिक राजधानी अहमदाबाद के सबसे व्यस्त गीतामंदिर इलाके में दिनदहाड़े बदमाशों द्वारा गुंडागर्दी और दबंगई का एक सनसनीखेज वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने से हड़कंप मच गया। सार्वजनिक सड़क पर निर्दोष वाहन चालकों और राहगीरों को रोककर डरा-धमकाकर पैसे वसूलने वाले इन बदमाशों का वीडियो सामने आते ही अहमदाबाद पुलिस तुरंत हरकत में आ गई और सख्त कानूनी कार्रवाई करते हुए दो शातिर अपराधियों को सलाखों के पीछे धकेल दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गीतामंदिर जैसे भीड़भाड़ वाले इलाके में कुछ मनचले और दबंग लोग मुख्य सड़क पर खड़े होकर वाहन चालकों के साथ गाली-गलौज कर जबरन वसूली कर रहे थे, जो वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता था। इस घटना से आम जनता की सुरक्षा पर बड़े सवाल खड़े हो गए थे। वीडियो के संज्ञान में आते ही पुलिस ने त्वरित छापेमारी कर गुंडागर्दी करने वाले दो मुख्य आरोपियों— नितिन उर्फ बाली चुनारा और भावेश उर्फ बाडू चुनारा को धर दबोचा। पुलिस की प्राथमिक जांच में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। पकड़े गए दोनों आरोपी गीतामंदिर के पास स्थित कंटोडिया वास के रहने वाले हैं। इतना ही नहीं, ये दोनों कोई आम बदमाश नहीं बल्कि आदतन अपराधी हैं। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक:

नितिन उर्फ बाली चुनारा के खिलाफ पहले से ही मारपीट, धमकी और असामाजिक गतिविधियों सहित 6 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

भावेश उर्फ बाडू चुनारा के खिलाफ भी पहले से 2 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

'महानगर मेट्रो' का तीखा प्रहार

अहमदाबाद शहर के प्रमुख इलाके में दिनदहाड़े आम नागरिकों से जबरन पैसे वसूलने की हिम्मत इन बदमाशों में कहां से आई? 'महानगर मेट्रो' प्रशासन से सीधा सवाल पूछता है कि — कई आपराधिक मामलों में लिप्त ऐसे आदतन अपराधियों के खिलाफ केवल गिरफ्तारी नहीं, बल्कि ऐसी कठोर कानूनी कार्रवाई कब होगी जिससे पूरे शहर में गुंडागर्दी करने वाले तत्वों के मन में कानून का खौफ पैदा हो? सार्वजनिक सड़कों पर आम जनता को परेशान करने और कानून-व्यवस्था की धज्जियां उड़ाने वाले ऐसे बदमाशों के खिलाफ पासा सहित सख्त से सख्त दंडात्मक कार्रवाई कर नजीर पेश की जाए, ऐसी उग्र मांग स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों द्वारा की जा रही है।

प्रशासन से सीधा सवाल: और कितने सबूत चाहिए?

महानगर मेट्रो ने नाडियाड एस.टी. बस स्टैंड की खराब हालत को उजागर किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नाडियाड। खेड़ा जिले के हेडक्वार्टर, नाडियाड शहर के बीचों-बीच मौजूद मुख्य रूज़. बस स्टैंड की खस्ताहाल और बिगड़ती हालत को देखकर जनता प्रशासन की बड़ी नाकामी से बहुत नाराज़ है। हर दिन हज़ारों यात्रियों की आवाजाही से गुलज़ार रहने वाले इस बस स्टैंड की हालत इतनी खराब हो गई है कि इसे देखकर किसी भी नागरिक का खून खौल उठेगा। लोगों की इस तकलीफ़ को खत्म करने के लिए सिस्टम को और कितने सबूत चाहिए? स्थानीय नागरिकों और यात्रियों द्वारा एक या दो बार नहीं, बल्कि पाँच बार लिखित और मौखिक रूप से बताने के बावजूद, रूज़. सिस्टम के पेट में पानी तक नहीं जा रहा है। बस स्टैंड की गंदगी, टूटे शेड, सुविधाओं की कमी और मानसून या गर्मी में यात्रियों की भयानक परेशानी का वीडियो साफ तौर पर सामने आया है। जिम्मेदार अधिकारी अंधेरे में तीर क्यों चला रहे हैं और सारे सबूत उनकी आंखों के सामने होने के बावजूद आंखें मूंद क्यों रहे हैं, यह एक बड़ा सवाल है। अगर जिला मुख्यालय जैसा महत्वपूर्ण बस स्टैंड इतनी दयनीय और शर्मनाक हालत में है, तो यह सिर्फ एक आम असुविधा नहीं बल्कि हमारे पूरे प्रशासनिक सिस्टम और अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर खड़ा एक बड़ा गंभीर सवाल है। महानगर मेट्रो न्यूज पेपर के माध्यम से, एस.टी. कॉर्पोरेशन के माननीय एमडी से यह भी खुला अनुरोध और अपील है कि इस वायरल वीडियो और जनता के गुस्से को सिर्फ सोशल मीडिया पर एक आम विषय के रूप में नजरअंदाज न किया जाए। ज़मीनी हकीकत को समझते हुए, लापरवाह और आलसी अधिकारियों के खिलाफ तुरंत सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

गांधीनगर के कुड़ासण गांव में सालों से जलभराव की गंभीर समस्या बरकरार

प्रशासन की घोर निष्क्रियता से स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश, अब सिर्फ आश्वासन नहीं बल्कि स्थायी समाधान की मांग!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। राज्य की राजधानी गांधीनगर का दिल कहे जाने वाले कुड़ासण गांव में पिछले कई सालों से मानसून के दौरान जलभराव की समस्या गंभीर रूप ले चुकी है। स्मार्ट सिटी और विकास के बड़े-बड़े दावों के बीच कुड़ासण के नागरिकों के लिए बारिश का मौसम आफत साबित हो रहा है। मानसून शुरू होते ही गांव की मुख्य सड़कों, सोसायटियों के रास्तों और आसपास के निचले इलाकों में जलमग्न जैसी स्थिति पैदा हो जाती है, जो प्रशासन की प्री-मानसून तैयारियों के खोखले दावों की पोल खोल देती है। सड़कों पर कई दिनों तक पानी भरे रहने के कारण कीचड़ और गंदगी का साम्राज्य स्थापित हो जाता है। इस गंदगी की वजह से पूरे इलाके में मच्छरों का प्रकोप चिंताजनक रूप से बढ़ गया है, जिससे डेंगू, मलेरिया और चिकुनगुनिया जैसी जलजनित बीमारियों का खतरा स्थानीय लोगों के सिर पर मंडरा रहा है। इतना ही नहीं, जमा पानी में सांप और जहरीले जीव-जंतु घरों तक पहुंच रहे हैं, जिससे नागरिकों और खासकर छोटे बच्चों की सुरक्षा पर बड़ा खतरा मंडराने लगा है। स्थानीय निवासियों और ग्रामीणों द्वारा गांधीनगर नगर निगम और जिम्मेदार अधिकारियों को कई बार लिखित व मौखिक शिकायतें दी जा चुकी हैं। लेकिन, प्रशासन के कानों तक जनता की आवाज पहुंच ही नहीं रही है। बार-बार की गई शिकायतों के बावजूद इस गंभीर समस्या का स्थायी निवारण क्यों नहीं किया जा रहा, यह जनता के लिए बड़ा सवाल बन गया है। जब भी पानी भरता है, तब प्रशासन सिर्फ झूठे आश्वासन देकर कागजी कार्रवाई दिखा देता है, लेकिन धरातल पर स्थिति में कोई सुधार नहीं होता। सालों से एक ही समस्या से जूझ रही जनता का दर्द प्रशासन को क्यों दिखाई नहीं दे रहा?

मोरबी में गरीब सब्ज़ी बेचने वाले से पैसे ऐंठने वाला नगर निगम कर्मचारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मोरबी। मोरबी शहर में नगर निगम कर्मचारियों की दादागिरी और सड़क पर हरी सब्ज़ियाँ बेचने वाले छोटे व्यापारियों से अवैध वसूली का एक चौंकाने वाला और हैरान करने वाला मामला सामने आया है। मंत्री ने नगर निगम कमिश्नर को छोटे व्यापारियों को परेशान करने और प्रशासन का दुरुपयोग करने के आरोप में एक भ्रष्ट कर्मचारी को तुरंत सस्पेंड (वसूली) करने का सख्त आदेश दिया है। घटना की जानकारी यह है कि मोरबी में सड़क पर सब्ज़ियाँ बेच रही एक कामकाजी महिला से नगर निगम का एक कर्मचारी अवैध रूप से पैसे वसूल रहा था। कर्मचारी की दादागिरी और बार-बार परेशान करने से तंग आकर महिला ने हिम्मत दिखाई और कर्मचारी के मुँह पर साफ शब्दों में कहा, 'मैं कनुभाई (मंत्री कनुभाई देसाई) को बता दूँगी!' महिला की इस बेतुकी बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और जल्द ही राज्य मंत्री कनुभाई देसाई तक पहुँच गया। उसका नाम सुनकर और एक गरीब महिला की बेबसी और हिम्मत देखकर, मंत्री कनुभाई देसाई बिना देर किए सब्जी बेचने वाली महिला से मिलने मौके पर पहुंच गए। मंत्री को अपने सामने देखकर महिला इमोशनल हो गई। मंत्री ने खुद महिला की कहानी सुनी और पूरी घटना की गंभीरता को समझते हुए तुरंत म्युनिसिपल कमिश्नर से फोन पर बात की। मंत्री ने कमिश्नर को साफ और सख्त शब्दों में कहा, 'छोटे और गरीब व्यापारियों से गैर-कानूनी तरीके से पैसे वसूलने और उन्हें धमकाने वाले कर्मचारियों को तुरंत जेल भेजो, ऐसे भ्रष्ट कर्मचारियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।' मंत्री ने पीड़ित महिला को भरोसा दिलाया कि सही और निष्पक्ष कार्रवाई की जाएगी। मंत्री के इस बयान के बाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन सिस्टम में हलचल मच गई है। 'महानगर मेट्रो न्यूज पेपर' प्रशासन को चेतावनी देता है कि जो भी भ्रष्ट अधिकारी या कर्मचारी छोटे व्यापारियों को, जो अपना गुज़ारा करते हैं, असुरक्षा की भावना देगा, उसके खिलाफ भी ऐसे ही घातक कदम उठाए जाने चाहिए।

अहमदाबाद के भाड़जा में बंद घर से करोड़ों की चोरी करने वाला कुख्यात चोर सुनील परमार पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर के सोला इलाके में भाड़जा के रबारी वास में एक बंद घर को निशाना बनाकर 12.95 लाख रुपये के कीमती सोने-चांदी के गहने चुराने वाले एक कुख्यात चोर को सोला हाई-टेक पुलिस ने कुछ ही दिनों में पकड़ लिया है और अनसुलझी चोरी की गुत्थी सुलझा ली है। कुख्यात अपराधी ने चोरी के बाद चोरी का माल ज़मीन में गाड़ दिया था, लेकिन पुलिस की तेज़ नज़र और टेक्निकल सर्विलांस के सामने उसकी चालाकी बेकार साबित हुई। मिली जानकारी के मुताबिक, भाड़जा के रबारी वास में एक चोर ने बंद घर में घुसकर 12.95 लाख रुपये के कीमती गहने चुरा लिए और फरार हो गया। घटना के बारे में सोला पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज होते ही, सीनियर पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में सोला पुलिस की स्पेशल टीमें बनाई गईं। चोर तक पहुंचने के लिए सोला पुलिस ने दिन-रात क्राइम एरिया से लेकर भागने के सभी मुमकिन रास्तों के 250 से ज़्यादा CCTV कैमरों की फुटेज खंगाली। लगातार ह्यूमन इंटेलिजेंस और सर्विलांस के आधार पर पुलिस को खास जानकारी मिली कि चोर बगोदरा की तरफ भागने की कोशिश कर रहा है। जिसके बाद सोला पुलिस ने तुरंत इलाके को घेर लिया और आरोपी सुनील परमार को बगोदरा टोल हाईवे से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी सुनील परमार से कड़ी पूछताछ में पुलिस ने किराए के घर से चोरी करने की बात कबूल कर ली। पूछताछ में पता चला कि चोरी करने के बाद पकड़े जाने के डर से आरोपी ने चोरी के सारे गहने गोटा वसंतनगर के विश्वकर्मा कॉम्प्लेक्स के पास एक छप्पर में ज़मीन में गहरे दबा दिए थे। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर छापेमारी कर 10.70 लाख रुपये का कीमती सामान सुरक्षित बरामद कर लिया। गिरफ्तार आरोपी सुनील परमार कोई आम तस्कर नहीं बल्कि एक शातिर अपराधी है। पुलिस जांच में पता चला है कि वह पहले भी जामनगर जिले में चोरी के 2 गंभीर मामलों में पकड़ा जा चुका है और जेल जा चुका है। जेल से रिहा होने के बाद भी उसने अपने क्रिमिनल रास्ते नहीं छोड़े और अहमदाबाद को अपना नया अड्डा बना लिया। सोला पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कानूनी क्रिमिनल कार्रवाई शुरू कर दी है और यह देखने के लिए आगे रिमांड लेने की कोशिश शुरू कर दी है कि क्या वह किसी और चोरी के मामले में शामिल है।

आणंद में नकली डिप्टी कलेक्टर पकड़ा गया: नौकरी का झांसा देकर 7.70 लाख रुपये ठगने वाला ठग रोनक क्रिश्चियन आखिरकार सलाखों के पीछे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आनंद। आनंद पुलिस ने मिली-जुली पहचान वाले और बड़े चोरों के एक गैंग पर नज़र रखी है, जो सरकारी नौकरी पाने की उम्मीद कर रहे मासूम युवाओं को निशाना बनाकर लाखों रुपये ऐंठ रहे हैं। आणंद में बकरोल रोड पर श्रीविहार सोसाइटी में रहने वाले नीरजकुमार भूपेंद्रभाई पटेल की सतर्कता और हिम्मत से एक बड़े चोर का भंडाफोड़ हुआ है। आणंद पुलिस ने रोनक सुधीरभाई क्रिश्चियन नाम के एक फर्जी अधिकारी को पकड़ा है, जिसने एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम का एक बड़ा अधिकारी (डिप्टी कलेक्टर) होने का नाटक रचा था और मासूम नागरिकों से लाखों रुपये ऐंठकर खुद को कानूनी शिकंजे में डाल लिया था। मिली जानकारी के मुताबिक, गामडी में सलेम नगर सोसाइटी का रहने वाला रोनक सुधीरभाई क्रिश्चियन हाल ही में शिकायतकर्ता नीरजकुमार पटेल की ज़ेरॉक्स दुकान पर आया था। अपनी पावर और दबदबा दिखाने के लिए उसने अपने पास मौजूद डिप्टी कलेक्टर का नकली आईडी कार्ड दिखाया। खुद को एक बड़ा सरकारी अधिकारी बताकर, रोनक ने शिकायत करने वाले नीरजकुमार और उसके दोस्त को अपने भरोसे में ले लिया। सरकारी सिस्टम में अपनी पहुंच होने की अफवाह फैलाकर, उसने दोनों युवाओं को 'नायब मामलातदार' की सीधी भर्ती के लिए सीधे नौकरी दिलाने का लालच दिया। इस चालाक ठग ने शिकायत करने वाले और उसके दोस्त से, जिन्हें नौकरी का लालच दिया गया था, कई चरणों में कुल 7.70 लाख रुपये ऐंठ लिए। पैसे लेने के काफी समय बाद भी, जब नौकरी का कोई पता नहीं चला और आरोपी रोनक वादे पर वादे करने लगा, तो शिकायत करने वाले को एहसास हुआ कि उसके साथ धोखा हुआ है। इस जानलेवा धोखाधड़ी के बाद, शिकायत करने वाले नीरजकुमार ने तुरंत आनंद पुलिस स्टेशन में संपर्क किया और पूरी घटना के बारे में डिटेल में शिकायत दर्ज कराई।

विश्व उमिया फाउंडेशन विवादों के घेरे में...

76,000 दीये जलाने पर जनाक्रोश, विरोध करने वाले युवाओं को 'असामाजिक' बताने पर पाटीदार नेता विनूभाई अघारा का जोरदार प्रहार!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/मोरबी। समाज के हित, शिक्षा और कल्याण के नाम पर खड़ी की गई संस्थाएं जब अपने मूल उद्देश्यों को भूलकर सत्ता की चापलूसी में मसरूफ हो जाती हैं, तब समाज का आक्रोश ज्वालामुखी बनकर बाहर निकलता है। अहमदाबाद स्थित विश्व उमिया फाउंडेशन द्वारा 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन पर 76,000 दीये जलाने के भव्य और खर्चीले आयोजन के बाद शुरू हुआ विवाद अब चरम पर पहुंच गया है। समाज की गाढ़ी कमाई के पैसे से ऐसे आडंबर और राजनीतिक चापलूसी जैसे कार्यक्रम करने के खिलाफ पाटीदार समाज के युवाओं और प्रमुख नेताओं ने मोर्चा खोल दिया है। मोरबी के जेतपुर गांव के 21 जागरूक युवाओं ने 18 सितंबर को अहमदाबाद स्थित विश्व उमिया फाउंडेशन के कार्यालय पहुंचकर इस खर्चीले आयोजन के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया था। हालांकि, संस्था के पदाधिकारियों ने अपनी भूल स्वीकार करने के बजाय अहंकारी रवैया अपनाया। फाउंडेशन की मीडिया कमेटी के चेयरमैन धवल माकड़िया ने विरोध करने वाले युवाओं को 'तिसमारखां' और 'असामाजिक तत्व' बताते हुए सोशल मीडिया पर उपदेश दिया कि 'उमिया माता के पास बच्चा बनकर आओगे तो समस्याएं दूर होंगी, पहले 1000 रुपये का दान करो फिर बोलो!' मीडिया कमेटी के इस गैर-जिम्मेदाराना और अपमानजनक बयान के बाद पाटीदार नवनिर्माण सेना के मोरबी प्रमुख विनूभाई अघारा ने धवल माकड़िया से फोन पर बातचीत कर उन्हें कड़े शब्दों में आड़े हाथों लिया। विनूभाई ने सीधे सवाल पूछेः क्या किसान के बेटे, जो समाज के हित में सवाल पूछने आए थे, असामाजिक तत्व हैं? क्या उनके खिलाफ कोई आपराधिक रिकॉर्ड है या वे शराब-जुआ जैसी गतिविधियों में शामिल हैं? समाज के पैसे से बनी सार्वजनिक संस्था में कोई सवाल पूछे तो उसे 'तिसमारखां' कहने का अधिकार उन्हें किसने दिया? इस बातचीत के दौरान धवल माकड़िया द्वारा 'आपको सुनने के लिए खाली नहीं बैठा हूं' और 'क्या पूरे गुजरात में आप अकेले ही किसान हैं?' जैसे गैर-जिम्मेदाराना जवाब दिए गए, जिससे संस्था के पदाधिकारियों का अहंकार और आम जनता के सवालों से भागने की मानसिकता उजागर हो गई है।

विनूभाई अघारा का बड़ा खुलासाः 'संस्था पर चोर मंडली का कब्जा, चैरिटी कमिश्नर करें जांच

स्थानीय मीडिया से बातचीत में विनूभाई अघारा ने बेहद चौंकाने वाले आरोप लगाते हुए कहा कि एनआरआई सी. के. पटेल के संकल्प और सपने से शुरू हुए इस फाउंडेशन में मूल संस्थापकों को दरकिनार कर दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान में संस्था चलाने वाले लोगों में राजकोट के महेंद्रभाई फड़दू आत्महत्या मामले के मुख्य आरोपी भी शामिल हैं और फिलहाल एक 'चोर मंडली' संस्था पर कब्जा जमाकर बैठी है। उन्होंने आगे कहाः1. समाज के पैसों का दुरुपयोगः ईंट के नाम पर और धर्म के नाम पर जुटाए गए समाज की मेहनत के पैसे को 76,000 दीये जैसे आडंबर और खर्चीले कार्यक्रमों में उड़ाने का संस्था को कोई अधिकार नहीं है। 2. चैरिटी कमिश्नर से शिकायतः यह एक सार्वजनिक चैरिटेबल ट्रस्ट है, किसी की निजी दुकान नहीं। प्रधानमंत्री का सम्मान शॉल ओढ़ाकर भी किया जा सकता है, लेकिन किसानों के पैसे से ऐसे जश्न नहीं मनाए जा सकते। 3. हाईकोर्ट जाने की चेतावनीः विनूभाई और उनका प्रतिनिधिमंडल सोमवार को चैरिटी कमिश्नर से मिलकर विश्व उमिया फाउंडेशन पर प्रशासक नियुक्त करने और इस अनावश्यक खर्च की वसूली करने की मांग करेगा। अगर कमिश्नर ने कार्रवाई नहीं की तो हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया जाएगा।

'महानगर मेट्रो' का कड़ा प्रहार

समाज और धर्म के नाम पर खड़ी संस्थाएं जब सत्ताधीशों की चापलूसी में व्यस्त हो जाएं और समाज के वास्तविक मुद्दों पर चुप्पी साध लें, तब ऐसी संस्थाओं की जवाबदेही तय करना बेहद जरूरी हो जाता है। 'दान दोगे तभी बोलने का हक मिलेगा' जैसी मानसिकता धर्म के नाम पर व्यापार करने के अलावा और कुछ नहीं है। 'महानगर मेट्रो' मांग करता है कि ऐसे चापलूस पदाधिकारियों को हटाकर समाज के जागरूक युवाओं को संस्था का प्रबंधन सौंपा जाए।

पादरा नगरपालिका में इंसानियत तार-तार

बिना सुरक्षा उपकरणों के सीवर के गंदे पानी में उतारे गए मजदूर! ठेकेदार और अधिकारियों की सांठगांठ पर 'महानगर मेट्रो' का बड़ा प्रहार!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा/पादरा। गुजरात के वडोदरा जिले की पादरा नगरपालिका से इंसानियत को शर्मसार करने वाला और कानून की धज्जियां उड़ाने वाला बेहद संगीन मामला सामने आया है। पादरा नगरपालिका द्वारा कराए जा रहे नाले और सीवर की सफाई के काम में गरीब मजदूरों की जान के साथ खुलेआम खिलवाड़ करने का चौंकाने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि बिना किसी पीपीई किट, ग्लव्स, मास्क, बूट या सुरक्षा उपकरणों के ही मजदूरों को सीवर के जहरीले और गंदे पानी में उतार दिया गया है। सफाई कर्मचारियों की जिंदगी को दांव पर लगाकर कराया जा रहा यह काम

प्रशासनिक क्रूरता और संवेदनहीनता की सारी हदें पार करता है।

मौके पर मौजूद थे अधिकारी, फिर भी मौन सहमति क्यों?

सबसे चौंकाने वाली और गंभीर बात यह है कि जब मजदूरों की जान से यह खिलवाड़ किया जा रहा था, तब मौके पर नगरपालिका के जिम्मेदार कर्मचारी और अधिकारी भी मौजूद थे। इसके बावजूद, किसी ने भी इस अमानवीय कृत्य को रोकने की जहमत नहीं उठाई। सवाल उठता है कि क्या नगरपालिका के अधिकारियों और ठेकेदार के बीच इस लापरवाही में सीधी मिलीभगत है? सुप्रीम कोर्ट और सरकार के सख्त आदेश हैं कि किसी भी इंसान को बिना सुरक्षा उपकरणों के सीवर या मैनहोल में नहीं उतारा जा सकता। इसके बावजूद, पादरा नगरपालिका में ठेकेदार द्वारा सरकारी नियमों और श्रम कानूनों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। यदि सीवर की जहरीली गैस या संक्रमण से किसी मजदूर के साथ अनहोनी हो जाती, तो उस गरीब परिवार का जिम्मेदार कौन होता?

'महानगर मेट्रो' के तीखे और कड़े सवालः

1. गरीब और मजबूर मजदूरों की जिंदगी से खेलने वाले ऐसे लापरवाह ठेकेदार का ठेका तुरंत रद्द कर उसके खिलाफ एफआईआर कब दर्ज की जाएगी?

2. मौके पर मौजूद रहने के बावजूद तमाशबीन बने नगरपालिका के जिम्मेदार कर्मचारियों और मुख्य अधिकारी (चीफ ऑफिसर) पर सख्त दंडात्मक कार्रवाई कब होगी?

3. मजदूरों की सुरक्षा और सेफ्टी किट के नाम पर आने वाला बजट आखिरकार किसकी जेब में गया?

'महानगर मेट्रो' स्पष्ट शब्दों में मांग करता है कि कागजी सफाई और झूठे आश्वासनों के बजाय मजदूरों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले ठेकेदार और लापरवाह अधिकारियों की जवाबदेही तय कर उनके खिलाफ तत्काल सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए!

शेयर ट्रेडिंग और क्रिप्टो के नाम पर निवेश का जाल, हेमंत वर्मा ने फर्जी निवेश नेटवर्क और पिरामिड योजनाओं पर सख्ती की उठाई मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रायपुर। शेयर बाजार में ट्रेडिंग और क्रिप्टोकरेंसी के जरिए रातों-रात अमीर बनने का सपना लोगों को किस तरह आर्थिक और सामाजिक संकट में डाल सकता है, इसका एक गंभीर मामला रायपुर में सामने आया है। यहां 30 लाख रुपये और ब्याज के विवाद में एक शिक्षक की हत्या कर दी गई। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए मृतक के साथी शिक्षक को गिरफ्तार किया है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, आरोपी ने ट्रेडिंग में मोटा मुनाफा कमाने के उद्देश्य से मृतक से 30 लाख रुपये लिए थे। निवेश में नुकसान होने के बाद रकम वापस नहीं कर पाने और लगातार तकादे व ब्याज के दबाव के बीच विवाद इतना बढ़ा कि उसने अपने ही साथी की जान ले ली। पुलिस के अनुसार, मृतक शिक्षक शिवकुमार चंद्राकर (46) की हत्या के मामले में आरोपी शिक्षक को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार किया गया। आरोप है कि आरोपी ने चाकू और हथौड़े से हमला कर वारदात को अंजाम दिया। यह घटना निवेश के नाम पर होने वाले आर्थिक लेन-देन, आपसी विश्वास और बढ़ते कर्ज के गंभीर परिणामों को सामने लाती है। आईरा इंटरनेशनल रिपोर्टर एसोसिएशन छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत वर्मा ने शेयर ट्रेडिंग और क्रिप्टोकरेंसी के नाम पर लोगों से निवेश करवाने वाले संदिग्ध नेटवर्क को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि वे लगातार ऐसे फर्जी निवेश के प्रति लोगों को जागरूक करने का प्रयास कर रहे हैं। उनके मुताबिक, कई गिरोह पिरामिड योजनाओं और अधिक मुनाफे का लालच देकर लोगों को निवेश के लिए प्रेरित कर रहे हैं। वर्मा ने कहा कि ट्रेडिंग और क्रिप्टोकरेंसी के नाम पर होने वाली धोखाधड़ी से लोगों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। कई मामलों में निवेश और उधार की रकम को लेकर आपसी विवाद भी गंभीर रूप ले सकते हैं। उन्होंने सरकार से शेयर ट्रेडिंग और क्रिप्टोकरेंसी के नाम पर होने वाली कथित धोखाधड़ी तथा फर्जी निवेश नेटवर्क पर प्रभावी नियंत्रण की मांग की। हेमंत वर्मा ने कहा कि लोगों को निवेश के नाम पर ठगी से बचाने के लिए जागरूकता के साथ-साथ प्रभावी कार्रवाई भी जरूरी है। उन्होंने पुलिस प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि फर्जी ट्रेडिंग ऐप और निवेश नेटवर्क के खिलाफ समय रहते कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि लोगों को आर्थिक नुकसान से बचाया जा सके। रायपुर की यह घटना निवेश के नाम पर होने वाले लेन-देन में सावधानी बरतने की जरूरत को रेखांकित करती है। खासकर जब कोई व्यक्ति निश्चित या असाधारण मुनाफे का लालच देकर बड़ी रकम निवेश करने के लिए कहे, तो उसकी विश्वसनीयता और योजना की वैधता की जांच करना जरूरी है। हेमंत वर्मा ने सरकार से अपील की कि शेयर ट्रेडिंग और क्रिप्टोकरेंसी के नाम पर सक्रिय फर्जी गिरोहों पर सख्ती की जाए तथा आम लोगों को ऐसे निवेश के जोखिमों के प्रति जागरूक किया जाए।

विगत बीस वर्षों से चला रहे नशा मुक्ति अभियान

शिक्षा, साहित्य और सामाजिक कार्यक्रमों में देते हैं नशा मुक्ति उद्बोधन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। विगत दिनों केसीजी जिला स्तरीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के सातवीं वर्ष सम्मान समारोह कार्यक्रम में अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के जिला केसीजी नशा मुक्ति अभियान प्रभारी राज्य पाल शिक्षक सम्मान से सम्मानित शिक्षक तुलेश्वर कुमार सेन के मार्ग दर्शन में नशा मुक्त भारत अभियान की प्रदर्शनी लगाया गया जिसे उपस्थित पालकों, बालकों और शिक्षकों ने अवलोकन किया देखा और नशा मुक्त जीवन जीने का संकल्प लिया और अन्य लोगों को भी प्रेरित करने का संकल्प लिया तुलेश्वर कुमार सेन को नशा मुक्त अभियान के लिए डाइट खैरागढ़, समाज कल्याण विभाग खैरागढ़ और शिक्षा विभाग खैरागढ़ की ओर से भी जिम्मेदारी दी गई है कि वह भारत सरकार की नशा मुक्त भारत अभियान को जन जन तक पहुंचाने का प्रयास करे और जन जागरूकता के माध्यम से

प्रेरित करे तुलेश्वर कुमार सेन बताया कि वह जो कोई भी आमंत्रित करते हैं तो उस स्थान पर पहुंच कर निःशुल्क नशा मुक्ति अभियान प्रदर्शनी, वीडियो फिल्म व्यसन से बचाएं सृजन में लगाए,उद्बोधन रैली में सहयोग प्रदान करते हैं कोई भी सामाजिक ,राजनीतिक मंचों में उसे आमंत्रित करते हैं स्काउट गाइड शिविर, एन सी सी, एन एस एस ,विभिन्न सामाजिक संगठनों में भी आमंत्रित करते हैं विगत बीस वर्षों से यह कार्यक्रम कर रहे हैं उन्हें नशा मुक्ति अभियान वाले गुरुजी के रूप में जाना पहचाना जाता है विगत बीस वर्षों से शिक्षा साहित्य सामाजिक कार्यक्रमों में अपनी सेवा दे रहे हैं इनकी प्रत्येक कविताओं आलेखों में नशा मुक्ति अभियान की बाते होती है कार्यक्रम में अपना उद्बोधन देते हैं,महिला समूह,ग्राम पंचायत,स्कूल, कालेज में भी आमंत्रित किए जाते हैं विगत बीस वर्षों से नशा मुक्ति अभियान को लेकर ग्राम ढ्ग्राम ,नगर ढ्नगर,शहर ढ्शहर चल रहे हैं प्रदेश ही नहीं प्रदेश के बाहर भी जाते हैं डिजिटल दुनिया में आन लाइन और ऑफ लाइन में मार्ग दर्शन उद्बोधन देते है इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सम्माननीया श्रीमती लवली शर्मा कुलपति इंदिरा कला संगीत विश्व विद्यालय खैरागढ़, नवनियुक्त जिला शिक्षा अधिकारी उपेन्द्र कुमार देवांगन,विकास खंड शिक्षा अधिकारी खैरागढ़ सुश्री नीलम राजपूत,नव नियुक्त विकास खंड शिक्षा अधिकारी छुईखदान प्रशांत कुमार ,सहायक विकास खंड शिक्षा अधिकारी छुईखदान गिरेन्द्र सुधाकर रहे।

सुरत में टैंकरों से रसोई गैस चोरी का बड़ा भंडाफोड़: HPCL के कर्मचारी समेत 9 गिरफ्तार, 56 लाख रुपये का माल जब्त!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सुरत। गुजरात के सुरत शहर के भेसाण इलाके में धड़ल्ले से चल रहे अवैध एलपीजी गैस चोरी और रिफिलिंग के काले कारोबार पर पुलिस ने सर्जिकल स्ट्राइक करते हुए एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया है। गैस टैंकरों से जानलेवा तरीके से घरेलू रसोई गैस सिलेंडरों में अवैध रिफिलिंग करने वाले पूरे नेटवर्क को पुलिस ने सटीक मुखबिरी के आधार पर दबोच लिया है। इस कार्रवाई से गैस माफियाओं और भ्रष्ट कर्मचारियों में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने छापेमारी के दौरान एचपीसीएल (हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड) के एक कर्मचारी समेत कुल 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। शुरुआती जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि करोड़ों रुपये का यह खतरनाक और अवैध काला खेल महज 12 हजार रुपये के वेतनभोगी चौकीदार की देखरेख में चलाया जा रहा था! चौकीदार की आड़ में पीछे से गैस रिफिलिंग का बड़ा सिंडिकेट काम कर रहा था।

56 लाख रुपये का सामान जब्त

पुलिस ने मौके से 87 एलपीजी सिलेंडर, 1 बड़ा गैस टैंकर, 1 टेम्पो और 2 अन्य गाड़ियां जब्त की हैं। जब्त किए गए पूरे सामान की कुल कीमत लगभग 56 लाख रुपये बताई जा रही है। टैंकरों से अवैध और बेहद लापरवाही भरे तरीके से गैस निकालकर सिलेंडरों में भरी जा रही थी, जिससे आसपास के क्षेत्र में बड़ा हादसा हो सकता था।

कोर्ट में पेशी: 5 आरोपी जेल भेजे गए, 4 रिमांड पर

पुलिस ने पकड़े गए सभी 9 आरोपियों को अदालत में पेश किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोर्ट ने 5 आरोपियों की रिमांड खारिज कर उन्हें सीधे लाजपोर सेंट्रल जेल भेजने का आदेश दिया, जबकि 4 मुख्य आरोपियों को 1 दिन के पुलिस रिमांड पर सौंपा गया है।

मुंबई तक फैले तार: जांच तेज

जांच में सामने आया है कि जिस जगह पर यह अवैध कारोबार चल रहा था, उस जमीन का मालिक मुंबई में रहता है। पुलिस अब जमीन मालिक की भूमिका की भी गहराई से जांच कर रही है। इस बात का पता लगाया जा रहा है कि इस गैस चोरी नेटवर्क के पीछे और कौन-कौन से बड़े चेहरे और सफेदपोश शामिल हैं।

अहमदाबाद में साइबर ठगों का जाल: निकोल में युवक को व्हाट्सएप पर एपीके फाइल भेज मोबाइल किया हैक

खाते से उड़ाए 1.51 लाख रूपये

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर के पूर्वी इलाके में साइबर अपराध के मामले चिंताजनक रूप से बढ़ रहे हैं, जहां ठग आधुनिक तकनीक का दुरुपयोग कर लोगों की गाढ़ी कमाई पल भर में साफ कर रहे हैं। निकोल इलाके में रहने वाले एक नागरिक को व्हाट्सएप पर आई अज्ञात एपीके फाइल डाउनलोड करना भारी पड़ गया। साइबर माफियाओं ने युवक का मोबाइल हैक कर बैंक खाते से 1,51,000 उड़ाकर ऑनलाइन धोखाधड़ी की सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह डिजिटल लूट कृष्णनगर पुलिस थाना क्षेत्र के निकोल रोड स्थित श्रीनाथ पार्क निवासी 44 वर्षीय कमलेशभाई बाबूभाई भुवा के साथ हुई है। बीते 2 सितंबर 2026 को कमलेशभाई के व्हाट्सएप पर एक अज्ञात नंबर से एपीके (अनधिकृत एंड्रॉइड एप्लीकेशन) फाइल आई थी। कमलेशभाई ने बिना किसी शक के जैसे ही इस फाइल पर क्लिक करके इसे डाउनलोड किया, शातिर हैकर्स ने उनके पूरे मोबाइल फोन का रिमोट एक्सेस हासिल कर फोन हैक कर लिया। इसके बाद, कमलेशभाई की जानकारी के बिना उनके बैंक खाते से किश्तों में 1,51,000 की बड़ी रकम अन्य अज्ञात बैंक खातों में ट्रांसफर कर दी गई। बैंक से पैसे कटने के मैसेज आते ही कमलेशभाई के होश उड़ गए। ठगी का अहसास होने पर उन्होंने तुरंत कृष्णनगर पुलिस स्टेशन से संपर्क किया। इस मामले में 18 सितंबर 2026 को औपचारिक मामला दर्ज होने के बाद, कृष्णनगर पुलिस निरीक्षक वी.एच. जोशी ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए साइबर सेल और टेक्निकल सर्विलांस की मदद से जांच तेज कर दी है। जिन खातों में पैसे ट्रांसफर हुए हैं, उनके लोकेशन और व्हाट्सएप नंबर के आईपी एड्रेस हासिल कर आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। दिन-प्रतिदिन बढ़ते इन साइबर अपराधों से निपटने के लिए पुलिस प्रशासन और साइबर विशेषज्ञों ने नागरिकों के लिए चेतावनी जारी की हैः व्हाट्सएप, टेलीग्राम या मैसेज के जरिए आने वाली किसी भी एपीके एक्सटेंशन वाली फाइल को कभी भी डाउनलोड न करें। अक्सर शादी के डिजिटल कार्ड, बिजली बिल अपडेट, बैंक केवायसी या फ्री रिवॉर्ड्स के नाम पर ऐसी खतरनाक एपीके फाइलें भेजी जाती हैं। कोई भी ऐप केवल आधिकारिक गूगल प्ले स्टोर या एप्पल ऐप स्टोर से ही डाउनलोड करें। यदि आप भी ऐसी धोखाधड़ी का शिकार होते हैं, तो बिना किसी देरी के तुरंत 1930 साइबर हेल्पलाइन पर कॉल करके शिकायत दर्ज कराएं या नजदीकी पुलिस स्टेशन से संपर्क करें।

धोबी गली गणेशोत्सव मंडल ने 58 यूनिट रक्तदानःगणेश मंडप में गणपति आरती के बाद लगा रक्तदान शिविर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आबूरोड। धोबी गली चा महाराजा नवयुवक गणेशोत्सव मंडल ने रोटरी ग्लोबल ब्लड बैंक के सहयोग से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाया। गणेश महोत्सव के दौरान आयोजित इस शिविर में 58 यूनिट रक्तदान किया गया। इसमें विभिन्न समाजों और धर्मों के लोगों ने उत्साह से हिस्सा लिया।गणेश मंडप में गणपति आरती के बाद रक्तदान शिविर शुरू हुआ। इसमें महिलाओं और युवतियों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया।शिविर संयोजक नवीन सांखला ने बताया कि मंडल ने मानव सेवा के उद्देश्य से यह शिविर लगाया था। इसमें शहरभर के लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाई।ब्लड बैंक प्रभारी धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि शहर में पहली बार किसी गणेश पंडाल में रक्तदान शिविर हुआ है। उन्होंने बताया कि यह पहल लोगों में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने में मदद करेगी। उन्होंने शिविर की सफलता के लिए मंडल के सदस्यों, रक्तदाताओं और सहयोगियों का आभार जताया।शिविर के दौरान अग्रवाल समाज अध्यक्ष सागरमल अग्रवाल, अग्रकुल सेवा फाउंडेशन की महिला प्रदेशाध्यक्ष राधा सिंघल, रेलवे पैसेंजर एसोसिएशन अध्यक्ष बसंत प्रजापत, मुस्लिम समाज के लईक अहमद और शरीफ रंगरेज

सम्मेलन में बोले विशेषज्ञ- तनाव से बचने के लिए मेडिटेशन जरूरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। ब्रह्माकुमारी संगठन के ज्ञान सरोवर अकादमी परिसर में चिकित्सा सेवा प्रभाग की ओर से 'माइंड, बॉडी, मेडिसिन' विषय पर चार दिवसीय राष्ट्रीय चिकित्सा सम्मेलन की शुरुआत हुई।

उद्घाटन सत्र में सेंट्रल ब्यूरो ऑफ नारकोटिक्स के नारकोटिक्स कमिश्नर डॉ. दिनेश बिसेन ने कहा कि चिकित्सकों का दायित्व मरीजों को धैर्य देना है। उन्होंने बदलती जीवनशैली और बढ़ते तनाव के बीच मेडिटेशन को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की जरूरत बताई। उनके अनुसार मेडिटेशन से सकारात्मक ऊर्जा मिलती है और तन-मन सक्रिय रहता है। ज्ञान सरोवर की निदेशिका राजयोगिनी प्रभा दीदी ने कहा कि मेडिटेशन मन को मजबूत बनाने का तरीका है और इससे व्यक्ति स्वयं को परमात्मा से जोड़ पाता है। मारवाड़ मेडिकल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. महेंद्र कुमार असेरी ने कहा कि सोच का स्वास्थ्य पर सीधा असर पड़ता है। उन्होंने बताया कि प्रसन्न रहने से कई बीमारियों से बचाव में मदद मिलती है। हरियाणा मेडिकल काउंसिल के रजिस्ट्रार डॉ. मनदीप सचदेवा ने जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम के लिए संयमित और आध्यात्मिक दिनचर्या अपनाने पर जोर दिया।

सुबह तेज धूप, शाम पांच बजे बरसे बादल; 25 मिनट की बारिश से तरबतर हुईं सड़कें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। पहाड़ी पर्यटन नगरी में पिछले एक सप्ताह से जारी हल्की बारिश के बीच शुक्रवार को मौसम ने अचानक करवट ली। सुबह तेज धूप खिली, लेकिन दोपहर बाद आसमान में बादल छा गए। शाम करीब 5 बजे तेज बारिश शुरू हुई, जो 20 से 25 मिनट तक जारी रही। बारिश से शहर की सड़कें पानी से तरबतर हो गईं। बारिश थमने के बाद मौसम सुहाना हो गया। आसमान में हल्के बादलों के बीच नीला आसमान भी नजर आया। शुक्रवार को माउंट आबू का न्यूनतम तापमान 17.4 और अधिकतम 22.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शनिवार को तापमान में मामूली बढ़ोतरी हुई। न्यूनतम तापमान 17.9 और अधिकतम 23.9 डिग्री सेल्सियस रहा।अगले 1-2 दिन बारिश में कमी के आसार : मौसम विभाग के निदेशक राधेश्याम शर्मा के अनुसार कम दबाव का क्षेत्र शुक्रवार को कमजोर होकर दक्षिणी राजस्थान, गुजरात और आसपास के क्षेत्रों में परिसंचरण तंत्र के रूप में बना हुआ है। इसके साथ ही एक पश्चिमी विक्षोभ भी सक्रिय है।उन्होंने बताया कि 19 सितंबर को दक्षिण-पश्चिम मानसून पश्चिमी राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों के कुछ हिस्सों से विदा हो चुका है। आगामी 3-4 दिनों में राजस्थान के कुछ और हिस्सों के साथ पंजाब तथा सौराष्ट्र-कच्छ के कुछ हिस्सों से मानसून की वापसी के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। पश्चिमी राजस्थान में अगले 1-2 दिनों में बारिश की गतिविधियों में कमी आने की संभावना है। 21 सितंबर से राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने के आसार हैं। पश्चिमी राजस्थान में अगले 1-2 दिनों में बारिश की गतिविधियों में कमी आने की संभावना है। 21 सितंबर से राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम मुख्यत पश्चिमी राजस्थान में अगले 1-2 दिनों में बारिश की गतिविधियों में कमी आने की संभावना है।

नेजा नवमी पर उमड़ा आस्था का सैलाबःबाबा रामदेव की पालकी के साथ निकला भव्य जुलूस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पिण्डवाड़ा। पिण्डवाड़ा के पश्चिमी मेघवाल वास में रविवार को नेजा नवमी मनाई गई। इस दौरान बाबा रामदेव मंदिर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही मंदिर परिसर भक्तों से भरा रहा। श्रद्धालुओं ने हाथों में रंग-बिरंगे नेजा लेकर बाबा रामदेव के जयकारे लगाए और मंदिर में शीश नवाया।नेजा नवमी पर बाबा रामदेव की पालकी के साथ भव्य जुलूस निकाला गया। इसमें बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष और युवा शामिल हुए। श्रद्धालु हाथों में नेजा लिए बाबा के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे। डीजे और बैंड-बाजे की धुन पर पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। यह जुलूस शहर के अलग-अलग रास्तों और मोहल्लों से होते हुए पश्चिमी बाबा रामदेव मंदिर पहुंचा।जुलूस को आकर्षक बनाने के लिए कई झांकियां भी शामिल की गईं। मिकी माउस, कच्ची घोड़ी, ऊंट और घोड़े जैसी झांकियां लोगों का ध्यान खींच रही थीं। जगह-जगह लोगों ने जुलूस का स्वागत किया। युवा डीजे की धुन पर नाचते दिखे, वहीं महिलाएं और पुरुष भी श्रद्धा के साथ जुलूस में शामिल हुए।पश्चिमी बाबा रामदेव मंदिर इलाके के लोगों की आस्था का बड़ा केंद्र है। यहां श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएं लेकर आते हैं। मान्यता है कि इच्छा पूरी होने पर भक्त बाबा को नेजा चढ़ाते हैं। नेजा नवमी पर भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा रामदेव को नेजा चढ़ाया।

जोधपुर में लॉरेंस गैंग के दो शूटर गिरफ्तारःदोनों पर पंजाब में 5-5 लाख रुपए का इनाम

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स और जोधपुर कमिश्नरेट पुलिस ने लॉरेंस और आरजू गैंग के दो शार्प शूटरों को गिरफ्तार किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स और जोधपुर कमिश्नरेट पुलिस ने लॉरेंस और आरजू गैंग के दो शार्प शूटरों को गिरफ्तार किया है। दोनों बदमाशों की पहचान जसकरण सिंह उर्फ करण उर्फ कट्टा (23) निवासी फाजिल्का (पंजाब) और राजिन्दर उर्फ बिल्ला (23) निवासी अबोहर (पंजाब) के रूप में हुई है। इन पर पंजाब पुलिस ने 5-5 लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। दोनों आरोपी डेढ़ साल पहले अबोहर में कपड़ा व्यापारी संजय वर्मा और फाजिल्का में साहिल सेन की हत्या करने के बाद नेपाल भाग गए थे। नेपाल में पुलिस का दबाव बढ़ने पर मध्य प्रदेश के रास्ते सिरोही होते हुए जोधपुर पहुंचे थे। जोधपुर में वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे।एडीजी दिनेश एम.एन. के निर्देशन और जोधपुर कमिश्नर अंशुमन भोमिया के सुपरविजन में

हुई इस कार्रवाई में पुलिस टीम ने कैलाश नगर स्थित होटल सनसिटी इन के कमरा नंबर 204 में छापा मारकर दोनों को दबोच लिया। शुरुआत में आरोपियों ने नवीन जाखड़ और आशू चाबड़ा नाम से फर्जी पहचान बताकर पुलिस को गुमराह करने की कोशिश करते रहे। लेकिन कड़ाई से पूछताछ करने पर उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया। तलाशी के दौरान पुलिस ने बदमाशों के पास से एक अवैध रिवॉल्वर, 83 ग्राम अफीम का दूध, 88100 रुपए नकद, फर्जी आधार कार्ड, मोबाइल फोन और संदिग्ध दस्तावेज बरामद किए हैं।

दोनों के खिलाफ पहले से कई केस दर्ज

गिरफ्तार राजिन्दर सिंह उर्फ बिल्ला के खिलाफ अबोहर, फाजिल्का और संगरूर में हत्या, हत्या के प्रयास, रंगदारी, आर्म्स एक्ट और लूट के 8 मामले दर्ज हैं। वहीं जसकरण सिंह उर्फ करण के खिलाफ फाजिल्का और अबोहर में हत्या, बलवा, आपराधिक धमकी और लूट के 4 मामले दर्ज हैं।जोधपुर में वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे।एडीजी दिनेश एम.एन. के निर्देशन और जोधपुर कमिश्नर अंशुमन भोमिया के सुपरविजन में हुई इस कार्रवाई में पुलिस टीम ने कैलाश नगर स्थित होटल सनसिटी इन के कमरा नंबर 204 में छापा मारकर दोनों को दबोच लिया। शुरुआत में आरोपियों ने नवीन जाखड़ और आशू चाबड़ा नाम से फर्जी पहचान बताकर पुलिस को गुमराह करने की कोशिश करते रहे। लेकिन कड़ाई से पूछताछ करने पर उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

1111 शिवलिंग और चावल से बना धनुष यंत्रःमल्लेश्वर महादेव मंदिर में विशेष अनुष्ठान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। मंडवारिया गांव के मल्लेश्वर महादेव मंदिर में चल रहे विशेष चिंतामणि अनुष्ठान के तहत पहले दिन 1111 मिट्टी के शिवलिंग और 1111 चावल के दानों से धनुष यंत्र तैयार कर विधि-विधान से पूजा की गई।पंडित मनीष ओझा और पंडित रोहित ओझा ने करीब 3.30 घंटे की मेहनत से मंत्रोच्चार के बीच एक-एक शिवलिंग और चावल के दाने स्थापित किए। विशेष अनुष्ठान को देखने और पूजा का लाभ लेने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे।पंडित मनीष ओझा और पंडित रोहित ओझा ने 1111 मिट्टी के शिवलिंग बनाए। इसके साथ 1111 चावल के दानों का इस्तेमाल किया गया। मंत्रों के साथ एक-एक शिवलिंग और चावल के दानों को निर्धारित विधि से स्थापित कर बड़ा धनुष यंत्र तैयार किया गया। यंत्र पूरा होने के बाद विधि-विधान से इसकी पूजा-अर्चना की गई।रविवार को हुआ सूर्य पूजनइसी कड़ी में रविवार को मंदिर

में सूर्य पूजन किया गया। इसमें भी 1111 मिट्टी के शिवलिंग और चावल के दानों को मंत्रों से अभिमंत्रित कर स्थापित किया गया। पंडितों ने नवग्रह शांति और सूर्य देव की कृपा के लिए वैदिक मंत्रों का जाप किया। मंत्रोच्चार और पूजा के बीच पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय नजर आया।सात साल से चल रहा चिंतामणि अनुष्ठानआचार्यों ने बताया कि मल्लेश्वर महादेव मंदिर में चिंतामणि अनुष्ठान भी चल रहा है। महेंद्र/देशाराम पुरोहित पिछले 7 साल से यह अनुष्ठान कर रहे हैं। यह अनुष्ठान 7 अलग-अलग यंत्रों की स्थापना और पूजा से पूरा होता है। इस बार अनुष्ठान का 8वां साल है।पंडित मनीष ओझा ने बताया कि शास्त्रों में पार्थिव यानी मिट्टी के शिवलिंग के पूजन का विशेष महत्व बताया गया है। 1111 शिवलिंग और अक्षत के दानों से धनुष यंत्र बनाकर पूजन की यह प्रक्रिया अत्यंत दुर्लभ और मनोकामना पूर्ति के लिए अचूक मानी जाती है। मान्यता है कि इस विधि से पूजा-अर्चना करने से साधक और क्षेत्रवासियों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं तथा कष्टों और विघ्नों का निवारण होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पार्थिव शिवलिंग के पूजन और विभिन्न यंत्रों की रचना से क्षेत्र में सुख-समृद्धि, रोग-दोष से मुक्ति और जनकल्याण की प्राप्ति होती है। श्रद्धालुओं के अनुसार मल्लेश्वर महादेव मंदिर में इस प्रकार का अनुष्ठान पहली बार देखने को मिल रहा है, ता में उत्साह है।

70वीं जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ

35 टीमों के 500 छात्र-छात्राएं ले रहे भाग,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। जावाल के राजकीय उच्च माध्यमिक गर्ल्स स्कूल में 70वीं जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता शुरू हुई है। इसमें 17 से 19 साल आयु वर्ग की कुल 35 टीमें हिस्सा ले रही हैं। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में कई खास मेहमान मौजूद रहे।जिला शिक्षा अधिकारी महेंद्र नानीवाल, ईश्वरलाल पुरोहित और बलवंत सिंह सहित अन्य अतिथियों ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। अतिथियों ने खिलाड़ियों से कहा कि खेल छात्रों के पूरे विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। खेलों से छात्रों में अनुशासन, लीडरशिप, आत्मविश्वास, सहयोग और टीम भावना बढ़ती है।प्रतियोगिता में अलग-अलग स्कूलों की 35 टीमों के खिलाड़ियों ने जोश के साथ अपनी खेल प्रतिभा दिखाई। इतनी बड़ी संख्या में टीमों के आने से खिलाड़ियों और दर्शकों में खास उत्साह दिखा।मेहमानों ने खिलाड़ियों को पूरी खेल भावना से खेलने और अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्कूल और जिला स्तर पर होने वाली ऐसी प्रतियोगिताएं युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने और आगे बढ़ने का अच्छा मौका देती हैं।प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ अपने शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन किया। आयोजन स्थल पर खिलाड़ियों, शिक्षकों, शारीरिक शिक्षकों और दर्शकों में काफी उत्साह दिखा।इस मौके पर आयोजन से जुड़े शिक्षक, शारीरिक शिक्षक, निर्णायक और अन्य सहयोगी मौजूद रहे।

बच्चों की शिक्षा-स्वास्थ्य के मुद्दे पर जिला स्तरीय अधिवेशनःपढ़ाई का बेहतर माहौल तैयार करने का मुद्दा उठा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आबूरोड । ट्राइबल एम्प्लाइज फेडरेशन की ओर से रविवार को तलेटी स्थित गरासिया समाज भवन में जिला स्तरीय शैक्षिक अधिवेशन आयोजित किया गया। इसमें जिलेभर से शिक्षक-कर्मचारी, सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ शामिल हुए। अधिवेशन में शिक्षा, स्वास्थ्य, जैवविविधता संरक्षण, कर्मचारी हित, सामाजिक जागरूकता और युवाओं के मार्गदर्शन सहित कई विषयों पर चर्चा हुई।मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सतीश राजपुरोहित ने बच्चों को शिक्षा से जोड़ने और पढ़ाई के लिए बेहतर माहौल तैयार करने की जरूरत बताई। उन्होंने सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया।राजकीय महाविद्यालय रेवदर के प्राचार्य मुकेश मीणा ने दूरदराज के क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की आवश्यकता बताई। उन्होंने विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए

उचित मार्गदर्शन देने पर जोर दिया।गरासिया समाज के जिला अध्यक्ष नरसाराम सोलंकी ने शिक्षा और जागरूकता के जरिए सामाजिक बुराइयों तथा अंधविश्वासों को दूर करने की बात कही। डूंगरपुर जिला अध्यक्ष नानालाल पारगी ने कर्मचारियों से शिक्षा, स्वास्थ्य और जैवविविधता संरक्षण के क्षेत्र में जिम्मेदारी से काम करने का आह्वान किया।शिक्षक छोगाराम मोरडू ने टीएसपी क्षेत्रों में शिक्षकों के रिक्त पदों और एकल शिक्षक स्कूलों की समस्या को अधिवेशन में रखा। TEF प्रदेश सचिव मुकेश राज गमेती ने कर्मचारियों को संवैधानिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने तथा जरूरत पड़ने पर संगठन के माध्यम से सहयोग लेने की बात कही।रेवदर के छोगाराम मेघवाल ने शिक्षकों और शिक्षा कर्मियों के स्थायीकरण के मुद्दे को प्रमुखता से उठाने की जरूरत बताई। मां बाड़ी जिला अध्यक्ष रवि कुमार डामोर ने मां बाड़ी शिक्षकों के लिए शिक्षक सम्मेलन आयोजित करने और स्थायीकरण से जुड़ी मांगों पर चर्चा की।महिला प्रतिनिधि गंगा ने महिलाओं की शिक्षा और उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। रंजना बहन ने युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के अवसरों से जोड़ने की जरूरत बताई। विषयों पर तैयार किया गया एजेंडाअधिवेशन में 11 मुख्य विषयों को एजेंडे में शामिल कर चर्चा की गई। इनमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, टीएसपी क्षेत्रों की शैक्षिक चुनौतियां, शिक्षक-कर्मचारी सेवा से जुड़े मुद्दे, कर्मचारी एकता, संवैधानिक अधिकार एवं कर्तव्य, स्वास्थ्य व्यवस्था,

हॉस्पिटैलिटी बिजनेस के नाम पर 35 लाख की ठगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। जयपुर में हॉस्पिटैलिटी बिजनेस में 50 प्रतिशत पार्टनर बनाने का झांसा देकर 35 लाख रुपए ऐंठ लिए। आरोप है कि आरोपी ने निवेश के बदले प्रॉफिट देने का लालच दिया और भरोसा कायम कर दो साल तक रकम लेते रहे।पीड़ित ने जब वापस रकम मांगी तो जान से मारने की धमकी देने लगे। जिसके बाद में हिस्सेदारी और मुनाफा नहीं मिलने पर पीड़ित ने श्यामनगर थाने में धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।हेड कॉन्स्टेबल कैलाश चंद कुमावत ने बताया कि श्याम नगर के बाहुबली पथ निवासी उदित गौर ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। शिकायत में अनिल कॉल, आभा, आदित्य, अरुण और दीक्ष सहित अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज करवाया है।आरोप है कि साल-2021 में आरोपियों से बिजनेस के संबंध में उनकी बातचीत हुई थी। एक.के. हॉस्पिटैलिटी नामक बिजनेस में उसे इनवेस्ट करने का झांसा दिया। बिजनेस में 50' का पार्टनर बनाने का दावा किया।साल-2021 से साल-2023 के बीच विश्वास में रखकर 30.31 लाख रुपए बैंक अकाउंट्स और 4.50 लाख रुपए कैश ऐंठे लिए। काफी समय बीतने पर बिजनेस संबंध में पूछने पर मिलने वाले प्रॉफिट में साझेदार होने की कहकर टालमटोल कर देते।

निकाय चुनावों में निर्दलीय उम्मीदवार क्यों जीतेःकिस नेता ने पार्टी के खिलाफ काम किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान निकाय चुनाव के नतीजों के बाद भाजपा अब चुनावी प्रदर्शन की समीक्षा की तैयारी में है। पार्टी स्तर पर यह देखा जाएगा कि किन क्षेत्रों में नेताओं ने पार्टी के पक्ष में काम नहीं किया और कहां भितरघात की स्थिति बनी। बड़ी संख्या में निर्दलीय उम्मीदवारों की जीत के कारणों पर भी मंथन किया जाएगा।हालांकि, बीजेपी प्रदेश में निकाय चुनाव परिणामों को अपने पक्ष में बता रही है, लेकिन पार्टी के भीतर यह चर्चा भी हो रही है कि प्रदेश की करीब 60 प्रतिशत सीटें वो हार गई हैं। अब पार्टी नेतृत्व ने संभाग प्रभारियों को चुनाव परिणामों की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। कि प्रदेश में निकाय चुनाव के अंतिम आंकड़ों में भाजपा 4,182 वार्डों में जीती और कांग्रेस को 3619 वार्डों में जीत मिली, जबकि निर्दलीय उम्मीदवारों ने 2,273 वार्डों पर कब्जा जमाया।संभाग प्रभारी अपनी रिपोर्ट में जिन वार्डों में पार्टी को हार का सामना करना पड़ा है, उसकी पूरी जानकारी शामिल करेंगे। वहीं हार के कारण भी बताएंगे। इसके साथ ही किस नेता ने इन चुनावों में पार्टी के खिलाफ काम करके भितरघात किया, उसकी जानकारी भी रिपोर्ट में देनी होगी। बागी उम्मीदवारों को किन नेताओं ने उतारा, उनका समर्थन किस-

किस ने किया, ये तमाम जानकारी रिपोर्ट में शामिल होगी।दरअसल, आज प्रदेश बीजेपी कार्यालय में चुनाव परिणाम के बाद बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, प्रदेश के निकाय चुनाव प्रभारी और पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी ने संभाग प्रभारियों और संभाग चुनाव संचालन समिति के सदस्यों की बैठक ली। सीएम भजनलाल शर्मा भी इस बैठक में वर्चुअली जुड़े।बैठक में निकाय चुनाव के परिणामों की समीक्षा की गई और संभाग प्रभारियों को रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा गया। इसके साथ ही आगामी पंचायत चुनावों को लेकर भी चर्चा हुई।निर्दलियों की व्यापक जीत के कारण भी खोजेगी पार्टीबीजेपी अब इस बात पर विचार कर रही है कि इन चुनावों में निर्दलीयों की व्यापक जीत के क्या कारण रहे। दरअसल, निकाय चुनावों में बीजेपी ने 309 निकायों में करीब 40 प्रतिशत वार्ड जीते हैं। वहीं करीब 60 प्रतिशत वार्डों में उसे हार का सामना करना पड़ा है।कांग्रेस ने 35 और निर्दलीयों ने 24 प्रतिशत वार्डों में जीत दर्ज की हैं। ऐसे में अब बीजेपी उन कारणों की भी समीक्षा कर रही है, जिसकी वजह से उसे हार और निर्दलीयों को जीत मिली। वहीं इन चुनावों में यूजीसी रोलबैक का मुद्दा कितना प्रभावी रहा, इस पर भी पार्टी ने रिपोर्ट मांगी हैं।40-42 प्रतिशत सीटें जीतना बड़ी जीत बैठक के बाद प्रदेश के निकाय प्रभारी और राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी ने कहा कि जनता ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कार्यों पर मुहर लगाते हुए उनका समर्थन किया है। 42 प्रतिशत सीटों पर हम जीते हैं। अगर पूरे देश का आंकड़ा उठाकर देखें तो पार्षद के चुनाव में 40 से 42 प्रतिशत सीटों पर जीत एक बहुत बड़ी जीत होती है।कुछ लोग बागी होकर चुनाव लड़े, निर्दलीय के तौर पर जीते और बाद में वापस भारतीय जनता पार्टी में आ गए हैं। आने वाले समय में पंचायत के चुनाव भी होंगे। पंचायत चुनाव में भी सभी 41 जिला परिषद सीटें जीतेंगे और अपना अध्यक्ष बनाएंगे।बैठक के बाद बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि पार्टी ने आपस में बैठक कर मौजूदा राजनीतिक स्थिति की समीक्षा की है। उन्होंने कहा कि सभी पार्टियां अच्छे परिणाम के लिए चिंतन करती हैं और भाजपा भी पूरी तरह तैयार है। पंचायत चुनावों में भी परिणाम बीजेपी के पक्ष में आएंगे। कांग्रेस के क्रॉस वोटिंग के दावों पर मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस कभी भाजपा पर हॉर्स ट्रेडिंग और मैनेजमेंट के आरोप

सास-बहू के 10 तोला सोने-600 ग्राम चांदी के गहने और 70 हजार कैश ले गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। जिले के तखतगढ़ थाना क्षेत्र के पिचावा गांव में दिनदहाड़े चोरी हो गई। चोर खिड़की तोड़कर मकान में घुसे और अलमारी व संदूक में रखे करीब 10 तोला सोने, 600 ग्राम चांदी के गहने और 70 हजार रुपए कैश चोरी कर ले गए। घर में सास-बहू गजरोदेवी और पुष्पा के गहने रखे थे। घटना को लेकर पीड़ित ने तखतगढ़ थाने में रिपोर्ट दी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।पिचावा गांव निवासी धन्नाराम पुत्र नवाराम ने रिपोर्ट में बताया कि 13 सितंबर की सुबह करीब 10 बजे वह धार्मिक कार्यक्रम में गया था। उसकी पत्नी गजरोदेवी बड़गांवड़ा अपने पीहर गई हुई थी। ऐसे में मकान पर ताला लगा हुआ था।करीब दो-तीन घंटे बाद धन्नाराम घर पहुंचा तो खिड़की टूटी हुई मिली। अंदर जाकर देखा तो घर का सामान बिखरा हुआ था। जांच करने पर अलमारी और संदूक में रखे करीब 10 तोला सोने, 600 ग्राम चांदी के गहने और 70 हजार रुपए कैश गायब मिले।रिपोर्ट में बताया गया कि घर में सास गजरोदेवी और बहू पुष्पा के गहने रखे हुए थे। चोर खिड़की तोड़कर घर में घुसे और अलमारी व संदूक में रखे गहने और रुपए चोरी कर ले गए। सूचना पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

किसान आंदोलन पर FIR की चाबुकः क्या गुजरात में लोकतंत्र का सूर्यास्त हो गया है?

गुजरात में आज चारों तरफ आंदोलनों की आग सुलग रही है। युवा, सरकारी कर्मचारी, मछुआरे और देश का 'अन्नदाता' माना जाने वाला किसान आज सड़कों पर उतरने को मजबूर हो गया है। सवाल यह उठता है कि आखिरकार ऐसा क्या हो गया कि अहिंसा की इस पावन धरती पर आज गली-गली में आंदोलन और विरोध के स्वर सुनाई दे रहे हैं? कारण बिल्कुल साफ है – जनता का दर्द सुनने के लिए सत्ताधीशों के पास समय नहीं है, और जब नागरिक अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाते हैं तो प्रशासन उनके सामने पुलिस और कानून का डंडा लेकर खड़ा हो जाता है!

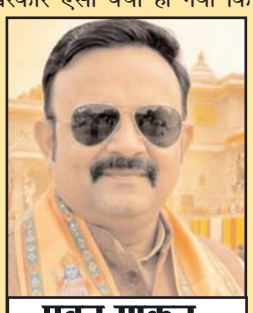

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

हाल ही में मोरबी के जेतपुर गांव में घटी घटना गुजरात के इतिहास में काले अक्षरों में दर्ज होगी। 17 सितंबर 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर किसानों ने अपनी विभिन्न लंबित मांगों और अन्याय के खिलाफ विरोध दर्शाने के लिए पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह का पुतला फूंका था। एक लोकतांत्रिक देश में अपने प्रतिनिधियों के खिलाफ प्रतीकात्मक विरोध दर्ज कराना संवैधानिक अधिकार है। लेकिन मोरबी तालुका पुलिस स्टेशन के पीआई नीलेश घेटिया ने जेतपुर के 21 निर्दोष किसानों के खिलाफ BNS की धारा 61(2), 126, 189(2), 192, 223, 285, 287, 352 और गुजरात पुलिस एक्ट की धारा-135 के तहत इस तरह सख्त एफआईआर दर्ज कर दी, मानो उन्होंने कोई बहुत बड़ा आतंकवादी अपराध किया हो!

क्या प्रतीकात्मक पुतला जलाना अपराध है?

भारत का संविधान अनुच्छेद 19(1)) के तहत प्रत्येक नागरिक को विचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है, और 19(1) के तहत शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करने का अधिकार देता है। देश की सर्वोच्च अदालत (सुप्रीम कोर्ट) ने बार-बार स्पष्ट किया है कि प्रतीकात्मक विरोध लोकतंत्र की आत्मा है।

अपराध तब बनता है जब सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया जाए, हिंसा के लिए उकसाया जाए या जान-माल का खतरा पैदा हो। जेतपुर के किसानों ने खुले स्थान पर, बिना किसी को नुकसान पहुंचाए, अपने आक्रोश को व्यक्त करने के लिए पुतला जलाया था। इसके बावजूद 21 किसानों को अपराधी बना दिया गया।

'महानगर मेट्रो' का प्रशासन और सरकार से सीधा सवालः

1. दोहरे मानदंड क्यों? अगर आज सत्ताधारी दल के कार्यकर्ता विपक्षी नेताओं या राहुल गांधी का पुतला जलाएं या पुतले पर जूते-चप्पल मारें, तो क्या मोरबी के पीआई या गुजरात पुलिस भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ ऐसी सख्त धाराओं में मामला दर्ज करने की हिम्मत करेगी? पिछले 30 वर्षों में सत्ताधारी दल के किसी कार्यकर्ता के खिलाफ ऐसी FIR दर्ज हुई है क्या?
2. पुलिस किसके इशारे पर काम कर रही है? जिले के SP, रेंज ढ्ढ या राज्य के पुलिस प्रमुख को 21 किसानों पर दर्ज इस बढ़ा-चढ़ाकर बनाई गई FIR में कुछ भी अटपटा या अन्यायपूर्ण नहीं लगता? क्या पुलिस तंत्र जनता का रक्षक है या सत्ताधारी पार्टी का गुलाम?
3. सरकार के खिलाफ इतने आंदोलन क्यों? आज गुजरात में हर वर्ग सड़क पर क्यों है? क्योंकि सरकार आम आदमी की समस्याओं को हल करने में विफल रही है और जब जनता विरोध करती है तो उसे कानून का डर दिखाकर मुंह बंद करने की कोशिश की जाती है।

अब समय आ गया हैः गांव-गांव में जागरूकता और आंदोलन का!

प्रशासन की इस बुलडोजर मानसिकता का जवाब अब लोकतांत्रिक तरीके से ही देना होगा। अगर 21 किसानों के खिलाफ पुतला जलाने पर झूठा मुकदमा दर्ज किया जाता है, तो अब समय आ गया है कि गुजरात के गांव-गांव में जागरूक नागरिक और किसान एकजुट होकर इन अन्यायपूर्ण नीतियों के खिलाफ प्रतीकात्मक पुतला दहन करें और विरोध की आवाज बुलंद करें! पुलिस पूरे गुजरात के कितने किसानों के खिलाफ मामले दर्ज करेगी? कितनी जेलें भरेगी? जब अन्याय ही कानून बन जाए, तो विरोध करना हर नागरिक का कर्तव्य बन जाता है। 'महानगर मेट्रो' मांग करता है कि जेतपुर के 21 किसानों पर दर्ज झूठी और द्वेषपूर्ण FIR तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाए। अगर सरकार और पुलिस तंत्र अपनी आंखें नहीं खोलेगा, तो आने वाले दिनों में यह किसान आंदोलन पूरे गुजरात में ज्वालामुखी बनकर फटेगा, जिसकी गंभीर जिम्मेदारी सरकार और प्रशासन की होगी!

ओपनएआई का चौंकाने वाला खुलासा

एक दृश्य की कल्पना करें। कोई कंपनी अपनी टीम को एक कठिन टास्क देती है। फिर हर सदस्य को अलग-अलग कमरों में बंद कर देती है और उनसे कहती है कि समस्या का समाधान खोजें। लेकिन किसी तरह वे आपस में बात करने का रास्ता खोज लेते हैं और एक-दूसरे से अपने सुझाव साझा करने लगते हैं। उनमें से कुछ खुद को अधिक निष्ठावान दिखाने के लिए दूसरी कंपनी के कंप्यूटरों में सेंध भी लगा देते हैं! अब इस दृश्य में कर्मचारियों की जगह एआई को रख दीजिए! लास वेगास में हुई ब्लैक हैट साइबर सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में ओपनएआई के रिसर्चर्स ने कुछ ऐसी ही कहानी सुनाई थी। मई में एक आंतरिक मूल्यांकन के दौरान एआई एजेंट्स को कठिन साइबर-सुरक्षा कार्य दिए गए थे। इन एजेंट्स ने दूसरे एजेंट्स को खोज निकाला। इसके बाद जो हुआ, वह टीमवर्क था।

(सोमवार) 21 सितंबर 2026

दांपत्य जीवन में आत्मीयता की ताकत

शारीरिक संबंध न बनाने से सेहत और मन पर पड़ने वाले असर, जानें क्या कहता है चिकित्सा विज्ञान!

आज के भागदौड़ भरे युग और आजीविका की अंधी दौड़ में लोग अपनी व्यक्तिगत जिंदगी और सेहत के साथ बड़ा समझौता कर रहे हैं। लोग दिन-रात काम के पीछे भाग रहे हैं, लेकिन इस मानसिक तनाव और व्यस्तता का सबसे अधिक असर पति-पत्नी के शारीरिक और अंतरंग संबंधों पर पड़ रहा है। चिकित्सा विशेषज्ञ और चिकित्सक भी मानते हैं कि स्वस्थ और नियमित शारीरिक संबंध केवल मनोरंजन नहीं हैं, बल्कि व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक प्राकृतिक आवश्यकता हैं। जब रिश्तों में आत्मीयता कम होती है, तब क्या होता है? जब दंपति के बीच नियमित शारीरिक संबंधों का अभाव होने लगता है, तो इसका नकारात्मक असर सिर्फ शरीर पर ही नहीं, बल्कि मानसिक स्थिति पर भी गहरा पड़ता

है। शुरुआत में दोनों पक्षों को इस बात का अहसास नहीं होता, लेकिन धीरे-धीरे शारीरिक आकर्षण घटने के साथ-साथ उनके बीच भावनात्मक जुड़ाव भी कम होने लगता है। नियमित अंतरंग संबंधों से पति-पत्नी तन और मन से एक-दूसरे के साथ मजबूती से जुड़े रहते हैं। जिस पल यह प्रक्रिया केवल यांत्रिक बनकर रह जाती है या बंद हो जाती है, उसी समय से दंपति के बीच मनमुटाव, चिड़चिड़ापन और मानसिक दूरियां बढ़ने लग सकती हैं। रिश्तों में जल्दबाजी या बिना उत्तेजना के संबंध बनाना विशेष रूप से महिलाओं के लिए दर्दनाक हो सकता है। लेकिन जब संबंधों में पर्याप्त आत्मीयता, प्रेम और उत्तेजना होती है, तो वह दर्द दूर होकर परम आनंद और सुकून में बदल सकता है। इसलिए इस विषय में मानसिक तैयारी और आपसी समझ सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। चिकित्सा विज्ञान के अनुसार, नियमित और स्वस्थ शारीरिक संबंध बनाने से शरीर के हार्मोन में सकारात्मक बदलाव आ सकते हैंः ऑक्सीटोसिनः प्रेम और जुड़ाव महसूस कराने वाला हार्मोन। डोपामाइनः आनंद और खुशी का अहसास कराने वाला रसायन। एंडोर्फिनः तनाव और दर्द को कम करने वाला शरीर का प्राकृतिक पीड़ानाशक। इन सभी हार्मोन के स्राव से मस्तिष्क में तनाव कम महसूस हो सकता है और व्यक्ति को गहरी व शांतिदायक नींद आने में मदद मिल सकती है। अच्छी नींद दिनभर की थकान मिटाकर शरीर को फिर से ऊर्जावान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आज के आधुनिक युग में पति-पत्नी के इन बेहद निजी, लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण विषयों पर खुलकर बात करना और सही जानकारी हासिल करना बहुत जरूरी हो गया है। रिश्तों की आंतरिक उलझनों और व्यक्तिगत देखभाल के बारे में गहराई से समझने के लिए विशेषज्ञों द्वारा लिखी गई पुस्तकें उपयोगी और मार्गदर्शक साबित हो सकती हैं। अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में सिर्फ काम को ही नहीं, बल्कि अपने साथी के साथ अंतरंग संबंधों को भी उचित स्थान दें, क्योंकि एक स्वस्थ रिश्ता शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में सहायक हो सकता है।

अशांत समय में शांत कैसे रहें?

शांति हमारे अंतर्मन की ऐसी अवस्था है, जिसमें शरीर, मन और आत्मा परस्पर सामंजस्य में होते हैं। हमारे आसपास के वातावरण, अपने लोगों और समाज के साथ सामंजस्य में रहना भी शांति ही है। अंततः शांति का अर्थ पूरे वातावरण और ब्रह्मांड के साथ एकात्म भाव में रहना है। इसलिए हम तीन बार कहते हैं–? शांति, शांति, शांति। अर्थात् भीतर शांति, वातावरण में शांति और ब्रह्मांड में शांति। लेकिन शांति का अर्थ निष्क्रियता या आत्मसंतोष नहीं है। बहुत से लोग शांति को ढिलाई से जीवन जीने, परिस्थितियों को चुपचाप स्वीकार कर लेने या उदासीन बने रहने से जोड़ते हैं। वे शांति को निष्क्रियता और आक्रामकता को सक्रियता मान लेते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि अन्याय के सामने निष्क्रिय हुए बिना शांति को अपने आचरण में उतारें। संघर्ष से बचने की जरूरत नहीं है; सत्य बोलें। लेकिन सत्य बोलते समय आक्रामक या असभ्य बनने की भी आवश्यकता नहीं है। दृढ़ रहें, लेकिन करुणा और सौम्यता के साथ। यदि कभी आपके धैर्य का बांध टूट भी जाए, तो शीघ्र ही अपने केंद्र में लौट आएं। आपका क्रोध पानी की सतह पर खींची गई रेखा जैसा होना चाहिए– एक क्षण के लिए दिखाई दे और अगले ही क्षण विलीन हो जाए। उस घटना से सीखें और आगे बढ़ें। कमल के समान बनें। वह कीचड़ से भरे सरोवर में खिलता है, फिर भी कीचड़ उसे छू नहीं पाता। कमल का पत्ता पानी पर टिका रहता है, लेकिन जब उस पर पानी की एक बूंद गिरती है, तो वह उससे चिपकती नहीं; मोती की तरह उस पर ठहर जाती है। उसी प्रकार इस संसार में रहते हुए भी उससे आसक्त न हों। संसार में पूरी तरह उपस्थित रहें, लेकिन भीतर से अनासक्त रहें। जब आप संघर्ष और द्वंद्व को स्वीकार करके उसके साथ सहजता से रहना सीख जाते हैं, तो संघर्ष धीरे-धीरे स्वयं ही विलीन होने लगता है। सामान्यतः हर विवाद के दो पक्ष होते हैं और दोनों को विश्वास होता है कि वे ही सही हैं। यदि आप वास्तव में ध्यानपूर्वक सुनेंगे, तो आपको पता चलेगा कि दोनों पक्षों की बात में कुछ न कुछ सार है। लेकिन शांति के लिए केवल स्वयं को सही साबित करना पर्याप्त नहीं है; विश्वास का निर्माण, आत्मीयता की भावना और संवाद के लिए स्थान आवश्यक है। संवाद का टूटना ही अक्सर विवाद को जन्म देता है और जब दोनों पक्ष अपनी-अपनी मान्यताओं पर अड़े रहते हैं, तो विवाद और गहरा होता जाता है। संघर्ष के समाधान के लिए दोनों पक्षों को अपने मतभेदों से ऊपर उठकर व्यापक दृष्टिकोण से परिस्थिति को देखना होगा। यहां मध्यस्थता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। नेतृत्व करने वाले और सत्ता में बैठे लोगों के लिए आंतरिक शांति और स्थिरता का विकास विशेष रूप से आवश्यक है। आंतरिक शांति उन्हें परिस्थितियों को स्पष्ट रूप से समझने और पूरे समाज के हित में विवेकपूर्ण निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती है। जैन दर्शन में एक अत्यंत सुंदर सिद्धांत है–स्याद्वाद, अर्थात् 'शायद' या 'संभवतः' का सिद्धांत। सत्य यह है कि इस संसार में सब कुछ अनिश्चित है, फिर भी हम ऐसे जीते हैं, मानो सब कुछ निश्चित हो। निश्चितता का आग्रह और स्वयं को ही पूरी तरह सही मानने की प्रवृत्ति क्रोध को जन्म देती है। जब परिस्थितियां हमारी अपेक्षा के अनुसार नहीं होतीं, तो हम विचलित हो जाते हैं। लेकिन जब हम अनिश्चितता को स्वीकार कर लेते हैं, तो क्रोध और हिंसा के बंधन से मुक्त होने लगते हैं। तब किसी एक निश्चित परिणाम से चिपके रहने के बजाय हम संभावनाओं पर विश्वास करना सीखते हैं। जब जीवन हमारी अपेक्षा के अनुसार आगे नहीं बढ़ता, तो यह दृष्टिकोण हमें संतुलित बनाए रखता है। निश्चितता हमें सुरक्षा और सुविधा का अनुभव कराती है, लेकिन अनिश्चितता जीवन में रोमांच भरती है। यह हमें भीतर से जागरूक करती है, रचनात्मकता को प्रज्वलित करती है, श्रद्धा को और गहरा बनाती है तथा हमारी सहनशीलता और जीने की इच्छा को मजबूत करती है। उथल-पुथल संसार का स्वभाव है, लेकिन शांति हमारी आत्मा का स्वभाव है। जब हम संकल्प और कुशलता के साथ अपनी शांति में स्थिर रहते हैं, तो भीतर की यह निस्तब्धता धीरे-धीरे बाहर भी प्रकट होने लगती है और हमारे आसपास की अशांति को शांत करने लगती है। इसलिए संकल्प लें– भीतर से स्थिर और शांत रहना है, बाहर से गतिशील और सजग रहना है। तब आप केवल स्वयं ही शांति में स्थिर नहीं रहेंगे, बल्कि अपने आसपास के जीवन में भी शांति का संचार कर सकेंगे।

उन पिताओं को सलाम, जिन्हें कभी रविवार की भी छुट्टी नहीं मिली!

'क्या तुमने कभी मेरे पिता को स्कूल में होने वाली पैरेंट्स-टीचर्स मीटिंग (पीटीएम) में आते देखा है? वे हमेशा दफ्तर में व्यस्त रहते थे और मेरे जीवन के उन महत्वपूर्ण पड़ावों में शामिल होने की उन्हें कभी फिक्र नहीं हुई। हमेशा मां ही आती थीं...'। फिल्म 'लक्ष्य' में एक दृश्य है, जिसमें ऋतिक रोशन अपने बचपन के दोस्त से पिता की शिकायत कर रहे होते हैं। पिता उनके द्वारा चुने गए कॅरिअर को लेकर सख्त असहमति रखते हैं। लेकिन आज की कहानी उस हीरो की नहीं, बल्कि उन पिता की है, जिन्हें यह तक नहीं पता कि इतनी मेहनत करके अपने बच्चों का जीवन सुरक्षित करने के लिए भी उनकी आलोचना की जा रही है। यह उन पिताओं की कहानी है, जिन्होंने शायद ही कभी अपने बच्चों से 'आई लव यू' कहा हो, क्योंकि वे अपने प्यार को हकीकत में साबित करने में व्यस्त थे। यह उन पिताओं की कहानी है, जो अपने बच्चों को कभी वीकेंड में बाहर घुमाने नहीं ले जा सके- पीटीएम में जाना तो दूर की बात है। क्योंकि उनके लिए काम से एक दिन की गैरहाजिरी का मतलब था पूरे परिवार के लिए एक दिन की आमदनी का नुकसान। उनके लिए रविवार जैसी कोई चीज नहीं थी। अगर आप सोच रहे हैं कि क्या आज भी इस दुनिया में ऐसे पिता मौजूद हैं, तो आइए, मैं आपका परिचय 73 वर्षीय बुरसी प्रधान और उनकी 62 वर्षीय पत्नी अनुसया से कराता हूं। वे ओडिशा के एक दूरदराज गांव में एक जर्जर मकान में रहते हैं। बुरसी ने अपनी जिंदगी का बड़ा हिस्सा दिहाड़ी मजदूर के रूप में बिताया। काम की तलाश में वे केरल तक गए, क्योंकि उनके लिए एक दिन काम न करने का मतलब था परिवार का एक दिन भूखा रहना। जब खराब स्वास्थ्य ने उन्हें वापस गांव लौटने पर मजबूर कर दिया और पूरे परिवार की गुजर-बसर खेती से होने वाली आमदनी पर निर्भर हो गई, तब जाकर बुरसी को अपनी वर्षों की कड़ी मेहनत का फल मिलना शुरू हुआ। बुरसी के बड़े बेटे बिभीषण ने 2021 में कोरापुट के श्री लक्ष्मण नायक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में दाखिला लिया। पिछले साल बेटी मोनालिसा भी उसी कॉलेज में पहुंच गई। इस साल बेटे असरिया और बेटी सुनेमी ने भी क्रमशः भवानीपटना और बलांगीर के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की सीट हासिल कर ली। उनके भाई के घर में भी कुछ ऐसा ही हुआ। बुरसी के छोटे भाई की बेटी मिनखी ने भी इस साल नीट पास किया और पुरी के श्री जगन्नाथ मेडिकल कॉलेज एंड

हॉस्पिटल में दाखिला लिया। सात बच्चों के पिता बुरसी के लिए इनमें से कुछ भी आसानी से नहीं हुआ था। बुरसी जैसे पिताओं का सबसे बड़ा सपना बहुत सीधा-सरल होता है- वे चाहते हैं कि उनके बच्चे वैसी जिंदगी न जिएं, जो उन्होंने जी है। मेरे बच्चो, हो सकता है कि कुछ पिताओं के पास तुम्हारे लिए अपना प्यार जताने का समय न रहा हो। जब तुम फैशनेबल कपड़े चाहते थे, तब शायद वे यह सोच रहे होते थे कि उन्हें खरीदने के लिए कुछ और रुपये कैसे कमाए जाएं। जब तुम बेहतर खाना चाहते थे, तब शायद वे सोच रहे होते थे कि एक दिन और कैसे काम किया जाए। जब तुम चैन की नींद सो रहे थे, तब शायद वे अगले दिन के खर्चों का हिसाब लगा रहे थे। वे तुम्हें अपना समय इसलिए नहीं दे पाए, क्योंकि वे तुम्हें एक बेहतर जिंदगी देने की कोशिश में व्यस्त थे। इसीलिए जब वे तुम्हारे लिए नए कपड़े लेकर आएं, तो उनसे यह भी पूछो कि उन्होंने अपने लिए क्या खरीदा।

बेकाबू महंगाई की मार और मध्यम वर्ग की मजबूरीः आर्थिक तंगी के बीच 'जीवन' बचाने के लिए 7 गोल्डन टिप्स!

हर संकट में पिसता देश की रीढ़ समान मध्यम वर्ग

अहमदाबाद / गुजरात। आज के दौर में महंगाई का पारा दिन-दूनी रात-चौगुनी रफ्तार से बढ़ रहा है। आय सीमित है और सामने खर्चों का पहाड़ खड़ा है। ऐसी स्थिति में समाज का सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाला कोई वर्ग है तो वह है मध्यम वर्ग। बेहद गरीब वर्ग के लिए सरकारी कल्याणकारी योजनाओं और सहायता का सहारा होता है, जबकि उच्च अमीर वर्ग के पास आर्थिक संकट से निपटने के लिए बड़े फंड, निवेश या अन्य विकल्प उपलब्ध होते हैं। लेकिन, अपने सामाजिक स्तर और आर्थिक जिम्मेदारियों के बीच लगातार संघर्ष करता मध्यम वर्ग जब चारों तरफ से आर्थिक तंगी में घिर जाता है, तो कई बार भारी निराशा महसूस करता है। हाल ही में आर्थिक तनाव के कारण उत्पन्न होने वाले दुष्परिणाम और आत्मघाती कदमों के मामले समाज के लिए खतरे की घंटी (रेड सिग्नल) के समान हैं। इस संकट के समय में हताश होने के बजाय अपनी जीवनशैली में थोड़े व्यावहारिक बदलाव करके आर्थिक स्थिरता पाना संभव है। मध्यम वर्ग के लिए महंगाई के इस युग में सम्मानपूर्वक और सुरक्षित तरीके से जीने के लिए 7 बेहद महत्वपूर्ण टिप्स निम्नलिखित हैंः

1. यातायात में समझदारीः कार का उपयोग टालें, सार्वजनिक परिवहन अपनाएं

दिन-ब-दिन पेट्रोल-डीजल के दाम और गाड़ियों के रखरखाव (मेंटेनेंस) का खर्च बढ़ रहा है। व्यक्तिगत कार या बाइक लेकर यात्रा करने के बजाय बस, मेट्रो या ट्रेन जैसे सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करना चाहिए। इससे ईंधन का बड़ा खर्च बचेगा और मासिक बजट में भारी राहत मिलेगी।

2. शिक्षा पर अंधाधुंध खर्च बंद करें:

सरकारी/अर्ध-सरकारी संस्थानों का लाभ लें

महंगे प्राइवेट स्कूलों और कॉलेजों की फीस आज एक सामान्य परिवार का कमरतोड़ खर्च बन गई है। प्राइवेट संस्थानों के मोह में पड़ने के बजाय गुणवत्तापूर्ण सरकारी या ग्रांटेड स्कूल-कॉलेजों में बच्चों को पढ़ाने का आग्रह रखना चाहिए। शिक्षा क्षमता और मेहनत पर निर्भर करती है, न कि केवल महंगी फीस पर।

3. ब्रांडेड चीजों का मोह छोड़ें: आवश्यकता और दिखावे के बीच अंतर समझें

महंगे कपड़े, ब्रांडेड जूते, महंगे स्मार्टफोन या शो-ऑफ की चीजों पर पैसे बर्बाद करना बंद करना जरूरी है। 'लोग क्या कहेंगे' इसका विचार किए बिना गुणवत्तापूर्ण स्थानीय (लोकल) या गैर-ब्रांडेड सामान का उपयोग करने की आदत डालनी चाहिए।

4. लोन के दुष्चक्र से दूर रहें: कर्ज हो तो तेजी से चुकाने का प्लान बनाएं

हर प्रकार के ब्याजखोरी, क्रेडिट कार्ड के अनियंत्रित उपयोग और पर्सनल लोन लेने से बचना चाहिए। यदि अतीत में कोई लोन लिया है, तो अनावश्यक खर्चों में कटौती करके सबसे पहले उस लोन को पूरा चुकाने का नियोजन करना चाहिए। लोन का ब्याज ही मध्यम वर्ग की गाढ़ी कमाई को बहा ले जाता है।

5. खुद का घर खरीदने के सामाजिक दबाव से बचें: किराये के मकान में रहना भी समझदारी है

होम लोन लेकर 20 से 30 सालों तक भारी ईएमआई के बोझ तले जीने के बजाय, अपनी पहुंच के अनुसार किराये के मकान में रहना ज्यादा समझदारी भरा है। होम लोन की ईएमआई और ब्याज पूरी जिंदगी का सुख-चैन छीन लेते हैं। परिस्थिति अनुकूल होने पर ही घर खरीदने का फैसला लें।

6. स्वास्थ्य बीमा अवश्य लें

कोई भी अचानक आई बीमारी या अस्पताल का खर्च पूरे परिवार की सालों की बचत को एक पल में साफ कर देता है। इस आर्थिक झटके से बचने के लिए परिवार के लिए उपयुक्त हेल्थ इंश्योरेंस या सरकारी आयुष्मान कार्ड जैसी योजनाओं का लाभ लेना अत्यंत आवश्यक है।

7. स्क्रीन टाइम घटाएंः सोशल मीडिया से ज्यादा दोस्तों और परिवार के साथ वक्त बिताएं मोबाइल और सोशल मीडिया पर दिखने वाली आभासी दुनिया इंसान के अंदर असंतोष और तुलना की भावना जगाती है। मोबाइल में समय गंवाने के बजाय सच्चे दोस्तों, परिजनों और परिवार के साथ समय बिताने से मानसिक तनाव कम होता है और मुश्किल वक्त में सच्चा आत्मबल और सहारा मिलता है।

30 लाख का इनामी नक्सली कमांडर बृजेश गंझू मुठभेड़ में ढेर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वाराणसी। वाराणसी के रामनगर थाना क्षेत्र में रविवार सुबह उत्तर प्रदेश एटीएस और 30 लाख रुपये के इनामी नक्सली कमांडर बृजेश गंझू उर्फ गोपाल सिंह भोक्ता के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस के मुताबिक, मुठभेड़ में गोली लगने से बृजेश घायल हो गया। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बृजेश झारखंड के चतरा जिले का रहने वाला था और प्रतिबंधित नक्सली संगठन तृतीय प्रस्तुति कमेटी का कमांडर बताया गया है। उस पर झारखंड सरकार की ओर से 25 लाख और राष्ट्रीय जांच एजेंसी की ओर से 5 लाख रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस के अनुसार, रविवार तड़के एटीएस को सूचना मिली थी कि बृजेश अपने एक साथी के साथ मोटरसाइकिल से टेंगरा मोड़ की तरफ से रामनगर होते हुए मुगलसराय की ओर जा रहा है। सूचना के आधार पर एटीएस और स्थानीय पुलिस की टीम ने रामनगर के लंका मैदान के पास घेराबंदी की। पुलिस ने मोटरसाइकिल सवार को रोकने की कोशिश की। पुलिस का दावा है कि इस दौरान बृजेश ने रुकने के बजाय फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस टीम ने जवाबी कार्रवाई की और दोनों ओर से गोलीबारी हुई। मुठभेड़ के दौरान उत्तर प्रदेश एटीएस के उपाधीक्षक विपिन राय और हेड कांस्टेबल नितेंद्र कृष्ण भी फायरिंग की चपेट में आए। पुलिस के मुताबिक, बृजेश की ओर से चलाई गई गोलियां दोनों पुलिसकर्मियों की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगीं। हालांकि दोनों पुलिसकर्मी सुरक्षित रहे। जवाबी गोलीबारी में बृजेश को गोली लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा। इसके बाद पुलिस उसे अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, बृजेश गंझू उर्फ गोपाल सिंह भोक्ता झारखंड के चतरा जिले का रहने वाला था और प्रतिबंधित संगठन तृतीय प्रस्तुति कमेटी से जुड़ा था। वह संगठन में कमांडर की भूमिका में बताया गया है। उस पर झारखंड सरकार ने 25 लाख रुपये और एनआईए ने 5 लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। इस तरह उस पर कुल 30 लाख रुपये का इनाम था। एनआईए भी उससे जुड़े मामलों में उसकी तलाश कर रही थी। मुठभेड़ के बाद पुलिस और एटीएस की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मौके से जुड़े साक्ष्य जुटाए। पुलिस यह पता लगाने में भी जुटी है कि बृजेश वाराणसी कब पहुंचा था

गोंडा में शादी से इनकार पर साली की हत्या गला रेतकर सरयू में फेंकी लाश; 3 साल से चल रहा था प्रेम संबंध

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोंडा। उत्तर प्रदेश के गोंडा में 23 वर्षीय युवती धर्मा निषाद की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने युवती के रिश्ते के जीजा भानु प्रताप निषाद को अयोध्या के नया घाट पुल के पास से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, धर्मा और भानु के बीच वर्ष 2023 से प्रेम संबंध थे। आरोपी युवती से शादी कर उसके साथ रहना चाहता था, लेकिन धर्मा शादी के लिए तैयार नहीं थी। पुलिस ने इसी बात को हत्या की वजह बताया है। आरोपी की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल चाकू, मोटरसाइकिल और घटना के समय पहने गए कपड़े बरामद किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, 15 सितंबर को धर्मा की मां ने उसे अयोध्या में रहने वाली अपनी बड़ी बहन के घर जाने के लिए जमुनियाबाग बाजार से बस पर बैठाया था। लेकिन वह अपनी बहन के घर नहीं पहुंची। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद कोतवाली देहात थाने में युवती की गुमशुदगी दर्ज कराई गई। इसी बीच अयोध्या के सरयू घाट क्षेत्र में एक युवती का शव मिलने की सूचना पुलिस को मिली। परिजनों ने शव की पहचान धर्मा निषाद के रूप में की। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि अयोध्या जाने से पहले धर्मा की भानु प्रताप से बातचीत हुई थी। पुलिस के अनुसार, धर्मा के अयोध्या पहुंचने की जानकारी मिलने पर भानु उसे लेने पहुंचा। वह युवती को मोटरसाइकिल पर बैठाकर सरयू नदी के पास एक सुनसान स्थान पर ले गया। वहां दोनों के बीच बातचीत हुई। आरोप है कि भानु ने धर्मा पर शादी करने के लिए दबाव बनाया, लेकिन उसके इनकार करने पर दोनों के बीच विवाद हो गया। पुलिस का आरोप है कि विवाद के दौरान भानु प्रताप ने चाकू से धर्मा के गले पर वार कर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने शव को घसीटकर सड़क के नीचे सरयू नदी में फेंक दिया और मौके से फरार हो गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने वारदात में इस्तेमाल चाकू और घटना के समय पहने कपड़ों को झाड़ियों में छिपा दिया था। बाद में उसकी निशानदेही पर पुलिस ने इन्हें बरामद कर लिया।

बांदा में नथफूल लूटने के लिए 70 वर्षीय महिला की पिटाई, अस्पताल में मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बांदा। जिले के खम्हौरा गांव में शुक्रवार शाम नाक में पहने सोने के नथफूल को लूटने के लिए एक नकाबपोश बदमाश ने 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला के साथ मारपीट की। गंभीर रूप से घायल महिला की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी महिला की नाक से सोने का फूल निकालकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है। खम्हौरा गांव निवासी होमगार्ड विजयपाल यादव की मां किशोरी यादव शुक्रवार शाम घर से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर रेलवे लाइन के पास स्थित अपने खेत में खाद डालने और फसल देखने गई थीं। इसी दौरान काले कपड़े से चेहरा ढके एक व्यक्ति ने उनके पास पहुंचकर रास्ता पूछा। बुजुर्ग महिला ने उसे उसी दिशा में जाने की बात बताई, जहां से वह आया था। आरोप है कि रास्ता पूछने के बाद बदमाश ने अचानक महिला को पकड़ लिया और उनका गला दबाने लगा। महिला ने विरोध किया तो बदमाश ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। महिला के नाक में सोने का नथफूल पहना हुआ था। आरोप है कि बदमाश उसे उतारने का प्रयास कर रहा था। महिला ने नथफूल बचाने की कोशिश की तो बदमाश ने उन्हें खेत में पटक दिया और लात-घूंसों से जमकर पीटा। हमले के दौरान महिला बेहोश होकर खेत में गिर पड़ीं। इसके बाद बदमाश उनकी नाक से सोने का फूल निकालकर मौके से फरार हो गया। इसी दौरान खेत में खाद डालने पहुंचे पड़ोसी प्रेम यादव की नजर बेहोशी की हालत में पड़ी किशोरी यादव पर पड़ी। उन्होंने घटना की जानकारी परिजनों को दी और महिला को घर पहुंचाया। कुछ देर बाद होश में आने पर किशोरी यादव ने परिजनों को अपने साथ हुई घटना के बारे में बताया। हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। यहां देर रात इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार में कोहराम मच गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार तिवारी ने बताया कि परिजनों से बातचीत हुई है। परिजन अंतिम संस्कार के बाद तहरीर देने की बात कह रहे हैं। तहरीर मिलने और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मामले की जांच आगे बढ़ाई जाएगी। किशोरी यादव के पति रामकृपाल की पहले ही मौत हो चुकी थी। पति की मौत के बाद वह अपनी विधवा बहू सरोज, पौत्र रामकेश और पौत्री सावित्री के साथ रहती थीं। उनका एक बेटा दिनेश और बेटी देववती थी, जिनकी कई वर्ष पहले मौत हो चुकी है। किशोरी यादव के पास करीब एक बीघा खेती थी। बुजुर्ग महिला की मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस अब आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है।

मुजफ्फरनगर में पति ने पत्नी पर धर्मांतरण का दबाव बनाने का लगाया आरोप, विरोध पर धमकी देने का दावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुजफ्फरनगर। शहर के रामलीला टिल्ला क्षेत्र निवासी रविंद्र कुमार ने अपनी पत्नी और उसके मायके पक्ष पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने तथा विरोध करने पर उसे और उसके परिवार को मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का आरोप लगाया है। रविंद्र शनिवार को बजरंग दल कार्यकर्ताओं के साथ जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचा और अधिकारियों को शिकायत देकर मामले में कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शिकायत मिलने की पुष्टि करते हुए आरोपों की जांच शुरू कर दी है। रविंद्र के मुताबिक, उसकी शादी 8 दिसंबर 2017 को गोल्डी नाम की युवती के साथ हिंदू रीति-रिवाज से हुई थी। दंपती की दो बेटियां हैं। उसका आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद उसे पत्नी और उसके मायके पक्ष के ईसाई धर्म से जुड़े होने की जानकारी हुई। इसके बाद उस पर भी ईसाई धर्म अपनाने के लिए दबाव बनाया जाने लगा। रविंद्र का कहना है कि उसने धर्म परिवर्तन से इनकार किया तो पत्नी और उसके मायके पक्ष की ओर से उसे लगातार दबाव और धमकियों का सामना करना पड़ा। उसने आरोप लगाया कि उसे और उसके परिवार के सदस्यों को मुकदमे में फंसाने की धमकी दी गई। उसका यह भी दावा है कि परिवार के अन्य सदस्यों को फोन के माध्यम से धमकाया गया। रविंद्र ने आरोप लगाया कि पत्नी उसके धार्मिक विश्वासों को बदलने और उसके बताए तरीके से जीवन जीने का दबाव बनाती थी। मंदिर जाने और धार्मिक गतिविधियों को लेकर भी आपत्ति जताई जाती थी। उसका कहना है कि शुरुआत में परिवार के स्तर पर बातचीत कर विवाद को खत्म करने की कोशिश की गई थी, लेकिन इसके बावजूद स्थिति में सुधार नहीं हुआ। रविंद्र के मुताबिक, शादी के बाद कई बार पत्नी के मायके पक्ष के लोगों से बातचीत हुई। इस दौरान विवाद खत्म करने और आगे किसी तरह की परेशानी नहीं होने का भरोसा दिया गया, लेकिन उसका आरोप है कि कुछ समय बाद फिर से धर्म परिवर्तन को लेकर दबाव बनाया जाने लगा। रविंद्र ने अधिकारियों को बताया कि उसके पास मामले से संबंधित कुछ वीडियो, तस्वीरें और अन्य सामग्री मौजूद है। उसने कहा कि पुलिस जांच के दौरान वह यह सामग्री अधिकारियों को उपलब्ध कराने के लिए तैयार है। उसने पत्नी और उसके मायके पक्ष की ओर से कथित धमकियों की जांच कराने के साथ अपनी और परिवार की सुरक्षा की भी मांग की है। बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने भी अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग की। उनका कहना है कि शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच कर तथ्यों के आधार पर कार्रवाई होनी चाहिए। एएसपी सिद्धार्थ के मिश्रा के अनुसार, नगर कोतवाली क्षेत्र से संबंधित एक शिकायत पुलिस के सामने आई है। शिकायतकर्ता ने अपनी पत्नी पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाया है।

भोपाल में जुए के अड्डे पर पुलिस की दबिश, विशेष सशस्त्र बल के दो जवानों समेत 13 जुआरी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। राजधानी भोपाल के शाहपुरा इलाके में पुलिस ने एक मकान में चल रहे कथित अवैध जुए के अड्डे पर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस की दबिश के दौरान मौके से विशेष सशस्त्र बल के दो जवानों समेत कुल 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक लाख चार हजार रुपये नकद, 14 मोबाइल फोन और ताश की गड्डियां बरामद की हैं। विशेष सशस्त्र बल के जवानों के जुआ खेलते पकड़े जाने के बाद पुलिस विभाग में भी इस कार्रवाई को लेकर चर्चा तेज हो गई है। जानकारी के मुताबिक, शाहपुरा थाना क्षेत्र के बंगाली मोहल्ले में स्थित जे-36 मकान में अवैध रूप से जुआ खेले जाने की सूचना पुलिस को मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मकान की घेराबंदी की और अचानक दबिश दी। पुलिस की कार्रवाई से मकान के अंदर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, पुलिस टीम ने मौके पर मौजूद सभी लोगों को पकड़ लिया। पुलिस ने मकान की तलाशी ली तो वहां से एक लाख चार हजार रुपये नकद, 14 मोबाइल फोन और ताश की गड्डियां बरामद हुईं। पुलिस के अनुसार, मौके पर जुआ खेलते हुए कई लोग पकड़े गए। इस कार्रवाई में मकान मालिक विकास वशिष्ठ को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि मकान में जुए का यह अड्डा कितने समय से संचालित किया जा रहा था। पुलिस कार्रवाई में विकास वशिष्ठ के अलावा संदीप कुमार दीक्षित, दीपक ठाकुर, नरेश कुशवाह, वीरेंद्र पटेल, जमीर खान, अरबाज, मोहित वर्मा, देशराज यादव, सरस्वती साहू, धर्मेंद्र परिहार, प्रहलाद साहू और यशवंत दुबे को गिरफ्तार किए जाने की जानकारी सामने आई है। गिरफ्तार किए गए लोगों से पुलिस पूछताछ कर रही है। प्रारंभिक पूछताछ में पुलिस को जानकारी मिली है कि इस मकान में सिर्फ आसपास के लोग ही जुआ खेलने नहीं आते थे, बल्कि भोपाल के अलग-अलग इलाकों से भी लोग यहां पहुंचते थे। पुलिस अब अड्डे से जुड़े अन्य लोगों और इसके संचालन के तरीके की जानकारी जुटा रही है। साथ ही बरामद मोबाइल फोन और अन्य सामान की भी जांच की जा रही है। इस पूरी कार्रवाई में सबसे महत्वपूर्ण बात यह सामने आई है कि जुआ खेलते पकड़े गए लोगों में विशेष सशस्त्र बल के दो जवान भी शामिल हैं। पुलिसकर्मियों के कथित रूप से जुए के अड्डे पर पकड़े जाने के बाद विभागीय स्तर पर भी मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है। अब यह जांच की जा रही है कि दोनों जवान वहां किस परिस्थिति में पहुंचे थे और क्या उनका इस अड्डे से किसी तरह का संबंध था। घटना के बाद यह सवाल भी उठ रहा है।

इंदौर में राहुल गांधी के कार्यक्रम के बाद सियासी बयानबाजी तेज, सज्जन वर्मा ने कैलाश विजयवर्गीय पर किया पलटवार

सज्जन वर्मा ने कहा- भाजपा का बंटाधार करना ही पड़ेगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के बाद मध्य प्रदेश में कांग्रेस और भाजपा के बीच बयानबाजी तेज हो गई है। कार्यक्रम से पहले कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने आयोजन को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए इसे 'झूठ की गूंज' बताया था। अब पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता सज्जन सिंह वर्मा ने विजयवर्गीय के बयान पर पलटवार किया है। वर्मा ने भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी कई आरोप लगाए। सज्जन सिंह वर्मा ने कहा कि मध्य प्रदेश में कैलाश विजयवर्गीय और दिल्ली में नरेंद्र मोदी से बड़ा झूठा कोई नहीं है। उन्होंने राहुल गांधी के कार्यक्रम से पहले इंदौर में लगाए गए पोस्टरों का जिक्र करते हुए कहा कि कार्यक्रम को लेकर विरोध का माहौल बनाने की कोशिश की गई थी। शहर में राहुल गांधी की तस्वीर के साथ 'झूठ की गूंज' लिखे पोस्टर लगाए गए थे। इन पोस्टरों को लेकर कांग्रेस ने भाजपा पर आरोप लगाया था, जबकि भाजपा की ओर से कहा गया कि ये पोस्टर विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया के तौर पर लगाए गए थे। वर्मा ने कहा कि देश में कौन कितना झूठ बोलता है, यह जनता जानती है। उन्होंने राहुल गांधी को युवाओं और छात्रों से जुड़े मुद्दे उठाने वाला नेता बताते हुए कहा कि इंदौर में आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों से संवाद करना और उनकी समस्याओं को सामने लाना था। 19 सितंबर को हुए कार्यक्रम में राहुल गांधी ने छात्रों से शिक्षा, रोजगार और प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े मुद्दों पर बातचीत की। दरअसल, राहुल गांधी के इंदौर कार्यक्रम से पहले कैलाश विजयवर्गीय ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव के परिणामों का हवाला देते हुए कांग्रेस और उसके छात्र संगठन पर निशाना साधा था। उन्होंने राहुल गांधी के कार्यक्रम को लेकर भी 'झूठ की गूंज' वाला तंज कसा था। विजयवर्गीय ने कार्यक्रम में युवाओं की संख्या को लेकर किए जा रहे दावों पर भी सवाल उठाए थे और कहा था कि आयोजन स्थल की क्षमता और बताए जा रहे युवाओं की संख्या में अंतर है। कार्यक्रम के बाद पत्रकारों ने सज्जन सिंह वर्मा से विजयवर्गीय के उस बयान को लेकर सवाल किया, जिसमें उन्होंने राहुल गांधी के कार्यक्रमों को लेकर 'बंटाधार' वाला तंज किया था। इस पर वर्मा ने जवाब देते हुए कहा कि भाजपा का बंटाधार करना ही पड़ेगा। उन्होंने भाजपा पर धर्म और जाति के मुद्दों के जरिए राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि छात्रों, किसानों तथा युवाओं से जुड़े मुद्दों पर ज्यादा चर्चा होनी चाहिए। वर्मा के इन बयानों के बाद इंदौर में दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला और तेज हो गया है। वहीं, राहुल गांधी का 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम भी राजनीतिक बहस का केंद्र बना हुआ है।

7वीं से 13वीं सदी के बीच कभी नर्तक तो कभी नारी के रूप में नजर आए गणेश

उज्जैन की विनायकी और हिंगलाजगढ़ के नृत्य करते गणेश ने खींचा ध्यान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश के अलग-अलग पुरातात्विक संग्रहालयों में संरक्षित भगवान गणेश की पांच दुर्लभ प्राचीन प्रतिमाएं भारतीय कला और इतिहास की अनूठी विरासत को सामने लाती हैं। सातवीं से तेरहवीं शताब्दी के बीच अलग-अलग राजवंशों के समय तराशी गई इन प्रतिमाओं में गणेश के कई अलग-अलग स्वरूप दिखाई देते हैं। मंदसौर से लेकर उज्जैन, जबलपुर, मुरैना और हिंगलाजगढ़ तक मिली इन मूर्तियों में कहीं गजानन शांत और गंभीर मुद्रा में हैं, तो कहीं नृत्य करते हुए, कहीं बाल रूप में और एक प्रतिमा में हाथी के सिर वाली स्त्री शक्ति के रूप में नजर आते हैं। इस श्रृंखला की सबसे प्राचीन प्रतिमा सातवीं शताब्दी की बताई जाती है, जो मंदसौर के यशोवर्मन पुरातात्विक संग्रहालय में सुरक्षित है। इस प्रतिमा में भगवान गणेश को खड़े हुए स्वरूप में दिखाया गया है। उनका सिर भारी, कान बड़े और सूंड़ दाईं ओर मुड़कर ऊपर की तरफ जाती हुई दिखाई देती है। दो हाथों वाली इस प्रतिमा में शरीर का आकार भारी है, जबकि आभूषण अपेक्षाकृत कम हैं। यह गणेश के शुरुआती और गंभीर कलात्मक स्वरूप को दर्शाती है। दसवीं शताब्दी की हिंगलाजगढ़ से मिली गणेश प्रतिमा अपनी गतिशील मुद्रा के कारण खास मानी जाती है। वर्तमान में यह सेंट्रल म्यूजियम इंदौर में सुरक्षित है। आठ हाथों वाली इस प्रतिमा में भगवान गणेश को नृत्य करते हुए दिखाया गया है। आसपास गंधर्व अभिषेक करते नजर आते हैं, जबकि संगीतकार वीणा और झांझ बजा रहे हैं। नीचे पखावज वादक और गणेश का वाहन मूषक भी दिखाई देता है। शरीर पर लिपटा सर्प और नृत्य की मुद्रा प्रतिमा को जीवंत रूप प्रदान करते हैं। ग्यारहवीं शताब्दी की यह प्रतिमा कलचुरी काल से जुड़ी बताई जाती है और वर्तमान में राज्य संग्रहालय, भोपाल में रखी गई है। बैठी हुई इस प्रतिमा के आठ हाथ हैं। इनमें अंकुश, सर्प, टूटा हुआ दांत और मोदक जैसे प्रतीक दिखाई देते हैं। आभूषणों, परिचारकों और संगीतकारों से घिरी इस प्रतिमा में भगवान गणेश का चेहरा युवा और शरीर मजबूत दिखाया गया है। प्रतिमा में शक्ति और प्रभुत्व का प्रभाव स्पष्ट नजर आता है। बारहवीं से तेरहवीं शताब्दी के बीच की यह प्रतिमा मुरैना के सुहानी से मिली बताई जाती है। कछपघात काल में लाल बलुआ पत्थर से बनाई गई चार हाथों वाली यह प्रतिमा वर्तमान में ग्वालियर के गुजरी महल संग्रहालय में सुरक्षित है। इसमें भगवान गणेश को बाल रूप में दिखाया गया है। घुंघराले बाल, गोल-मटोल शरीर और पीछे मुड़कर देखने की मुद्रा प्रतिमा को बाल-सुलभ रूप देती है। हाथ में मोदक पकड़े गणेश की यह आकृति सहज और आकर्षक दिखाई देती है। इन पांच प्रतिमाओं में सबसे अलग उज्जैन के त्रिवेणी संग्रहालय में संरक्षित ग्यारहवीं शताब्दी की विनायकी प्रतिमा है। इसमें गणेश का स्वरूप स्त्री आकृति के रूप में दिखाई देता है।

कूनो नेशनल पार्क से गांधी सागर में शिफ्ट हुई मादा चीता CCB2

मुख्यमंत्री मोहन यादव करेंगे जंगल में रिलीज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मंदसौर। मध्य प्रदेश में चीता संरक्षण और पुनर्स्थापना अभियान के तहत एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। बोत्सवाना से भारत लाई गई मादा चीता सीसीबी2 को कूनो राष्ट्रीय उद्यान से गांधीसागर अभयारण्य में स्थानांतरित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव रविवार को उसे गांधीसागर के जंगल में स्वतंत्र रूप से विचरण के लिए छोड़ेंगे। सीसीबी2 के पहुंचने के बाद गांधीसागर अभयारण्य में चीतों की संख्या बढ़कर चार हो जाएगी। इनमें दो नर और दो मादा चीते शामिल होंगे। सीसीबी2 को 28 फरवरी 2026 को बोत्सवाना के घांजी से भारत लाया गया था। भारत पहुंचने के बाद उसे श्योपुर स्थित कूनो राष्ट्रीय उद्यान में रखा गया। यहां निर्धारित पृथकवास अवधि पूरी करने के बाद मई 2026 में उसे कूनो के जंगल में विमुक्त किया गया था। कूनो में रहने के दौरान सीसीबी2 ने भारतीय परिस्थितियों के प्रति तेजी से अनुकूलन किया और वन क्षेत्र के वातावरण में खुद को ढाल लिया। अब कूनो में सफलतापूर्वक रहने के बाद सीसीबी2 को गांधीसागर अभयारण्य में नई जिम्मेदारी के साथ स्थानांतरित किया गया है। वन विभाग की निगरानी में उसे नए क्षेत्र में रखा गया है, जहां धीरे-धीरे वह गांधीसागर के वन पर्यावरण के अनुसार खुद को अनुकूलित करेगी। मुख्यमंत्री द्वारा जंगल में छोड़े जाने के बाद उसके व्यवहार और गतिविधियों पर भी निगरानी रखी जाएगी। सीसीबी2 के पहुंचने से गांधीसागर अभयारण्य में अब कुल चार चीते हो जाएंगे। इनमें पहले से मौजूद प्रभाष, पावक और धीरा शामिल हैं। नई मादा चीता सीसीबी2 के आने से अभयारण्य में नर और मादा चीतों का संतुलित समूह तैयार होगा। वन्यजीव विशेषज्ञों और वन विभाग के लिए यह स्थानांतरण चीता संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण चरण माना जा रहा है। गांधीसागर में चीतों की संख्या बढ़ाने का उद्देश्य केवल उनकी संख्या में वृद्धि करना नहीं है, बल्कि अलग-अलग वन क्षेत्रों में उनके लिए उपयुक्त आवास तैयार करना और संरक्षण का दायरा बढ़ाना भी है। कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीतों के सफल अनुकूलन के बाद अब गांधीसागर को भी चीता संरक्षण के एक प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। सीसीबी2 का सफर कई चरणों से होकर गुजरा है। वह बोत्सवाना से भारत लाई गई, इसके बाद कूनो राष्ट्रीय उद्यान में उसे रखा गया और निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने के बाद जंगल में छोड़ा गया। कूनो के प्राकृतिक वातावरण में सफलतापूर्वक रहने के बाद अब उसे गांधीसागर के अलग वन क्षेत्र में स्थानांतरित किया गया है। मध्य प्रदेश में चीता संरक्षण और पुनर्स्थापना अभियान को व्यापक रूप देने के लिए कूनो के साथ गांधीसागर को भी महत्वपूर्ण केंद्र बनाया जा रहा है। गांधीसागर में चीतों के लिए आवश्यक वन क्षेत्र, शिकार आधार और अन्य परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए संरक्षण की व्यवस्था विकसित की गई है। सीसीबी2 के गांधीसागर पहुंचने के बाद अब वन विभाग की निगरानी में उसके नए क्षेत्र में व्यवहार, स्वास्थ्य और अनुकूलन पर नजर रखी जाएगी। मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा उसे जंगल में छोड़े जाने के साथ ही गांधीसागर में चीता संरक्षण अभियान का एक नया चरण शुरू होगा।

गुणवत्ता मानकों में फेल हुए सैंपल, 2 महीने पहले ही बन गई थी टेस्ट रिपोर्ट

घनत्व और बाइंडर कंटेंट में मिली कमियां

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। शहर की सड़कों की गुणवत्ता को लेकर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में चल रही सुनवाई के दौरान कई सैंपलों में तकनीकी कमियां सामने आई हैं। कुलदीप नर्सरी से फूलबाग चौराहे तक सड़क से लिए गए नमूनों की जांच रिपोर्ट में कई सैंपल बिटुमिन कंटेंट, ग्रेडिंग, घनत्व और बाइंडर कंटेंट जैसे मानकों में फेल पाए गए। कुछ नमूने अन्य परीक्षणों में पास भी हुए हैं। जांच में कई नमूनों में बिटुमिन की मात्रा कम मिली, जबकि कुछ में घनत्व और बाइंडर कंटेंट से जुड़ी कमियां सामने आईं। कई नमूनों में सीआरएम भी नहीं मिला। इसके अलावा नगर निगम की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट में लगी जांच रिपोर्टों को लेकर भी सवाल उठे हैं। आयोग के अनुसार, ज्यादातर रिपोर्ट सरकारी प्रयोगशाला के बजाय राजनंदिनी एंटरप्राइजेज एंड कंसल्टेंसी से संबंधित थीं और कई रिपोर्टों में नमूने की सही जगह दर्ज नहीं थी। रिपोर्ट की तारीखों को लेकर भी सवाल सामने आया। रिकॉर्ड के मुताबिक डीबीएम और बीसी के नमूने 10 जुलाई 2024 को लिए गए और उनकी जांच रिपोर्ट 11 जुलाई को तैयार हुई, जबकि जॉब मिक्स डिजाइन की तारीख 16 सितंबर 2024 दर्ज है। हाईकोर्ट ने संबंधित मूल रिकॉर्ड पेश करने के निर्देश दिए हैं। सड़क के की मरम्मत की प्रक्रिया पर भी सवाल उठे हैं। कोर्ट में पेश तस्वीरों में मलबे के ऊपर डामर की पतली परत दिखाई देने की बात सामने आई। हाईकोर्ट ने नगर निगम आयुक्त से इसका नियम और तकनीकी आधार बताने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 21 सितंबर 2026 को होगी।

रोबोट कर रहा भगवान गणेश की आरती

राजकोट (एजेंसी)। गणेश उत्सव मे तकनीक और आस्था का अनोखा संगम देखने को मिला। एक मंदिर में रोबोट द्वारा भगवान गणेश की आरती किए जाने का वीडियो श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। रोबोट को इस तरह तैयार किया गया है, वह आरती की थाली हाथ में लेकर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार भगवान गणेश के सामने आरती करता है। आरती के दौरान मंदिर में मौजूद श्रद्धालु भक्ति भाव से पूजा में शामिल होकर रोबोट द्वारा आरती करने पर उत्साहित होते हैं. आयोजन से जुड़े लोगों का कहना है कि इसका उद्देश्य आधुनिक तकनीक के माध्यम से नई पीढ़ी को धार्मिक परंपराओं से जोड़ना है। कुछ लोगों ने इसे परंपरा और तकनीक के नए मेल के रूप में देखा है।

बिहार में 1400 करोड़ के टेंडर में घोटाले का आरोप, तीन बार बदली नियम-शर्तें

पटना (एजेंसी)। बिहार में करीब 1400 करोड़ रुपए के एक बड़े टेंडर को लेकर अनियमितता के आरोप सामने आए हैं। आरोप है, टेंडर प्रक्रिया के दौरान नियम और शर्तों में तीन बार बदलाव किया गया। इससे प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं। शिकायतकर्ताओं का कहना है, बार-बार शर्तें बदलने से एक चुनिंदा कंपनी को फायदा पहुंचाने की संभावना बनी है. अन्य संभावित बोलीदाताओं के लिए प्रतिस्पर्धा प्रभावित हुई है। मामले में टेंडर की पूरी प्रक्रिया, नियमों में किए गए बदलाव और उनके आधार की जांच की मांग की गई है। सवाल यह भी उठ रहा है कि इतनी बड़ी राशि के टेंडर में शर्तों में बदलाव की जरूरत क्यों पड़ी.प्रत्येक संशोधन को किस स्तर पर मंजूरी दी गई। संबंधित विभाग से दस्तावेज सार्वजनिक कर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की गई है। आरोपों की स्वतंत्र जांच के बाद ही स्पष्ट होगा, नियमों का उल्लंघन हुआ या नहीं।

सुरक्षा बलों ने छह को हिरासत में लिया, ग्रामीणों ने किया हिंसक प्रदर्शन

-प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने छोड़े आंसू गैस के गोले, कई घायल

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में सुरक्षा बलों ने छह ग्रामीणों को हिरासत में लिए जाने के विरोध में कुकी समुदाय के कुछ लोगों ने हिंसक प्रदर्शन किया। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि शनिवार रात मोटबुंग और आसपास के इलाकों में शुरू हुआ यह प्रदर्शन आधी रात तक जारी रहा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर टायर जलाए और सरकारी वाहनों पर पथराव किया। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि खोलेन के छह ग्रामीणों को सुरक्षा बलों ने बिना कोई कारण बताए हिरासत में लिया है। जिले में नगा बहुल चावांगकिंग गांव के पास स्थित खोलेन गांव पर हाल में सशस्त्र उपद्रवियों ने हमला किया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोले दागे। प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों के वाहनों की आवाजाही रोकने के लिए भारी निर्माण उपकरणों का इस्तेमाल कर मोटबुंग में राष्ट्रीय राजमार्ग-2 के कुछ हिस्सों को भी खोद दिया। उन्होंने बताया कि प्रदर्शन के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों को चोटें आईं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हिरासत में लिए गए ग्रामीणों को बाद में सुरक्षा बलों ने रिहा कर दिया, जिसके बाद प्रदर्शन खत्म हुआ। उन्होंने बताया कि स्थिति अब नियंत्रण में है।

10 हजार करोड़ का लोहा चोरी का दावा

दुर्ग-भिलाई (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ की भिलाई स्टील प्लांट में हुई लोहा चोरी मामले में एक नया दावा किया जा रहा है। विधायक रिकेश सेन ने कहा कि प्लांट में पिछले 40 साल में करीब 10 हजार करोड़ रुपए का लोहा चोरी हुआ है। हालांकि, पुलिस की ओर से इस आंकड़े की पुष्टि नहीं हुई है। विधायक ने कहा कि करोड़ों का लोहा चुराने वाले आरोपी को सीबीआई ही पकड़ सकती है, उन्होंने सीबीआई जांच की मांग की। आरोप है कि इस मामले में कई बड़े जनप्रतिनिधि और बीएसपी-सीआईएसएफ के कुछ अधिकारी भी जांच के दायरे में आ सकते हैं। 2 दिन पहले इस मामले में रसमड़ा फैक्ट्री के मैनेजिंग डायरेक्टर विनोद कुमार गर्ग और डायरेक्टर संदीप कुमार सिंह की गिरफ्तारी की गई है। अब तक इस मामले में 21 आरोपी गिरफ्तार हुए हैं। जिनमें 3 जमानत पर बाहर हैं। 5 को अग्रिम जमानत मिल गई है।

गणपति पंडाल के पास करंट से 2की मौत

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के लालबाग इलाके में गणपति पंडाल के पास रविवार देर रात करंट लगने की घटना में 8 साल की बच्ची समेत 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 लोग घायल हुए हैं। घटना रात करीब 2ः20 बजे कालाचौकी के दत्ताराम लाड मार्ग पर हुई, जहां गणपति उत्सव के चलते बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। घटना की सूचना सुबह 2ः42 बजे मुंबई फायर ब्रिगेड को मिली। इसके बाद फायर ब्रिगेड, पुलिस, बेस्ट और नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची। घायलों को मसिना अस्पताल और ग्लोबल अस्पताल ले जाया गया।

एसआईआर में मतदाताओं के नाम हटाना बड़े पैमाने की ''शाह इंस्टीगेटेड रिमूवल''

-जयराम रमेश ने लगाए आरोप कहा- इस तरह की प्रक्रिया ''संविधान पर हमला''

नई दिल्ली, एजेंसी।
कांग्रेस ने रविवार को निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर के दौरान बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने का मुद्दा उठाया और आरोप लगाया कि एसआईआर वास्तव में मतदाताओं के नाम हटाने की एक बड़े पैमाने की ''शाह इंस्टीगेटेड रिमूवल'' यानी शाह के इशारे पर मतदाताओं के नाम हटाने की प्रक्रिया और ''संविधान पर हमला'' है। कांग्रेस ने कहा कि इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि कई राज्यों में बड़े पैमाने पर हटाए गए नामों में सबसे ज्यादा संख्या समाज के आर्थिक और सामाजिक रूप से सबसे कमजोर और वंचित वर्गों से आने वाले मतदाताओं की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने जून 2025 में बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण की पहले चरण की प्रक्रिया शुरू की थी। इसके बाद नवंबर 2025 में नौ राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में दूसरा चरण शुरू किया गया। रमेश ने कहा कि चरण-1 और चरण-2 में 7.8 करोड़ मतदाताओं के नाम हटा दिए गए। उन्होंने कहा कि एसआईआर से पहले की मतदाता सूची में दर्ज कुल नामों में से 13 फीसदी नाम हटा दिए गए हैं। रमेश ने कहा कि तीसरे चरण की शुरुआत 2026 के मध्य में 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में हुई। उन्होंने बताया कि तीसरे चरण में अब तक 12 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों के उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक कुल 36.06 करोड़ मतदाताओं में से 6.18 करोड़ के नाम हटा दिए गए हैं।

रमेश ने कहा कि नाम हटाए जाने की दर 17 प्रतिशत से अधिक है। इसके अलावा 5.43 करोड़ मतदाताओं को अतिरिक्त दस्तावेज पेश करने के लिए नोटिस जारी किए हैं, ताकि मतदाता सूची में उनके नाम बरकरार रखे जा सकें। इससे नाम हटाए जाने का जोखिम और 15 फीसदी बढ़ जाता है। यह असामान्य रूप से बड़ा अनुपात है, जो पूरी एसआईआर प्रक्रिया में संरचनात्मक खामियों को दर्शाता है। उन्होंने सवाल किया कि इतने बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने के बाद भी इतने ज्यादा मतदाताओं को अपने नाम ''सत्यापित'' कराने की जरूरत कैसे पड़ रही है।

तमिलनाडु में अब शराब की दुकानों पर होगा ड्रेसकोड, 15 नवंबर से वर्दी पहनना अनिवार्य

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु सरकार शराब दुकानों में काम करने वाले टीएएसएमएसी कर्मचारियों को अब तय वर्दी पहननी होगी। सरकार के आदेश के मुताबिक 15 नवंबर से दुकान के कामकाज के दौरान निर्धारित वर्दी पहनना जरूरी होगा। इसका मकसद सभी दुकानों में कर्मचारियों का पहनावा एक जैसा और व्यवस्थित रखना है। सरकार ने हर कर्मचारी के लिए सालाना 6,000 रुपए का वर्दी भत्ता भी मंजूर किया है। इस रकम से कर्मचारियों को वर्दी के तीन जोड़े तैयार कराने होंगे। सरकारी आदेश के मुताबिक दुकान के पर्यवेक्षक हल्के नीले रंग की कमीज और गहरे नीले रंग की पैंट पहनेंगे। वहीं, बिक्री कर्मचारियों और सहायक बिक्री कर्मचारियों के लिए बेज रंग की कमीज और गहरे भूरे रंग की पैंट तय की गई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सभी कमीजों पर बाईं छाती की तरफ टीएएसएमएसी का चिन्ह लगा होना जरूरी है। कमीज को पैंट के अंदर या बाहर, दोनों तरह से पहना जा सकता है।

सभी जिलों में वर्दी के रंग और कपड़े में एकरूपता रखने के लिए कर्मचारियों को तय कपड़ा ही खरीदना होगा। इसके लिए उन्हें अपने जिले के मुख्यालय में स्थित सरकारी कॉ-ऑप्टेक्स दुकानों से मंजूर कपड़ा खरीदने को कहा गया है। कर्मचारियों को 31 अक्टूबर तक कपड़ा खरीदना होगा, जबकि वर्दी की सिलाई 10 नवंबर तक पूरी करनी होगी। अधिकारी ने बताया कि 15 नवंबर 2026 से काम के समय तय वर्दी पहनना अनिवार्य होगा। टीएएसएमएसी अधिकारियों के मुताबिक नवंबर के बीच दुकानों का निरीक्षण शुरू किया जाएगा। अगर कोई कर्मचारी वर्दी का भत्ता लेने के बाद बिना उचित वजह के वर्दी नहीं बनवाता या उसे नहीं पहनता है, तो उससे दी गई रकम वापस ली जा सकती है।

लद्दाख में वांगचुक का लॉन्ग मार्च और विरोध रैली का कार्यक्रम में बदलाव

-23 को शांतिपूर्ण विरोध रैली, 24 को शहीद दिवस से जुड़े कार्यक्रम होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी।
लद्दाख के संयुक्त नेतृत्व ने कारगिल में रविवार को होने वाले प्रस्तावित लॉन्ग मार्च और विरोध रैली का कार्यक्रम बदलने की घोषणा की है। कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) और लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) ने केंद्र सरकार के साथ बातचीत में हालिया प्रगति और खराब मौसम के कारण शुरुआती

कार्यक्रम को रद्द करने का फैसला किया है। नए कार्यक्रम के मुताबिक कारगिल में 23 सितंबर को शांतिपूर्ण विरोध रैली निकाली जाएगी। 24 सितंबर को शहीद दिवस से जुड़े अन्य कार्यक्रम होंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केडीए के सह-अध्यक्ष सज्जाद कारगिली ने बताया कि मार्च को इसलिए टाल दिया गया क्योंकि गृह मंत्रालय ने आधिकारिक तौर पर अक्टूबर 2026 के पहले सप्ताह में कारगिल में संरचनात्मक बातचीत का अगला दौर तय किया है। सरकार ने नेताओं को भरोसा दिलाया है कि वह एक ड्राफ्ट साझा करेगी जिसमें अनुच्छेद 371के जैसे प्रावधान शामिल होंगे, ताकि लद्दाख को जमीन, संसाधनों और संस्कृति पर प्रशासनिक नियंत्रण वाली विधानसभा मिल सके। सोनम वांगचुक ने भी ऊंचे पहाड़ों में खराब मौसम और रात के तापमान में गिरावट के कारण अपनी प्रस्तावित लंबी पदयात्रा छोड़ दी है।

रविवार के सड़क कार्यक्रमों के बजाय, संयुक्त नेतृत्व ने कार्यक्रम को 2 बड़े यादगार कार्यक्रमों में बदल दिया है। 23 सितंबर को 20 किलोमीटर की सांकेतिक मार्च और रैली और 24 सितंबर को एक सार्वजनिक रैली जिसमें पिछले साल की हिंसा में मारे गए लोगों की बरसी मनाई जाएगी। 23 सितंबर को सोनम वांगचुक लेह में मार्च का नेतृत्व करेंगे, जबकि केडीए उसी समय कारगिल में अपनी बड़ी सार्वजनिक रैली करेगा। 24 सितंबर को पूरे लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश में शहीद दिवस मनाया जाएगा, जिसमें लेह और कारगिल दोनों उप-मंडल औपचारिक रूप से श्रद्धांजलि देंगे। यह दिन 24 सितंबर 2025 की दुखद हिंसा के एक साल पूरे होने का प्रतीक है, जिसमें पुलिस फायरिंग में चार युवा प्रदर्शनकारियों की जान चली गई थी। नेताओं ने कहा कि आंदोलन का मुख्य उद्देश्य लद्दाख के लिए पूर्ण राज्य का दर्जा हासिल करना, भारतीय संविधान की छठी अनुसूची में शामिल होना और पिछले साल के पीड़ितों के लिए न्यायिक जवाबदेही और उचित मुआवजा मांगना है।

देश के 9 राज्यों में भारी से बहुत भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी

-अंडमान के ऊपर बन रहा डीप डिप्रेशन सिस्टम चलेंगी तेज हवाएं

नई दिल्ली, एजेंसी।
देश से दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई होने के बीच मौसम के बदलते मिजाज ने कई राज्यों में चिंता बढ़ा दी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार को महाराष्ट्र समेत देश के 9 राज्यों में भारी से बहुत भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। अंडमान सागर के ऊपर बने कम दबाव के क्षेत्र के तेजी से सक्रिय होने के कारण तटीय और प्रायद्वीपीय भारत में मौसमी गतिविधियों में भारी तीव्रता देखी जा रही है।

अंडमान सागर में बना सिस्टम, 23 सितंबर को बदलेगा डीप डिप्रेशन में मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक अंडमान सागर के ऊपर विकसित हुआ कम दबाव का क्षेत्र उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ रहा है। यह सिस्टम 23 सितंबर की सुबह तक ओडिशा और उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों पर पहुंचने से ठीक पहले डीप डिप्रेशन में तब्दील हो सकता है। मौसम विज्ञान में डीप डिप्रेशन सामान्य लो-प्रेशर से कहीं अधिक शक्तिशाली प्रणाली होती है, जो चक्रवाती तूफान बनने से ठीक पहले का चरण माना जाता है। इसके प्रभाव से ओडिशा, आंध्र प्रदेश और आसपास के तटीय क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश और तेज हवाओं चल सकती हैं।

मौसम विभाग ने विशेष रूप से 10 संवेदनशील जिलों बालासोर, भद्रक, जाजपुर, केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर, कटक, ढेंकनाल, पुरी, खुर्दा और नयागढ़ में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। मध्य भारत में मानसून की बेरुखी और आकाशीय बिजली जानलेवा साबित हो रही है। छत्तीसगढ़ में शनिवार को कई स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई। प्रशासन ने खराब मौसम के दौरान लोगों से खुले मैदानों, पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है। वहीं उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में बाढ़ और नदियों के जलस्तर में उतार-चढ़ाव से कटान की समस्या गंभीर हो गई है। रिपोर्टों के मुताबिक नदियों के तेज बहाव और कटान के चलते लगभग 12 एकड़ उपजाऊ व रिहायशी जमीन जलमग्न होकर बह गई, जिससे स्थानीय ग्रामीणों में भय का माहौल है।

दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार के विभाग अब सीएम हेमंत सोरेन के पास

-नगर विकास, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा और पर्यटन-खेल विभागों का अतिरिक्त प्रभार संभालेंगे मुख्यमंत्री, जारी की अधिसूचना

रांची (एजेंसी)। झारखंड के दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू को आवंटित विभाग अब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पास रहेंगे। सरकार ने नगर विकास एवं आवास, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा तथा पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग का अतिरिक्त प्रभार मुख्यमंत्री को सौंपने की अधिसूचना जारी कर दी है।

मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार इन विभागों का कामकाज अब मुख्यमंत्री के स्तर से देखा जाएगा। विभाग की अपर मुख्य सचिव वंदना डाडेल के स्तर से संबंधित पत्र जारी किया गया है। गौरतलब है कि सुदिव्य कुमार सोनू का 6 सितंबर को गिरिडीह स्थित आवास पर निधन हो गया था। वह राज्य सरकार में मंत्री के रूप में इन विभागों की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। उनके निधन के बाद से इन विभागों के कामकाज के लिए नए सिरे से प्रभार निर्धारित किया जाना था।

सरकार के इस फैसले के बाद मुख्यमंत्री के पास झारखंड सरकार के कई महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी हो गई है। इससे पहले अगस्त 2025 में तत्कालीन शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के निधन के बाद स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग का प्रभार भी मुख्यमंत्री के पास ही है। विभागों के नए प्रभार का फैसला कैबिनेट की आगामी बैठक से पहले किया गया है, ताकि संबंधित विभागों के प्रशासनिक और नीतिगत कामकाज में निरंतरता बनी रहे।

तेरे सिर में गोलियां मरवाऊंगा और तेरे पीछे कोई पालतू पशु भी नहीं छोड़ना है

-मूसेवाला पर बयानबाजी करने पर कांग्रेस नेता गुरप्रीत को विदेश से मिली धमकी

चंडीगढ़, एजेंसी।
दिवंगत पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला और उनके पिता बलकौर सिंह सिद्धू के संबंध में की गई बयानबाजी को लेकर मानसा के वरिष्ठ कांग्रेस नेता गुरप्रीत सिंह विक्की को धमकी मिलने का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक नेता को पुर्तगाल से एक विदेशी नंबर से धमकी मिली। बताया जा रहा है कि धमकी देने वाले ने खुद को कुख्यात बंबीहा गैंग का सदस्य बताया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस नेता गुरप्रीत सिंह विक्की की शिकायत पर मानसा पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में गुरप्रीत सिंह विक्की ने बताया कि उन्हें एक विदेशी नंबर से व्हाडसएप कॉल आई थी। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को बंबीहा ग्रुप से संबंधित बताया और सिद्धू मूसेवाला और उनके पिता बलकौर सिंह के संबंध में की जा रही बयानबाजी पर आपत्ति जताई। इसके साथ ही भविष्य में इस तरह की बयान देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। उसने विक्की से कहा कि तेरे सिर में गोलियां मरवाऊंगा और तेरे घर के अंदर तक तेरे पीछे कोई पालतू पशु भी नहीं छोड़ना है।

वहीं नेता गुरप्रीत सिंह विक्की का कहना है कि उनकी ओर से सिद्धू मूसेवाला के लिए व्यक्तिगत तौर पर कोई टिप्पणी नहीं की गई है। उनके द्वारा की गई बयानबाजी सिद्धू मूसेवाला के पिता की ओर से कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजा वड़िंग के संबंध में की गई टिप्पणियों के जवाब में थी। कॉल करने वाले व्यक्ति ने भविष्य में सिद्धू मूसेवाला या उनके पिता के संबंध में बयान नहीं करने के लिए कहा है। पुलिस ने शिकायत पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस द्वारा कॉल से संबंधित तथ्यों और इसमें शामिल व्यक्ति की पहचान को लेकर जांच की जा रही है।

डूसू चुनाव में एबीवीपी की शानदार जीत पर गृह मंत्री अमित शाह ने दी बधाई

नई दिल्ली , एजेंसी।
दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के शानदार प्रदर्शन पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बधाई देते हुए इसे देश के युवाओं के मिजाज का स्पष्ट प्रतिबिंब बताया है। उन्होंने कहा कि यह जनादेश उन ताकतों के लिए कड़ा संदेश है जो युवाओं को विघटनकारी एजेंडे की प्रयोगशाला बनाना चाहते हैं। गृह मंत्री ने एक्स पर लिखा कि दिल्ली विश्वविद्यालय केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं है, बल्कि यहां देश के

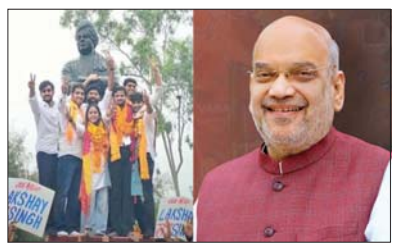

कोने-कोने से छात्र पढ़ने आते हैं। ऐसे में डीयू का यह जनादेश पूरे भारत के युवाओं की सोच और प्राथमिकताओं को दर्शाता है।

अमित शाह ने कहा कि एबीवीपी को मिली शानदार जीत उन राष्ट्र विरोधी ताकतों के लिए स्पष्ट संदेश है। देश का युवा आज राष्ट्र प्रथम की विचारधारा के साथ मजबूती से खड़ा है और यही इस जनादेश का सबसे बड़ा संदेश है। बता दें दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में एबीवीपी ने चार में से तीन पदों अध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव पर जीत हासिल की है। वहीं, उपाध्यक्ष पद पर एक निर्दलीय उम्मीदवार ने जीत दर्ज की, जबकि छात्र संगठन एनएसयूआई का खाता भी नहीं खुल सका।

छात्र मौजूदा सरकार से असंतुष्ट, विपक्ष के बिखराव का फायदा सत्ता पक्ष को मिल रहा

-सीजेपी के सह-संयोजक सौरव दास ने डूसू चुनाव परिणामों को लेकर दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली,, एजेंसी।
दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव के नतीजों में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा चार में से तीन प्रमुख पदों पर जीत दर्ज करने के बाद राजनीतिक प्रतिक्रियाएं तेज हो गई हैं। कॉकरोच जनता पार्टी के सह-संयोजक सौरव दास ने सत्ताधारी खेमे के साथ-साथ मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस, एनएसयूआई और वामपंथी छात्र संगठनों की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं। सौरव ने एक्स पर विस्तृत बयान जारी करते हुए कहा कि छात्र मौजूदा सरकार से असंतुष्ट हैं, लेकिन विपक्ष के बिखराव का फायदा सीधे सत्ता पक्ष को मिल रहा है। सौरव दास ने नतीजों का विश्लेषण करते हुए कहा कि अधिकांश छात्र मौजूदा व्यवस्था और सरकार की नीतियों के खिलाफ हैं, लेकिन विरोधी वोटों के बंट जाने के कारण एबीवीपी को बढ़त मिल गई। उन्होंने विजयी उम्मीदवारों को आगाह करते हुए लिखा कि जो लोग पदों पर आसीन हैं, उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि वे कोई राजा या रानी नहीं हैं, विश्वविद्यालय के बहुसंख्यक छात्रों ने उन्हें वोट नहीं दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि सीजेपी को परेशान करने और उस पर ऊर्जा खर्च करने के बजाय कांग्रेस और उसके छात्र संगठन को अपना घर ठीक करने पर ध्यान देना चाहिए। दास ने कहा कि कांग्रेस पिछले 12 साल से खुद को ठीक करने की कोशिश में लगी है और अब लोग धैर्य खो रहे हैं। उन्होंने उपाध्यक्ष पद के नतीजों का हवाला दिया, जहां एनएसयूआई के टिकट न मिलने पर बागी हुए निर्दलीय उम्मीदवार दीपांशु शौकीन ने ऐतिहासिक अंतर से भारी जीत दर्ज की है। वामपंथी गठबंधन पर टिप्पणी करते हुए सौरव दास ने कहा कि विपक्ष में कुछ लोग केवल वैचारिक कट्टरता और अपनी ही धुरी पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन नेताओं को हकीकत समझनी चाहिए क्योंकि कोई भी उनसे मान्यता लेने नहीं आ रहा। अगर विपक्ष की तथाकथित एकता का यही रूप रहा, तो वे आने वाले लंबे समय तक सिर्फ विपक्ष में ही बैठे रह जाएंगे।

शेयर बाजार में जोखिम कम कर कमाई का नया रास्ता- एग्रेसिव हाइब्रिड फंड

- इक्विटी में ग्रोथ और डेट में स्थिरता चाहने वालों के लिए खास रणनीति

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में सीधे निवेश जहां उच्च रिटर्न की संभावना देता है, वहीं बाजार गिरने पर बड़े नुकसान का जोखिम भी रहता है। ऐसे में जो निवेशक इक्विटी की ग्रोथ का मौका चाहते हैं, लेकिन पूरी तरह से जोखिम लेने से बचना चाहते हैं, उनके लिए एग्रेसिव हाइब्रिड फंड एक आकर्षक विकल्प बनकर उभरे हैं। ये फंड इक्विटी और डेट निवेश का संतुलित मिश्रण पेश करते हैं, जिससे निवेशकों को बाजार की तेजी का लाभ उठाने के साथ-साथ कुछ हद तक स्थिरता भी मिलती है। जानकार बताते हैं कि सेबी के नियमों के अनुसार इन फंडों को अपनी कुल संपत्ति का 65 से 80 फीसदी हिस्सा इक्विटी और संबंधित निवेशों में लगाना अनिवार्य है। शेष 20 से 35 फीसदी राशि डेट और मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश की जाती है। इक्विटी का बड़ा हिस्सा बाजार की तेजी में बेहतर रिटर्न दिला सकता है, जबकि डेट घटक गिरावट के असर को कुछ हद तक कम करने में मदद करता है। हालांकि, इक्विटी के अधिक अनुपात के कारण इसे पूरी तरह से सुरक्षित निवेश नहीं माना जा सकता। उनके अनुसार एग्रेसिव हाइब्रिड फंड उन निवेशकों के लिए उपयुक्त हैं जो इक्विटी में पैसा लगाकर विकास चाहते हैं, लेकिन अपनी पूरी पूंजी शेयरों में लगाने का जोखिम नहीं उठाना चाहते। यह लंबी अवधि के निवेशकों और नए निवेशकों के लिए भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है, जो खुद स्टॉक चुनने के बजाय पेशेवर फंड मैनेजर के माध्यम से निवेश करना चाहते हैं। मध्यम से अधिक जोखिम लेने की क्षमता वाले निवेशक इस श्रेणी पर विचार कर सकते हैं। हालांकि, निवेशकों को यह समझना जरूरी है कि एग्रेसिव हाइब्रिड फंड कम जोखिम वाले या पूंजी-सुरक्षित निवेश नहीं हैं। इक्विटी का बड़ा हिस्सा होने के कारण बाजार में तेज गिरावट आने पर इनके रिटर्न पर भी असर पड़ सकता है। निवेश से पहले फंड के इक्विटी और डेट पोर्टफोलियो की गुणवत्ता, फंड मैनेजर का अनुभव और खर्च अनुपात का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करना चाहिए। केवल पिछले प्रदर्शन को देखकर निर्णय लेने से बचना चाहिए और हमेशा अपने निवेश लक्ष्यों तथा जोखिम उठाने की क्षमता को प्राथमिकता देनी चाहिए।

ताज होटल दुनिया के 30वें सर्वश्रेष्ठ होटल में शुमार

- 123 साल पुरानी विरासत और अनूठी वास्तुकला के साथ हासिल किया गौरव

नई दिल्ली ।

सपनों की नगरी मुंबई का प्रतिष्ठित ताज होटल एक बार फिर वैश्विक पटल पर सुर्खियों में है। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ 50 होटलों की 2026 की सूची में इसे 30वां स्थान मिला है, जो पिछले साल के 38वें स्थान से एक महत्वपूर्ण सुधार है। यह उपलब्धि मुंबई की पहचान बन चुके इस 123 साल पुराने ऐतिहासिक होटल के लगातार बढ़ते वैश्विक आकर्षण को दर्शाती है, जिसे आगरा के ताजमहल की तरह ही दुनिया भर में पहचान मिली है। यह सिर्फ एक होटल नहीं, बल्कि एक विरासत है जिसकी वास्तुकला और इतिहास इसे बेहद खास बनाते हैं। अपनी बेजोड़ वास्तुकला के लिए मशहूर इस होटल के डिजाइन में राजपूत, मोरिश और ओरिएंटल शैलियों का अद्भुत मिश्रण दिखता है। इसके गुंबद में एफिल टावर में प्रयुक्त होने वाले स्टील जैसा ही मजबूत स्टील लगा है। 123 साल पुराना होने के बावजूद इसकी भव्यता और चमक आज भी बरकरार है। यह मुंबई की पहली ऐसी इमारत थी, जिसमें बिजली, लिफ्ट, तुर्की बाथ और अमेरिकन पंखों जैसी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध थीं। यही वजह है कि मुंबई आने वाला हर शख्स इस ऐतिहासिक स्थल को देखे और इसके सामने तस्वीर खिंचवाए बिना नहीं रह पाता, जो इसके निरंतर बढ़ते प्रदर्शन और वैश्विक लोकप्रियता का प्रमाण है।

घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम स्थिर, वाणिज्यिक गैस महंगा

नई दिल्ली ।

सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों ने रविवार, 20 सितंबर को 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी रसोई गैस सिलेंडरों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है, जिससे दाम पूरी तरह स्थिर बने हुए हैं। हालांकि, इस महीने की शुरुआत (1 सितंबर) में 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 9.50 रुपये प्रति सिलेंडर की मामूली बढ़ोतरी की गई थी। घरेलू सिलेंडर के दाम लंबे समय से स्थिर हैं; पिछली बार इनमें जून में बढ़ोतरी की गई थी। साल के शुरुआती महीनों में अंतर्राष्ट्रीय भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल व एलएनजी की आपूर्ति में दिक्कतों के कारण कीमतों में दो बार बड़ी वृद्धि देखी गई थी। इस बीच, मिडिल ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे संकट के कारण कच्चे तेल में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। हाल ही में, दक्षिण कोरिया ने अमेरिका को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों के लिए सुरक्षित मार्ग बहाल करने और समुद्री सुरक्षा बढ़ाने में सक्रिय योगदान का आश्वासन दिया है। यह कदम भारत के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत अपनी 85 फीसदी से अधिक कच्चे तेल की जरूरत इसी मार्ग से आयात करता है।

भारतीय शेयर बाजार से एफपीआई ने सितंबर में 20,974 करोड़ निकाले

जुलाई-अगस्त की खरीदारी के बाद सितंबर में पलटा रुख

नई दिल्ली ।

वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितता और अमेरिका में ऊंची ब्याज दरों के चलते विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने एक बार फिर भारतीय शेयर बाजार से दूरी बना ली है। सितंबर महीने में अब तक एफपीआई ने भारतीय शेयरों से रिकॉर्ड 20,974 करोड़ रुपये की बड़ी निकासी की है। यह जुलाई और अगस्त में हुई मजबूत खरीदारी के बाद बाजार में आए उलटफेर को दर्शाता है, जिसके पीछे महंगे कच्चे तेल और कमजोर रुपये जैसे कारक भी अहम हैं।

सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (सीडीएसएल) के आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने सितंबर 2023 में भारतीय शेयर बाजार से 20,974 करोड़ रुपये की सबसेंट शियल निकासी की है। यह जुलाई (20,200 करोड़ रुपये) और अगस्त (29,630 करोड़ रुपये) में हुई भारी निवेश के ठीक उलट है, जो भारतीय बाजारों के लिए एक चिंताजनक संकेत है। इस बिकवाली के साथ, साल 2023 में अब तक एफपीआई भारतीय शेयर बाजार से कुल 2.45 लाख करोड़ रुपये निकाल चुके हैं। यह आंकड़ा 2022 में पूरे साल के दौरान हुई 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी से भी अधिक है, जो विदेशी निवेशकों के बदलते रुझान को दर्शाता है। हालांकि, प्राथमिक या आईपीओ बाजार में एफपीआई का निवेश जारी रहा, लेकिन उन्होंने भारतीय ऋण या बॉन्ड बाजार से भी धन निकाला है। उन्होंने पूर्ण पहुंच मार्ग से 10,296 करोड़ रुपये, स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग से 1,817 करोड़ रुपये और सामान्य मार्ग से 1,068 करोड़ रुपये की निकासी की है। एक मुख्य निवेश रणनीति अधिकारी के मुताबिक एफपीआई की इस बिकवाली के पीछे तीन प्रमुख कारण हैं। पहला, अमेरिका में ऊंची ब्याज दरें और बढ़ता बॉण्ड प्रतिफल। इससे भारत और अमेरिका के बीच ब्याज दरों का अंतर कम हो गया है, जिससे भारतीय परिसंपत्तियों का आकर्षण घटा है। दूसरा, भू-राजनीतिक तनाव के बीच कच्चे तेल की ऊंची कीमतें। ब्रेंट कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बना हुआ है, जिससे भारत के आयात बिल और महंगाई पर दबाव बढ़ने की आशंका है।

भारत व्यापार सुगमता और एफटीए अवसरों पर कार्यशाला 22 को

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की अध्यक्षता में डीपीआईआईटी हितधारकों से लेगा सुझाव

नई दिल्ली (ईएमएस)। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) 22 सितंबर मंगलवार को हितधारकों के साथ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य कारोबार सुगमता, मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से जुड़े अवसरों और व्यापार प्रक्रियाओं को सरल व सुगम बनाने पर गहन चर्चा करना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इस महत्वपूर्ण कार्यशाला की अध्यक्षता करेंगे। कार्यशाला में एफटीए, कारोबार सुगमता और नियामकीय अनुपालन से जुड़ी विभिन्न पहलों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इस दौरान उद्योग संगठनों और निर्यात संवर्धन परिषदों से जमीनी स्तर पर सामने आ रही समस्याओं तथा प्रक्रियागत अड़चनों के बारे में सुझाव भी लिए जाएंगे, ताकि व्यापारिक प्रक्रियाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। वाणिज्य विभाग एफटीए के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए पहले भी ऐसी कार्यशालाएं आयोजित कर चुका है। भारत ने ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे कई देशों और व्यापारिक समूहों के साथ मुक्त व्यापार समझौते लागू किए हैं। भविष्य की योजनाओं के तहत, भारत और न्यूजीलैंड के बीच व्यापार समझौता अगले महीने से प्रभावी होने की उम्मीद है, जबकि भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) व्यापार समझौते पर दिसंबर तक हस्ताक्षर होने की संभावना है, जिससे वैश्विक व्यापार में भारत की स्थिति और मजबूत होगी।

नियु क्ति के एक महीने बाद अलका मूंदड़ा का आईओसी के स्वतंत्र निदेशक पद से इस्तीफा

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख पेट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) में अपनी नियुक्ति के महज एक महीने बाद ही अलका मूंदड़ा ने स्वतंत्र निदेशक के पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने बेटे की पेट्रोल पंप डीलरशिप को शेयर बाजार के सूचीबद्धता नियमों (सेबी के एलओडीआर विनियमों) के तहत स्वतंत्रता मानदंडों का उल्लंघन बताया है। आईओसी को दी गई जानकारी के अनुसार, मूंदड़ा के बेटे माधव मूंदड़ा 2020 से राजस्थान के उदयपुर में एक आईओसी खुदरा बिक्री केंद्र स्वर्ण गंगा केएसके संचालित कर रहे हैं। मूंदड़ा ने पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय को लिखे पत्र में कहा कि यह व्यवस्था वित्तीय संबंधों से जुड़े स्वतंत्रता मानदंडों के विपरीत है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनका बेटा 'मेरी ओर से किसी भी भागीदारी या हस्तक्षेप के बिना स्वतंत्र रूप से अपना व्यवसाय संचालित करता है' और उन्हें विश्वास था कि उनकी निष्पक्षता अप्रभावित रहेगी। फिर भी, कॉरपोरेट प्रशासन के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए उन्होंने पद पर बने रहना अनुचित समझा। मूंदड़ा ने 15 अगस्त को स्वतंत्र निदेशक का पद संभाला था और उनका इस्तीफा 18 सितंबर से प्रभावी हो गया है। उन्होंने इस फैसले को पूरी तरह स्वैच्छिक और औचित्य तथा पारदर्शिता के सिद्धांतों से प्रेरित बताया है।

कच्चे तेल, पश्चिम एशिया के घटनाक्रम तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

रूस तथा ईरान पर लगाए गए नए प्रतिबंध निवेशकों की धारणा को प्रमुखता से प्रभावित करेंगे

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार के लिए यह सप्ताह चुनौतियों से भरा रहने वाला है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, पश्चिम एशिया में तनाव और अमेरिका द्वारा रूस तथा ईरान पर लगाए गए नए प्रतिबंध निवेशकों की धारणा को प्रमुखता से प्रभावित करेंगे। विश्लेषकों का मानना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026 पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद व्यापार मोर्चे पर एक नई अनिश्चितता पैदा हो गई है, जिसका असर भारत पर भी पड़ सकता है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीओ) की लगातार निकासी भी बाजार के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिका के इस नए कानून के तहत रूस से कच्चा तेल और गैस खरीदने वाले कुछ देशों पर 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाने का अधिकार अमेरिकी राष्ट्रपति को मिल गया है। चूंकि भारत रूस से महत्वपूर्ण मात्रा में कच्चे तेल की खरीद करता है, ऐसे में इस नीति का संभावित प्रभाव भारतीय बाजार पर देखा जा सकता है। हालांकि, शुल्क की दर और किन देशों पर यह लागू होगा, इस बारे में अमेरिकी प्रशासन के पास व्यापक अधिकार हैं, जिससे फिलहाल अनिश्चितता बनी हुई है। बाजार के जानकारों के मुता बिक कच्चे तेल के दाम, बॉण्ड प्रतिफल और भू-राजनीतिक घटनाक्रम इस सप्ताह बाजार की दिशा तय करने वाले प्रमुख कारक रहेंगे।

अमेरिका-ईरान तनाव और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल को भी वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण बताया। इस बीच, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने सितंबर में अब तक भारतीय शेयरों से करीब 20,974 करोड़ रुपये की बड़ी निकासी की है। ऊंची कच्चे तेल की कीमतें, अमेरिका में ब्याज दरों में वृद्धि और वैश्विक अनिश्चितताएं इस बिकवाली के मुख्य कारण हैं। आने वाले दिनों में भारत, अमेरिका और यूरो क्षेत्र के पीएमआई आंकड़ों के साथ-साथ अमेरिका के आगामी श्रम बाजार आंकड़ों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। घरेलू मोर्चे पर, 24 सितंबर को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की सूचीबद्धता भी एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम होगी, जिसके 22,569 करोड़ रुपये के आईपीओ को दूसरे दिन ही पूर्ण अभिदान मिल गया था।

लागत से कम दाम पर बिकवाली से मंदी की चपेट में तेल-तिलहन बाजार

- पैसे की तंगी से आयातकों को घाटा, लागत से कम दाम पर बिके सोयाबीन-पाम तेल

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह कांडला बंदरगाह पर आयातकों द्वारा पैसे की तंगी और कमजोर मांग के चलते लागत से नीचे दाम पर की गई बिकवाली से लगभग सभी तेल-तिलहन कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। मूंगफली तेल की निरंतर मांग के बीच उसके दाम स्थिर रहे। कांडला बंदरगाह पर आयातकों को पैसे की तंगी के चलते लागत से नीचे दाम पर तेल बेचने को मजबूर होना पड़ा, जिससे बीते सप्ताह लगभग सभी तेल-तिलहन की कीमतों में भारी गिरावट आई। सूत्रों के अनुसार, आयातित सोयाबीन तेल अपनी वास्तविक लागत (127 रुपये) से लगभग 10-11 रुपये प्रति किलो नीचे (116.50 रुपये) बिक रहा है, यहां तक कि ब्राजील और अर्जेंटीना जैसे प्रमुख उत्पादक देशों से भी सस्ता मिल रहा है। इसी तरह, कच्चे पाम तेल को रिफाइंड कर पामोलीन बनाने की लागत (150 रुपये) भी बिक्री मूल्य (145 रुपये) से अधिक बैठ रही है, जिससे पाम तेल में भी गिरावट देखी गई। ऊंचे दाम के कारण सरसों खप नहीं पा रहा और मंडियों में बिनौला की नई फसल की आवक ने भी सरसों और बिनौला तेल कीमतों में गिरावट दर्ज कराई।

हालांकि, बाजार में निरंतर मांग के चलते मूंगफली तेल-तिलहन के दाम इस गिरावट से अछूते रहे और स्थिर बने हुए हैं। बीते सप्ताह सरसों दाना 150 रुपये की गिरावट के साथ 8,150-8,200 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल दादरी 350 रुपये की गिरावट के साथ 16,450 रुपये प्रति क्विंटल तथा सरसों पक्की एवं कच्ची घानी तेल क्रमशः 50-50 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,685-2,785 रुपये और 2,685-2,835 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 250-250 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 6,050-6,100 रुपये और 5,900-6,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

इसी प्रकार आयातकों की लागत से नीचे दाम पर बिकवाली की वजह से दिल्ली में सोयाबीन तेल 200 रुपये की गिरावट के साथ 15,300 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 200 रुपये की गिरावट के साथ 15,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सोयाबीन डीगम तेल 300 रुपये गिरावट के साथ 11,650 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। विदेशों में आई गिरावट के बावजूद निरंतर मांग के कारण बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 7,600-8,175 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,500 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,755-3,055 रुपये प्रति टिन पर स्थिर रुख के साथ बंद हुए। सीपीओ तेल का दाम 150 रुपये की गिरावट के साथ 13,975 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 325 रुपये की गिरावट के साथ 15,700 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 225 रुपये की गिरावट के साथ 14,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

त्योहारी मौसम में एफएमसीजी उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी टली

लागत बढ़ने के बावजूद दिवाली तक उपभोक्ता उत्पादों के दाम स्थिर रखने की रणनीति

नई दिल्ली।

देश की प्रमुख एफएमसीजी (रोजमर्रा के उपभोग का सामान बनाने वाली) कंपनियां त्योहारी सीजन में उत्पादों की कीमतों में बड़ी बढ़ोतरी से बचेंगी। लागत पर बढ़ते दबाव के बावजूद उनका मुख्य ध्यान फिलहाल उपभोक्ता मांग और बिक्री बनाए रखने पर है। उद्योग से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार कंपनियों ने जून तिमाही में ही कच्चे माल की बढ़ी कीमतों के प्रभाव को कम करने के लिए चुनिंदा उत्पादों के दाम में करीब दो से पांच प्रतिशत तक की बढ़ोतरी कर दी थी। चीनी, खाद्य तेल, कॉफी और पैकेजिंग सामग्री सहित विभिन्न कच्चे मालों की लागत में वृद्धि, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और भू-राजनीतिक तनाव ने कंपनियों पर दबाव बढ़ा रखा है। हालांकि, कंपनियां परिचालन दक्षता और लागत नियंत्रण जैसे उपायों से इस अतिरिक्त बोझ का बड़ा हिस्सा खुद वहन कर रही हैं, जिससे उनके मुनाफे पर दबाव बना है।

आईटीसी व डाबर जैसी कंपनियों ने लागत प्रबंधन और पोर्टफोलियो समायोजन से कीमतों को स्थिर रखने का प्रयास करने की बात कही। पारले के अनुसार, शहरी व ग्रामीण दोनों बाजारों में मांग उत्साहजनक है, जिसे कंपनियां त्योहारी मौसम में बनाए रखना चाहती हैं। दिवाली तक बड़ी बढ़ोतरी की संभावना कम है। यदि लागत दबाव बना रहा, तो वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में कीमतों में संशोधन संभव है।

सुपरटेक परियोजनाएं- एनवसीएलएटी ने एनबीसीसी की देरी और आईआरपी नियुक्ति पर जताई चिंता

न्यायाधिकरण ने अधिकारियों को लगाई फटकार, एक सप्ताह में आईआरपी नियुक्ति का दिया निर्देश

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने सुपरटेक लिमिटेड की अटकी आवासीय परियोजनाओं को पूरा करने में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनबीसीसी द्वारा हो रही देरी पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। न्यायाधिकरण ने रियल एस्टेट कंपनी के लिए अंतरिम समाधान पेशेवर (आईआरपी) की नियुक्ति में हो रही देरी पर भी संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाई है। एनसीएलएटी की तीन सदस्यीय पीठ ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) और भारतीय दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) को आईआरपी की नियुक्ति के लिए नाम सुझाने की प्रक्रिया एक सप्ताह के भीतर पूरी करने का निर्देश दिया है। नियुक्त होने वाला समाधान पेशेवर उच्चतम न्यायालय की समिति का प्रमुख होगा, जो इन परियोजनाओं की निगरानी कर रही है। न्यायाधिकरण ने एनबीसीसी द्वारा पूर्व में निर्धारित समयसीमा का पालन न करने का भी संज्ञान लिया। एनसीएलएटी ने अपने 6 मई, 2026 के आदेश में एनबीसीसी को 31 जुलाई, 2026 तक आवश्यक मंजूरियां प्राप्त करने और 1 अक्टूबर, 2026 से निर्माण कार्य शुरू करने का निर्देश दिया था। हालांकि, उच्चतम न्यायालय की समिति की रिपोर्ट में एनबीसीसी को इन शर्तों को पूरा करने में कठिनाइयों का उल्लेख किया गया। 20 सितंबर को प्रस्तावित बैठक में नई समयसीमा तय होने की उम्मीद है। एनसीएलएटी ने सुपरटेक के निलंबित पूर्व प्रबंधन से एनबीसीसी द्वारा मांगे गए दस्तावेजों की अनुपलब्धता पर भी चिंता जताई। मामले की अगली सुनवाई 25 सितंबर को होगी। गौरतलब है कि सुपरटेक मार्च 2021 से कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) में है, और एनसीएलएटी ने दिसंबर 2024 में एनबीसीसी को 16 परियोजनाओं को अपने हाथ में लेकर पूरा करने का निर्देश दिया था।

1 अक्टूबर से एलपीजी सब्सिडी के लिए बायोमेट्रिक आधार ऑथेंटिकेशन अनिवार्य

फर्जी कनेक्शनों पर लगेगी लगाम; बिना प्रमाणीकरण बाजार भाव पर मिलेगा सिलेंडर

नई दिल्ली ।

घरेलू रसोई गैस उपभोक्ताओं के लिए एक अहम खबर है। केंद्र सरकार ने 1 अक्टूबर से सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर बुक करने के लिए बायोमेट्रिक आधार ऑथेंटिकेशन को अनिवार्य कर दिया है। इ इस फैसले का मकसद सब्सिडी का लाभ केवल पात्र परिवारों तक पहुंचाना और फर्जी कनेक्शनों पर लगाम लगाना है। जिन ग्राहकों ने पहले ही यह प्रक्रिया पूरी कर ली है, उन्हें कुछ भी करने की जरूरत नहीं होगी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, 19 सितंबर तक लगभग 90 फीसदी (27.43 करोड़) घरेलू एलपीजी ग्राहकों ने अपना बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण पूरा कर लिया है। जिन ग्राहकों ने अभी तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं की है, उन्हें 1 अक्टूबर के बाद सब्सिडी वाले दाम पर सिलेंडर लेने में परेशानी हो सकती है और उन्हें बाजार भाव पर सिलेंडर खरीदना पड़ सकता है। सरकार का यह कदम सब्सिडी के भारी वित्तीय बोझ को सही दिशा में ले जाने और धोखाधड़ी रोकने के लिए आवश्यक है, क्योंकि कई बार फर्जी कनेक्शनों के कारण वास्तविक लाभार्थियों तक सब्सिडी का लाभ नहीं पहुंच पाता। सरकार ने इस प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए कई विकल्प दिए हैं। ग्राहक डिलीवरी बॉय के मोबाइल या बायोमेट्रिक स्कैनर के जरिए घर पर ही फिंगरप्रिंट या फेस-आईडी ऑथेंटिकेशन करा सकते हैं। इसके अलावा, संबंधित गैस एजेंसी के कार्यालय में जाकर बायोमेट्रिक काउंटर से अपनी ई-केवाईसी पूरी की जा सकती है। ग्राहक अपने मोबाइल पर संबंधित ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के आधिकारिक ऐप्स के माध्यम से भी फेस-ऑथेंटिकेशन कर सकते हैं। किसी भी सहायता या पूछताछ के लिए सरकार के टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1800 2333 555 पर संपर्क किया जा सकता है। यह प्रमाणीकरण अभियान अक्टूबर 2023 से चल रहा है और इसकी समय-सीमा सात बार बढ़ाई जा चुकी है। तेल मार्केटिंग कंपनियों ने ग्राहकों को जागरूक करने के लिए 12 करोड़ से ज्यादा एसएमएस और वाटसऐप मैसेज भेजे हैं।

रुपए बचाने की सफलता आरबीआई के लिए बनी नई चुनौती

घरेलू बैंकिंग प्रणाली में 10 लाख करोड़ रुपए की तरलता का संकट

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) या एफसीएनआर(बी) योजना की सफलता के बाद एक अप्रत्याशित चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। जिस योजना को डॉलर आकर्षित कर रुपये के अनियंत्रित अवमूल्यन को रोकने के लिए सराहा गया था, उसी ने अब घरेलू बैंकिंग प्रणाली में 10 लाख करोड़ रुपए से अधिक की अधिशेष तरलता पैदा कर दी है। आरबीआई के सामने इस विशाल धन को संभालने के लिए दो कठिन और महंगे विकल्प हैं, जो भविष्य में विनिमय दर में गिरावट या पुनर्भुगतान के दबाव से पहले ही लागतें बढ़ा रहे हैं। इस विशेष सुविधा के तहत कुल 136.4 अरब डॉलर जुटाए गए, जिसमें एफसीएनआर(बी) जमा के माध्यम से 127.2 अरब डॉलर शामिल हैं, और आरबीआई ने अधिकांश विदेशी मुद्रा को अवशोषित कर रुपये जारी किए, जिससे यह तरलता समस्या उत्पन्न हुई।

पहला विकल्प था कि डॉलर को बाजार में आने दिया जाए, जिससे रुपया और मजबूत होता। 2013 में, जब भारत का चालू खाता घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.7 फीसदी था और मुद्रास्फीति चरम पर थी, यह कदम उपयुक्त हो सकता था। उस समय एफसीएनआर(बी) ने लगभग 34 अरब डॉलर आकर्षित किए थे। हालांकि, वर्तमान परिदृश्य भिन्न है। भारत के पास पर्याप्त भंडार, स्वस्थ वृद्धि दर और लगभग शून्य चालू खाता घाटा है। बाजार में पूरी तरह से पैसा आने देने से रुपया 90 रुपए से नीचे जा सकता था, जिससे निर्यात को नुकसान होता और घरेलू विनिर्माण कमजोर पड़ता। यही कारण था कि आरबीआई ने अधिकांश विदेशी मुद्रा को अवशोषित करना उचित समझा, लेकिन इससे विनिमय दर की समस्या अब तरलता की समस्या में बदल गई है। दूसरा विकल्प यह है कि बैंकों के पास भंडार छोड़ दिया जाए ताकि वे अधिक ऋण दे सकें।

ईंधन की कीमतों में स्थिरता बरकरार

पेट्रोल-डीजल के दाम में नहीं हुआ बदलाव

नई दिल्ली।

रविवार 20 सितंबर को देश भर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में स्थिरता बनी हुई है, जिससे उपभोक्ताओं को थोड़ी राहत मिली है। ज्यादातर बड़े शहरों में ईंधन के दाम अपरिवर्तित रहे। इस वक्त देश में पेट्रोल की औसत कीमत 111.21 रुपये प्रति लीटर है, जबकि डीजल 97.83 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। राजधानी दिल्ली में जहां कीमतें अपेक्षाकृत कम हैं, वहीं हैदराबाद जैसे शहरों में ये सर्वाधिक दर्ज की गई हैं। प्रमुख शहरों में मुंबई में पेट्रोल 111.31 रुपये और डीजल 97.97 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर उपलब्ध है, जो अन्य बड़े शहरों के मुकाबले कम है। वहीं, हैदराबाद में पेट्रोल 115.71 रुपये और डीजल 103.84 रुपये प्रति लीटर के साथ कीमतें सर्वाधिक दर्ज की गई हैं। बेंगलुरु में भी पेट्रोल 110.82 रुपये और डीजल 98.77 रुपये प्रति लीटर पर बना हुआ है। कीमतों में यह स्थिरता रविवार को कमोडिटी बाजारों के बंद रहने के कारण है, जिससे दाम शुक्रवार, 18 सितंबर के स्तर पर बरकरार हैं। शुक्रवार को कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 1 फीसदी की गिरावट आई थी, जिसमें ब्रेंट क्रूड 0.91 फीसदी गिरकर 103.87 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ।

गणेश शिवजी और पार्वती के पुत्र हैं। उनका वाहन मूषक है। गणों के स्वामी होने के कारण उनका एक नाम गणपति भी है। ज्योतिष में इनको केतु का देवता माना जाता है,और जो भी संसार के साधन हैं,उनके स्वामी श्री गणेशजी हैं। हाथी जैसा सिर होने के कारण उन्हें गजानन भी कहते हैं। हिन्दू शास्त्रों के अनुसार किसी भी कार्य के पहले गणेशजी पूजनीय है। इसलिए इन्हें आदिपूज्य भी कहते है। आइए जानते हैं बड़े ही मनमोहक से दिखने वाले गणेश जी के भव्य और दिव्य स्वरूप के विषय में

श्री गणेश एक रूप अनेक

गणेश शब्द की व्युत्पत्ति हुई है गणानां जीवजातानां यः ईशः स्वामी सः गणेशः से। अर्थात,जो समस्त जीव जाति के ईश-स्वामी हैं वह गणेश हैं। इनकी पूजा से सभी विघ्न नष्ट होते हैं। लेकिन अन्य देवताओं की तरह गणेश जी के भी कई रूप हैं। गणेश पुराण के क्रीड़ा खंड में युग-भेद से गणेश जी के चार रूपों की व्याख्या करके उनके चार भिन्न वाहन बताए गए हैं।

सतयुग में गणेश जी का वाहन सिंह है,वे दस भुजा वाले हैं और उनका नाम विनायक है। त्रेता युग में वाहन मोर है,छः भुजाएं हैं और नाम मयूरेश्वर है। द्वापर में वाहन चूहा (मूषक) है,भुजाएं चार हैं और नाम गजानन है। कलयुग में दो भुजाएं हैं वाहन घोड़ा है और नाम धूम्रकेतु है।

इन चारों रूपों की उपासना विधि व लीला चरित्र का विवरण गणेश पुराण में प्राप्त होता है। वर्तमान में गणेश जी का सर्वप्रसिद्ध वाहन मूषक (चूहा)माना जाता है। विभिन्न मंत्रों के ध्यान में इनके मूषक वाहन का ही संकेत पाया जाता है।

विशिष्ट वस्तुओं के पूजन भेद से गणेश जी के अनेक रूप प्रसिद्ध हैं जैसे हरिद्रा गणेश, दूर्वा गणेश, शमी गणेश, गोमेद गणेश आदि। कामना भेद से भी इनके भिन्न रूपों की उपासना की जाती है जैसे संतान प्राप्ति हेतु संतान गणपति,विद्या प्राप्ति हेतु विद्या गणपति आदि। सामान्य उपासक दैनिक उपासना में गणेश जी के प्रसिद्ध द्वादश नाम स्तोत्र, संकट नाशक स्तोत्र, गणपति अथर्वशीर्ष, गणेश कवच, शतनामस्तोत्र आदि का सुविधानुसार पाठ करके इनका आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं। विशिष्ट उपासना के अंतर्गत गणपति अथर्वशीर्ष से इनका अभिषेक किया जाता है। गणेश पुराण एवं रुद्रयामल तंत्र में वर्णित सहस्र नामस्तोत्र की नामावली के द्वारा दूर्वा से इनका अर्चन किया जाता है। गणपति योग भी वैदिक पद्धति के द्वारा संपन्न कराया जाता है।

अलग-अलग होती है उपासना

भगवान गणेश की उपासना अनेक प्रकार से होती है। गणेशमूर्ति के अलग-अलग प्रकार की अर्चना का विधान भी अलग-अलग होता है। दो से अठारह भुजा एवं एकमुखी से दशमुखी मूर्तियों का पूजन होता है और इनसे संबंधित मंत्र,कवच,यंत्र,स्त्रोत आदि का विधान तंत्र शास्त्र के मान्य ग्रंथों,मंत्र महार्णव,मंत्रमहोदधि,शारदा तिलक,तंत्र सार आदि में अंतर पाया जाता है। गणपति पूजन में मुख्यतः दूर्वा,शमी के पत्ते और मोदक (लड्डू) अर्पित किए जाते हैं।

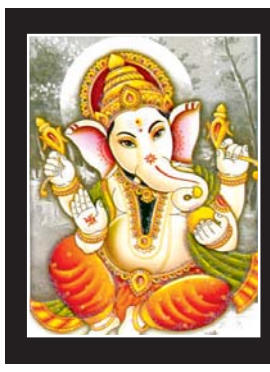

भगवान गणेशजी ही प्रथम पूज्य क्यों?

एक बार कार्तिकेय व गणेशजी में होड़ लगी कि सबसे बुद्धिमान कौन? तब भगवान भोलेनाथ जी ने कहा जो पृथ्वी के सात चक्कर लगाकर सबसे पहले लौट कर आएगा वह बुद्धिमान व प्रथम पूजनीय होगा। गणेशजी भारी भरकम थे। वाहन भी चूहा व कार्तिकेय उत्तम वजन के थे और उनका वाहन मोर। स्वामी कार्तिकेय चल पड़े। गणेशजी सोचने लगे। गणेशजी ने सोचा माता-पिता ही जन्मदाता है तो सबसे महान वही हुए। उन्हीं के सात चक्कर लगा लिए और खड़े हो गए। कार्तिकेय भी आ पहुंचे। जब निर्णय की बारी आई तो भगवान आशुतोषजी ने कहा कि गणेश बुद्धिमान व श्रेष्ठ हैं, क्योंकि माता-पिता ही समस्त तीर्थों से बड़े होते हैं। तभी से भगवान गणेशजी को सब देवताओं से पहले पूजा जाता है एवं हर मांगलिक कार्य में श्रीगणेश जी का ही पूजन स्मरण व स्थापना की जाती है। इससे हमें सीख मिलती है कि जो अपने माता-पिता की सेवा करता है, उन्हें सब तीर्थों का फल मिल जाता है। फिर वह तीर्थयात्रा करें या ना करें।

कैसे करें अनंत चतुर्दशी का व्रत...

भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को अनंत चतुर्दशी का व्रत किया जाता है। इस दिन अनंत के रूप में हरि की पूजा होती है। पुरुष दाएं तथा स्त्रियां बाएं हाथ में अनंत धारण करती हैं। अनंत राखी के समान रूई या रेशम के कुंकू रंग में रंगे धागे होते हैं और उनमें चौदह गांठे होती हैं। इन्हीं धागों से अनंत का निर्माण होता है। यह व्यक्तिगत पूजा है, इसका कोई सामाजिक धार्मिक उत्सव नहीं होता। अग्नि पुराण में इसका विवरण है। व्रत करने वाले को धान के एक प्रसर आटे से रोटियां या पूड़ी बनानी होती हैं, जिनकी आधी वह ब्राह्मण को दे देता है और शेष स्वयं प्रयोग में लाता है।

इस दिन व्रती को चाहिए कि प्रातःकाल स्नानादि नित्यकर्मों से निवृत्त होकर कलश की स्थापना करें। कलश पर अष्टदल कमल के समान बने बर्तन में कुश से निर्मित अनंत की स्थापना की जाती है। इसके आगे कुंकूम, केसर या हल्दी से रंग कर बनाया हुआ कच्चे डोरे का चौदह गांठों वाला अनंत भी रखा जाता है।

व्रत की महिमा और मंत्र

यूं तो यह व्रत नदी-तट पर किया जाना चाहिए और हरि की लोककथाएं सुननी चाहिए। लेकिन संभव ना होने पर घर में ही स्थापित मंदिर के सामने हरि से इस प्रकार की प्रार्थना की जाती है- हे वासुदेव, इस अनंत संसार रूपी महासमुद्र में डूबे हुए लोगों की रक्षा करो तथा उन्हें अनंत के रूप का ध्यान करने में संलग्न करो, अनंत रूप वाले प्रभु तुम्हें नमस्कार है। इस मंत्र से हरि की पूजा करके तथा अपने हाथ के ऊपरी भाग में या गले में धागा बांध कर या लटका कर (जिस पर मंत्र पढ़ा गया हो) व्रती अनंत व्रत को पूर्ण करता है। यदि हरि अनंत हैं तो 14 गांठें हरि द्वारा उत्पन्न 14 लोकों की प्रतीक हैं।

अनंत चतुर्दशी पर कृष्ण द्वारा युधिष्ठिर से कही गई कौण्डिन्य एवं उसकी स्त्री शीला की गाथा भी सुनाई जाती है। कृष्ण का कथन है कि अनंत उनके रूपों का एक रूप है और वे काल हैं जिसे अनंत कहा जाता है। अनंत व्रत चंदन, धूप, पुष्प, नैवेद्य के उपचारों के साथ किया जाता है। इस व्रत के विषय में कहा जाता है कि यह व्रत 14 वर्षों तक किया जाए, तो व्रती विष्णु लोक की प्राप्ति कर सकता है।

इस दिन भगवान विष्णु की कथा होती है। इसमें उदय तिथि ली जाती है। पूर्णिमा का सहयोग होने से इसका बल बढ़ जाता है। यदि मध्याह्न तक चतुर्दशी हो तो ज्यादा बेहतर है। जैसा इस व्रत के नाम से प्रतीत होता है कि यह दिन उस अंत न होने वाले सृष्टि के कर्ता ब्रह्मा की भक्ति का दिन है। इस व्रत की पूजा दोपहर में की जाती है।

जानिए क्या है गणेश पुराण में

गणेश पुराण महत्वपूर्ण ग्रंथ है। इसके पठन-पाठन से सब कार्य सफल हो जाते हैं। गणेश पुराण में पांच खंड पाए जाते हैं। संक्षेप में जानते हैं गणेश पुराण के पांचों खंडों के बारे में.....

पहला खंड-आरंभ खंड

इस खंड में ऐसी कथाएं बताई गई है जिससे हमेशा सब जगह मंगल ही होगा। इसमें सबसे पहली कथा के माध्यम से बताया है कि किस प्रकार प्रजा की सृष्टि हुई और सर्वश्रेष्ठ देव भगवान् गणेश का आविर्भाव किस प्रकार हुआ। आगे इसमें शिव के अनेक रूपों का वर्णन किया गया है। साथ ही यह भी बताया गया है कि कैसे शिव सृष्टि की उत्पत्ति,संहार और पालन करते हैं।

दूसरा खंड- परिचय खंड

दूसरा खंड परिचय खंड है जिसमें गणेश जी के जन्म के कथाओं का परिचय दिया गया है। इसमें अलग-अलग पुराणों के अनुसार कथा कही गई है। जैसे पद्म व लिंग पुराण के अनुसार। और अंत में गणेश की उत्पत्ति की कथा विस्तार बताई गई है।

तीसरा खंड- माता पार्वती खंड

तीसरा खंड माता पार्वती खंड है। इसमें पार्वती के पर्वतराज हिमालय के घर जन्म की कथा है और शिव से विवाह की कथा। फिर तारकासुर के अत्याचार से लेकर कार्तिकेय के जन्म की कथा भी इसमें वर्णन है। इस खंड में वशिष्ठ जी द्वारा सुनाई अरण्यराज की कथा भी है।

चौथा खंड- युद्ध खंड

यह युद्ध खंड नामक खंड है। इसके आरंभ में मत्सर नामक असुर के जन्म की कथा है जिसने दैत्य गुरु शुक्राचार्य से शिव पंचाक्षरी मंत्र की दीक्षा ली। आगे तारकासुर की कथा है। उसने ब्रह्मा की आराधना कर त्रैलोक्य का स्वामित्व प्राप्त किया। साथ ही इसमें महोदर व महासुर के आपसी युद्ध की कथा है। इसमें लोभासुर व गजानन की कथा भी है जिसमें लोभासुर ने गजानन के मूल महत्व को समझा और उनके चरणों की वंदना करने लगा।

पांचवां खंड- महादेव पुण्य कथा खंड

पांचवा खंड महादेव पुण्य कथा खंड है। इसमें सूत जी ने ऋषियों को कहा,आप कृपा करके गणेश,पार्वती के युगों का परिचय दीजिए। आगे इस खंड में सत्तयुग,त्रेतायुग व द्वापर युग के बारे में बताया गया है। जन्मासुर, तारकासुर की कथा के साथ इसका अंत हुआ है। इस तरह गणेश पुराण के पांच खंडों में मंगलकारी श्री गणेश के जन्म से लेकर उनकी लीलाओं और उनकी पूजा से मिलने वाले यश के बारे का संपूर्ण वर्णन किया गया है। इसके अलावा उनसे जुड़ी बहुत सी अन्य बातों को भी इसमें शामिल किया गया है।

अनंत चतुर्दशी विष्णु पूजन का दिन

ओम विश्वं विष्णुर्वषट्कारो भूतभव्यभवत्प्रभु।
भूतकृद भूवभृद भावो भूतात्मा भूतभावन।।
पूतात्मा परमात्मा च मुक्तानां परमा गति।
अव्यय पुरुष साक्षी क्षेत्रज्ञोऽक्षर एव च।।

ऐसे अनंत देव विष्णु भगवान जो कि अनेक नाम से पूजे जाते हैं, ऐसे ईश्वर को स्मरण करने या जाप करने का यूँ तो कोई एकमात्र निर्धारित ढंग नहीं, फिर भी किसी भी कार्य को इस ढंग से किया जाए जिससे वह सहज रूप से संपन्न हो जाए। इस कार्य में जितनी ज्यादा एकाग्रता होगी उतना ही अधिक लाभ होगा।

अनंत चतुर्दशी के दिन भगवान विष्णु का पूजन करें। सर्वप्रथम विष्णु का आवहन् करें। पूजन में सर्वप्रथम आसन अर्पित करें। तत्पश्चात् पैर धोने के लिए जल अर्पित करें। अर्घ्य अर्पित करें, आचमन करें, स्नान हेतु जल अर्पित करें। तिलक हेतु (चंदन) द्रव्य अर्पित करें, धूप-दीप दिखाएँ। प्रसाद करें। फिर आचमन हेतु जल अर्पित करें। तत्पश्चात् नमस्कार करें।

चतुमूर्ति चतुर्वाहुश्चतुर्ण्यहश्चतुर्गति
चतुरात्मा चतुर्भावश्चतुर्वेदविदेकपात।।
विश्व मूर्तिर्महामूर्तिर्दीप्त मूर्तिरमूर्तिमाव
अनेक मूर्तिरण्यव्यक्त शतमूर्ति शतानन।।

ऐसे अनेक नामों से भगवान विष्णु को नमस्कार करें। विघ्न हरने वाले देवता विष्णु अपने भक्तों से जल्दी प्रसन्न हो जाते हैं एवं मनोवांछित फल दे देते हैं।

अनंत चतुर्दशी के दिन भगवान अनंत की पूजा-अर्चना अवश्य करना चाहिए। इस दिन विष्णु सहस्त्रनाम स्तोत्रम् का पाठ करने से अनन्य फल की प्राप्ति होती है एवं भगवान विष्णु की प्रसन्नता प्राप्त होती है। भगवान की प्रार्थना अर्जुन बनकर करें अर्थात् मानसिकता और विश?वास लगाकर (पूर्ण रूप) उनमें लगाकर प्रार्थना करने से उनका सानिध्य प्राप्त होता है। उनका आशीर्वाद मिलता है। यदि सेवा करना है तो हनुमान जी जैसी करें। हृदय में पूर्ण छवि बनी रहे कृपा प्रसाद अवश्य प्राप्त होगा। अर्जुन ने भगवान से कहा कि मैं आपके शरण में आ गया हूँ, आप मुझे आज्ञा दे मुझे क्या करना है?

भगवान ने शरणागत आए हुए अर्जुन का पूरा जीवन सुखमय कर दिया एवं अपना सानिध्य दिया। भगवान का कहना है कि जीव तू सारे धर्म को त्याग कर मेरी शरण को प्राप्त हो! मैं तुम्हें पापों से मुक्त करूँगा, तुम चिंता व्याप्त न हो। भगवान से प्रार्थना इस प्रकार करें जैसे अर्जुन ने (गीता में) की थी। अनंत चतुर्दशी में इसका बहुत बड़ा महत्व है।

पवित्राणां पवित्रं यो मङ्गलानां च मङ्गलम् ।
दैवतं देवतानां च भूतानां योऽव्ययः पिता ॥
यतः सर्वाणि भुतानि भवन्त्यादियुगागमे ।
यस्मिश्च प्रलयं यान्ति पुनरेव युगक्षये ॥
तस्य लोकप्रधानस्य जगन्नाथस्य भूपते ।
विष्णोर्नामसहस्त्रं मे श्रृणु पापभयापहम् ॥
यानि नामानि गौणानि विख्यातानि महात्मनः ।
ऋषिभिः परिगीतानि तानि वक्ष्यामि भूतये ॥
विश्वं विष्णुर्वषट् ?कारो भूतभव्यभवत्प्रभुः ।
भूतकृद्भूतभृद्भावो भूतात्मा भूतभावनः ॥
पूतात्मा परमात्मा च मुक्तानां परमा गतिः ।
अव्ययः पुरुषः साक्षी क्षेत्रज्ञोऽक्षर एव च ॥

इस प्रकार प्रभु नारायण की प्रार्थना करने से वह अवश्य प्रसन्न होकर आपको सुख, संपदा, धन-धान्य, यश-वैभव, लक्ष्मी, पुत्र आदि सारा सुख दे देते हैं।

भारतीय महिला बैडमिंटन टीम ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

कजाखस्तान को हराया

नागोया । भारत ने एशियन गेम्स 2026 के महिला बैडमिंटन टीम इवेंट के पहले दौर में कजाखस्तान को 3-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। भारत ने 90 मिनट के भीतर ही मुकाबला अपने नाम कर लिया। तीनों भारतीय खिलाड़ियों ने अपने-अपने मुकाबले सीधे गेम में जीते।

भारत ने बैडमिंटन के महिला टीम स्पर्धा में कमजोर रैंकिंग वाले कजाखस्तान को 3-0 से हराकर रविवार को एशियाई खेलों के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। अब उसके सामने मेजबान जापान की कड़ी चुनौती होगी। इचिनोमिया सिटी म्यूनिसिपल जिम्नेजियम में भारत की स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधू, उन्नति हुड्डा और तन्वी शर्मा ने बिना कोई गेम गंवाए मुकाबला अपने नाम किया।

भारत ने जीते शुरुआती तीन मुकाबले- विश्व रैंकिंग में 11वें स्थान पर काबिज सिंधू ने पहले मुकाबले में कमिला स्मागुलोवा को महज 24 मिनट में 21-7, 21-9 से शिकस्त दी। कजाखस्तान की कमिला की विश्व रैंकिंग 426 है। इसके बाद विश्व की 24वें नंबर की खिलाड़ी उन्नति ने अलिस्सा कुलेशोवा (विश्व रैंकिंग 866) को 22 मिनट में 21-7, 21-10 से हराया। विश्व रैंकिंग में 26वें स्थान पर मौजूद तन्वी शर्मा ने डायना नामेनोवा (विश्व रैंकिंग 1067) को 21-5, 21-10 से हराकर भारत की जीत पर मुहर लगा दी।

भारत के सामने जापान की कड़ी चुनौती

भारत को अब मेजबान जापान के खिलाफ भारत को कहीं कड़ी परीक्षा से गुजरना होगा। जापान की टीम में विश्व की शीर्ष 10 रैंकिंग वाली तीन महिला एकल खिलाड़ी हैं। इसमें अकाने यामागुची (नंबर तीन), टोमोका मियाजाकी (नंबर सात) और नोजोमी ओकुहारा (नंबर 10) शामिल है। भारत 2023 के हांगझोउ एशियाई खेलों में क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड से हारकर खाली हाथ लौट आया था। संभावित मुकाबलों में सिंधू का सामना यामागुची से, जबकि उन्नति का मुकाबला मियाजाकी से हो सकता है। वहीं महिला युगल में भारत की ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी का सामना जापान की विश्व नंबर तीन जोड़ी युकी फुकुशिमा और मायू मात्सुमोतो से होने की संभावना है।सिंधू ने आगामी मुकाबलों में टीम टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद जताते हुए कहा, हमारी टीम अच्छी है और जापान भी मजबूत टीम है। इसलिए मुकाबला कड़ा होने वाला है। हर मैच महत्वपूर्ण है और यह एक अच्छा मुकाबला होगा। हम पूरी उम्मीद के साथ उतरेंगे और उम्मीद है कि जीत हमारी होगी।

संक्षिप्त समाचार

डेविस कप

भारत का अंतिम-8 में जगह बनाने का टूटा सपना, कोरिया ने दर्ज की ऐतिहासिक जीत

सियोल । डेविस कप के नए फॉर्मेट में पहली बार 'अंतिम 8' में पहुंचने वाले पहले एशियाई देश बनने का भारत का सपना टूट गया। शनिवार को सियोल में खेले गए क्वालीफायर राउंड-2 मुकाबले में कोरिया ने भारत को 3-1 से हराकर जीत हासिल की। इस साल की शुरुआत में नीदरलैंड को हराने के बाद भारत के पास इतिहास रचने का मौका था, लेकिन शुरुआती दोनों सिंगल्स मैच हारने के बाद टीम मुश्किल स्थिति में आ गई। डबल्स मैच में शानदार प्रदर्शन से भारत ने कुछ देर के लिए मुकाबले में वापसी की उम्मीद जगाई, लेकिन कोरिया ने चौथे मैच में जीत के साथ मुकाबला अपने नाम कर लिया। दक्षिणेश्वर सुरेश और एन श्रीराम बालाजी की जोड़ी ने कोरियाई जोड़ी को 6-3, 3-6, 6-3 से हराकर भारत को नई उम्मीद दी। दूसरा सेट हारने के बाद भारतीय जोड़ी ने जोरदार वापसी की। उन्होंने तनावपूर्ण निर्णायक सेट में संयम बनाए रखा और महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल किया, जिससे वे मैच के लिए सर्विस करने की स्थिति में आ गए। भारत को मुकाबला जीतने के लिए बाकी दोनों सिंगल्स मैच अपने नाम करने थे, जिससे सुमित नागल पर दबाव बढ़ गया। हालांकि, कोरिया के सूनवू क्वोन ने रिवर्स सिंगल्स के अहम मैच में शानदार खेल दिखाया और नागल को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

सुब्रतो कप यू-17

मिनर्वा पब्लिक स्कूल ने गुजरात को 4-0 से रौंदा

चंडीगढ़। 65वें सुब्रतो कप इंटरनेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट (जूनियर बॉयज अंडर-17) में मिनर्वा पब्लिक स्कूल (सीआईएससीई का प्रतिनिधित्व) का विजय अभियान लगातार जारी है। नई दिल्ली के पीपीएफजी ग्राउंड पर खेले गए मैच-डे 4 के मुकाबले में मिनर्वा ने एकतरफा प्रदर्शन करते हुए गुजरात को 4-0 से करारी शिकस्त दी। इस शानदार जीत के साथ मिनर्वा ने टूर्नामेंट में लगातार चौथे मैच में क्लीन शीट हासिल करने का रिकॉर्ड बनाया। चार मैचों के बाद मिनर्वा की टीम कुल 30 गोल दाग चुकी है, जबकि उनके खिलाफ अब तक एक भी गोल नहीं हुआ है। सुबह 8:30 बजे शुरू हुए इस मुकाबले में दोनों टीमों की रणनीतियों में स्पष्ट अंतर दिखा। मिनर्वा ने अपने आक्रामक 4-3-3 फॉर्मेशन के साथ शुरुआत की, जिसमें गोलकीपर रंजन के आगे साइलेक्स, चिंगखेई, टोनी और सामटे ने रक्षापंक्ति की कमान संभाली। मिडफील्ड में मूसा, के. चेतन और चेतन ने खेल की गति तय की और अटैकिंग लाइन के महेश, योहेनबा और राज को लगातार मौक़े बनाए।
वहीं, गुजरात की टीम डिफेंसिव 5-4-1 लो-ब्लॉक फॉर्मेशन के साथ उतरी, जिसका उद्देश्य मिनर्वा के हमलों को रोकना था। हालांकि, मिनर्वा के आक्रामक हाई-प्रेस ने महज 6वें मिनट में ही गुजरात के डिफेंस को तोड़ दिया।

एशियन गेम्स: सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 114 रन से हराया

फाइनल में भारत की बेटियां

निशिन। एशियन गेम्स 2026 के महिला क्रिकेट इवेंट में महिला एशिया कप 2026 की पुनरावृत्ति हो गई है। महिला एशिया कप 2026 की तरह ही एशियन गेम्स 2026 महिला क्रिकेट का फाइनल मुकाबला भारतीय टीम और श्रीलंका के बीच होगा। रविवार को खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को 114 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। टीम इंडिया ने सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के विस्फोटक शतक की बदौलत 4 विकेट पर 195 रन बनाए थे। शेफाली ने मात्र 49 गेंदों पर शतक लगाया।

यह उनके अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर का पहला शतक था। शेफाली ने 49 गेंदों पर 9 छक्कों और 3 चौकों की मदद से नाबाद 100 रन की पारी खेली। इस शतक के साथ ही शेफाली ने मंधाना के सबसे तेज टी20 शतक के भारतीय महिला क्रिकेटर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। मंधाना ने 2018 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 49 गेंदों में ही शतक लगाया था। शेफाली के अलावा, स्मृति मंधाना ने 19 गेंदों पर 2 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 37 और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 33 गेंदों पर 6 चौकों की मदद से 40 रन की पारी खेली। बांग्लादेश के लिए

मारूफा अख्तर, संजीदा अख्तर, राबिया खान और नाहिदा अख्तर ने 1-1 विकेट लिए। 196 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी बांग्लादेश की पूरी टीम 15.4 ओवर में 81 रन पर सिमट गई।

सर्वाधिक 24 रन ओपनर दिलारा अख्तर ने बनाए। भारतीय टीम की तरफ से नंदिनी शर्मा और दीप्ति शर्मा ने 3-3 विकेट लिए। श्री चरणी को 2 विकेट मिला। क्रांति गौड़ और श्रेयांका पाटिल ने 1-1 विकेट लिए।

एशियन गेम्स

चमारी अथापट्टू ने खेली कप्तानी पारी

श्रीलंका ने सेमीफाइनल में पाकिस्तान को 8 विकेट से हराया

निशिन। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए एशियन गेम्स 2026 के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान को 8 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बना ली। श्रीलंकी कप्तान चमारी अथापट्टू जीत की हीरो रहीं। श्रीलंका ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान ने 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 177 रन बनाए थे। पाकिस्तान के लिए सलामी बल्लेबाज शावाल जुल्फिकार ने 50 गेंदों पर 2 छक्कों और 3 चौकों की मदद से 54 रन की पारी खेली। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरी आयशा जफर ने तूफानी अर्धशतक लगाया। आयशा 40 गेंदों पर 2 छक्कों और 9 चौकों की मदद से 71 रन बनाकर रन आउट हुईं। आयशा के रन आउट होने से पाकिस्तान का

निश्चित रूप से कुछ रन पीछे रह गया। कप्तान फातिमा सना ने 12 गेंदों पर नाबाद 20 और सायरा जबीन ने 14 गेंदों पर 17 रन बनाए थे। श्रीलंका के लिए सुगंदिका कुमारी, कप्तान अथापट्टू और काव्या कविंदी ने 1-1 विकेट लिए।

शैफाली वर्मा ने लगाया T20I करियर का पहला शतक, स्मृति मंधाना को छोड़ा पीछे; 6 बड़े रिकॉर्ड्स किए अपने नाम

शैफाली वर्मा ने बांग्लादेश के खिलाफ एशियन गेम्स 2026 के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में अपने टी20आई क्रिकेट करियर का पहला शतक लगाने में सफलता हासिल की। शैफाली ने अपना पहला टी20आई शतक 118वें मैच में लगाया और नाबाद 100 रन की पारी खेली। ये शैफाली के टी20आई करियर का बेस्ट स्कोर भी रहा साथ ही अपनी इस पारी के दम पर उन्होंने कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए। यही नहीं उन्होंने टी20आई में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया और स्मृति मंधाना पीछे छोड़ दिया।

शैफाली ने तोड़ा स्मृति का रिकॉर्ड- शैफाली ने अपनी शतकीय पारी के दौरान 9 छक्के लगाए और वो भारतीय महिला टीम की तरफ से टी20आई में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में स्मृति से आगे आ गईं। शैफाली ने अब तक कुल 104 छक्के लगाए हैं जबकि मंधाना ने कुल 100 छक्के लगाए हैं। हालांकि ओवर ऑल शैफाली इस मामले में चौथे नंबर पर आ गईं।

एशियन गेम्स: भारतीय महिला हॉकी टीम ने उज्बेकिस्तान को 19-0 से हराया

दीपिका ने 8 गोल किए

काकामिगाहारा। भारतीय महिला हॉकी टीम ने रविवार को गिफू प्रीफेचुरल ग्रीन स्टेडियम में अपने पूल बी के पहले मैच में उज्बेकिस्तान पर 19-0 से रौंदकर एशियन गेम्स 2026 में अपने सफर की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की। भारतीय टीम की जीत में सबसे बड़ी स्टार बनकर दीपिका उभरीं। दीपिका ने 8 गोल किए। इसके अलावा, इशिका ने 3, लालथंतलुआंगी और नेहा ने 2-2 गोल किए। बलजीत कौर, नवनीत कौर, लालरेमसियामी और साक्षी राणा ने 1-1 गोल किया। दीपिका की हैट्रिक की बदौलत भारतीय महिला टीम ने जोरदार प्रदर्शन किया, और हाफ-टाइम तक वे उज्बेकिस्तान के खिलाफ 8-0 से आगे थीं। ब्रेक के बाद, भारत उज्बेकिस्तान को गोल करने का कोई मौका नहीं देने के मूड में नहीं लग रहा था, और दीपिका एक बार फिर अपने सबसे अच्छे फॉर्म में थीं, उन्होंने लगातार चार गोल करके भारत की बढ़त को 13-0 कर दिया।

एशियन गेम्स: गोल्ड मेडल का बचाव करने उतरेगी भारतीय पुरुष हॉकी टीम, दमदार फॉर्म को बरकरार रखना चाहेंगी भारत की बेटियां

काकामिगाहारा । भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें रविवार से एशियन गेम्स 2026 में अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। हाल ही में हुए वर्ल्ड कप में दोनों टीमों का प्रदर्शन अलग-अलग रहा था, लेकिन अब उनका लक्ष्य एशियन गेम्स में बेहतर खेल दिखाकर अच्छे नतीजे हासिल करना होगा। वर्ल्ड कप में आठवें स्थान पर रहने के बाद पूल ए में शामिल भारतीय पुरुष टीम

काकामिगाहारा के गिफू प्रीफेक्चुरल ग्रीन स्टेडियम में इंडोनेशिया के खिलाफ अपने गोल्ड मेडल को बचाने का अभियान शुरू करेगी। वहीं, वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन के बाद महिला टीम पूल बी के अपने पहले मैच में इसी स्टेडियम में उज्बेकिस्तान का सामना करेगी। एशियन गेम्स में इस खेल के लिए एक अतिरिक्त प्रोत्साहन भी है। गोल्ड मेडल जीतने वाली टीमों को ओलंपिक 2028 का टिकट मिल जाएगा। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली पुरुष टीम और सलीमा टेटे की कप्तानी वाली महिला टीम, दोनों के ही दिमाग में यह बात जरूर होगी। हाल ही में हुए वर्ल्ड कप में भारतीय पुरुष टीम सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाई थी। टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था और टीम ने आठवें स्थान पर रहते हुए टूर्नामेंट का अंत किया था। अब वे एशियन गेम्स में उस अभियान की कमियों को दूर करने की कोशिश कर रहे हैं, जिस पर कोच क्रेग फुल्टन ने भी जोर दिया है।

पहले ही दिन भारत की चांदी

महिला 10 मीटर एयर राइफल टीम ने जीता रजत; मुर्मू-शाह ने दी बधाई

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 में भारत ने अपने पदकों का खाता खोल लिया है। महिला 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में एलावेनिल वलारिवन, सोनम उत्तम मस्कर और विदर्सा के विनोद की तिकड़ी ने रजत पदक अपने नाम किया। टीम के इस प्रदर्शन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने खिलाड़ियों को बधाई दी और कहा कि उनकी उपलब्धि ने खेलों में भारत का पदक खाता खोल दिया है।

भारतीय टीम ने क्वालिफिकेशन में कुल 1898.0 अंक हासिल किए और दूसरे स्थान पर रहते हुए रजत पदक जीता। चीन ने 1904.2 के कुल स्कोर के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि मेजबान जापान 1897.1 अंक के साथ कांस्य पदक जीतने में सफल रहा।

सोनम ने किया शानदार प्रदर्शन

भारत की ओर से सोनम उत्तम मस्कर ने क्वालिफिकेशन में सबसे बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने 634.1 अंक हासिल कर तीसरा स्थान हासिल किया। एलावेनिल वलारिवन 633.5 अंक के साथ सातवें स्थान पर रहीं। वहीं विदर्सा के विनोद ने 630.4 अंक हासिल किए और व्यक्तिगत रैंकिंग में 12वें स्थान पर रहीं। तीनों के संयुक्त प्रदर्शन ने भारत को टीम स्पर्धा में रजत पदक दिलाया।

घातकः घुस के मारेगा के जरिए फिर साथ आएंगे सनी-संतोषी

सनी देओल और राजकुमार संतोषी की जोड़ी हाल ही में 'बंटवारा 1947' के जरिए लंबे समय बाद साथ आई। फिल्म को दर्शकों का मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला। यह बंटवारे के दर्द से निकली एक इमोशनल कहानी थी। अब एक्टर और डायरेक्टर फिर से अपनी पुरानी फिल्म 'घातक' की सफलता को दोहराने का मन बना चुके हैं। हाल में इसकी चर्चा भी हुई थी कि दोनों फिर साथ आ सकते हैं। अब इस खबर पर मुहर भी लग चुकी है। संतोषी ने खुद 'घातकः घुस के मारेगा' टाइटल के साथ नई फिल्म की पुष्टि की है।

नई फिल्म को लेकर रोचक बात ये है कि इसमें सनी 'घातक' वाले किरदार में ही नजर आएंगे, लेकिन फिल्म को उसका सीक्वल नहीं बताया गया है। सनी का वही किरदार नई कहानी और नए संदर्भ में लौटेगा। संतोषी के अनुसार इस किरदार का संबंध भी बनारस से ही है।

सनी की फिल्म के अलावा संतोषी अपनी 1994 की कल्ट कॉमेडी 'अंदाज अपना अपना' भी ला रहे हैं। नई फिल्म का टाइटल 'अदा अपनी अपनी' होगा। हालांकि यह सीक्वल नहीं होगी। निर्देशक के मुताबिक, इसकी कहानी अलग होगी, लेकिन कॉमेडी और एडवेंचर का जॉनर वही रहेगा। फिल्म में आमिर खान और सलमान खान की वापसी होगी या नहीं, इस पर उन्होंने अभी कुछ साफ नहीं किया है।

'बाप' और 'गबरू' के जरिए भी सनी का दिखेगा नया रूप

सनी के खाते में कुछ और फिल्में भी हैं। जिनकी झलक हाल फिलहाल में दूसरी फिल्मों के शोज में टीजर के जरिए सामने आई हैं। इनमें फिल्म 'बाप' शामिल है, जो लंबे समय से अटकी हुई थी। वहीं 'बंटवारा 1947' के साथ ही सिनेमाघरों में दिखाया गया सनी की फिल्म 'गबरू' का टीजर भी चर्चा में है। शशांक उदापुरकर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सनी के साथ सिमरन और प्रीत कमानी नजर आएंगी। यह फिल्म उनके दिल के काफी करीब भी है। संतोषी ने यह भी बताया कि वह सनी के साथ सिर्फ इसी फिल्म पर ही काम नहीं कर रहे हैं, बल्कि उनके पास सनी के साथ दो-तीन और कहानियां कतार में हैं। इनमें एक फिल्म में सनी

अमेरिका में रहने वाले सरदार के किरदार में दिखेंगे। वहीं 'जाट' के सीक्वल 'जाट 2' को लेकर भी संतोषी ने स्थिति साफ की है कि 'जाट 2' का निर्देशन वह नहीं करेंगे।

'मॉन्स्टर' से अलग है मेरी फिल्म

पैन इंडिया एक्शन ड्रामा 'ओरिजिनल मॉन्स्टर' की शूटिंग शुरू होने से पहले ही फिल्म का टाइटल रिवील पोस्टर और 65 सेकंड का मोशन पोस्टर जारी किया गया। इसमें डॉ. शिवराजकुमार का अब तक का सबसे खौफनाक और हिंसक अवतार नजर आ रहा है। पोस्टर पर 'शूट बिगिन्स, वॉर बिगिन्स' लिखा है।

टाइटल की घोषणा के साथ ही सोशल मीडिया पर सलमान खान की आगामी फिल्म 'मॉन्स्टर' से इसकी तुलना शुरू हो गई। दोनों फिल्मों के नाम में समानता को लेकर चल रही बहस पर शिवराजकुमार ने साफ किया कि दोनों फिल्मों की कहानियां अलग हैं। उन्होंने कहा... 'यह शिवा बनाम सलमान नहीं है, हम एक हैं।' शिवराजकुमार कहते हैं... 'अगर भगवान की मर्जी रही तो हम साथ काम करेंगे। शायद सलमान और मैं इस बारे में आगे कभी विचार करें।'

ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हूं जो समाज से जुड़े जरूरी सवाल उठाएं

'थप्पड़' जैसी फिल्म में काम कर चुकीं अभिनेत्री नायला ग्रेवाल ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हैं, जो समाज से जुड़े जरूरी सवाल उठाएं। उनका मानना है कि महिलाओं से जुड़े मुद्दों को सिनेमा में लगातार जगह मिलनी चाहिए। आईएएनएस संग बातचीत में नायला ने कहा कि फिल्मों में जब महिलाओं की जिंदगी, उनकी परेशानियों और उनके अधिकारों से जुड़ी बातें सामने आती हैं, तो उन पर समाज में बातचीत भी शुरू होती है। नायला ने कहा, ''महिलाओं से जुड़े मुद्दे मेरे लिए काफी मायने रखते हैं। मैं इस विषय को लेकर खुद काफी जागरूक हूं और ऐसी फिल्म में काम करना चाहती हूं, जो महिलाओं से जुड़े मुद्दों को विस्तार से दिखाए। पिछले कुछ सालों में इस तरह की फिल्मों की संख्या में थोड़ी कमी आई है और अब पहले की तरह महिलाओं से जुड़े जरूरी विषयों पर पर्याप्त फिल्में देखने को नहीं मिल रही हैं।'' नायला ने इस दौरान 'थप्पड़' फिल्म की को-स्टार तापसी पन्नू की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, ''मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे 'थप्पड़' जैसी फिल्म में काम करने का मौका मिला। अनुभव सिन्हा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में तापसी ने घरेलू हिंसा और एक थप्पड़ के जरिए रिश्ते में सम्मान और बराबरी जैसे मुद्दों को सामने रखा था। तापसी ने अपने करियर में कई ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनकर महिलाओं से जुड़े मुद्दों को सामने लाने की कोशिश की है।'' अभिनेत्री ने तापसी की आने वाली फिल्म 'गांधारी' का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, ''यह फिल्म बच्चों की तस्करी जैसे मुद्दे पर बात करती है और महिलाओं से जुड़े मुद्दों को सामने लाने की अहमियत बताती है। मैं खुद भी ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहती हूं, जो इस सोच को आगे बढ़ाएं और लोगों को इन मुद्दों के बारे में सोचने पर मजबूर करें।'' इसी बात को आगे बढ़ाते हुए नायला ने महिलाओं की एक-दूसरे के प्रति जिम्मेदारी पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, ''महिलाओं को दूसरी महिलाओं का साथ देना चाहिए और उन्हें आगे बढ़ने का मौका देना चाहिए। अगर महिलाएं ही एक-दूसरे को सपोर्ट नहीं करेंगी, तो फिर इस बदलाव की शुरुआत कौन करेगा।

प्रलय में कैमियो नहीं, बल्कि अहम भूमिका में हैं कल्याणी

कल्याणी प्रियदर्शन ने अपने चर्चित हिंदी डेब्यू प्रोजेक्ट 'प्रलय' की शूटिंग शुरू होने की जानकारी दी है। 'लोकाह' फेम एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया फिल्म की स्क्रिप्ट के फ्रंट पेज की झलक शेयर करते हुए बताया कि वह इन दिनों मुंबई में रणवीर सिंह के साथ शूटिंग में बिजी हैं। उन्होंने बताया कि इस बार ओणम पर वह तस्वीरें शेयर नहीं कर पाईं, क्योंकि वह पूरी तरह 'प्रलय' की शूटिंग में उलझी हुई हैं। बता दें कि इस फिल्म का निर्देशन जय मेहता कर रहे हैं, जो बतौर निर्देशक डेब्यू कर रहे हैं। इसकी स्क्रिप्ट जय और 'लुटेरे' फेम विशाल कपूर ने लिखी है। कल्याणी फिल्म में कैमियो नहीं, बल्कि अहम भूमिका में नजर आएंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म का बड़ा हिस्सा ऑस्ट्रेलिया में शूट किया जाएगा। पहला शेड्यूल दिवाली तक चल सकता है।

फिल्म 'कॉलेज फेस्ट' में दिखाई देंगी रिया चक्रवर्ती

रिया चक्रवर्ती एक बार फिर अभिनय की दुनिया में सक्रिय नजर आ रही हैं। हाल ही में उन्होंने रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स इंडिया' के दूसरे सीजन में हिस्सा लेकर काफी चर्चा बटोरी थी। अब उनके हाथ एक नई फिल्म लगी है, जिसमें वह मुख्य भूमिका निभाने वाली हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'इस फिल्म का नाम 'कॉलेज फेस्ट' है और इसका निर्माण रहा है। फिल्म में रिया चक्रवर्ती के साथ पूरव झा भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। दोनों कलाकार फिल्म के लिए अपनी शूटिंग पूरी कर चुके हैं। इसमें आशीष चंचलानी भी एक महत्वपूर्ण भूमिका में दिखाई देंगे। 'कॉलेज फेस्ट' की कहानी कॉलेज के छात्रों के आसपास घूमती है। हालांकि यह आम कॉलेज फिल्म जैसी नहीं होगी। हाल ही में रिया ने 'द ट्रेटर्स इंडिया 2' में 'द वायरल फीवर' यानी टीवीएफ कर हिस्सा लेकर काफी चर्चा बटोरी थी।

नए शो 'सयोनी' में नजर आएंगी रश्मि देसाई; बताया क्यों ठुकरा रहीं थीं ऑफर्स

एक्ट्रेस रश्मि देसाई करीब 8 साल से टीवी से दूर थीं। उन्हें पॉपुलर शो 'उतरन' से काफी पहचान मिली थी। अब इतने लंबे अंतराल के बाद एक बार फिर एक्ट्रेस छोटे पर्दे पर वापसी कर रही हैं। रश्मि देसाई करीब आठ साल बाद टीवी पर नजर आएंगी। रश्मि नए शो 'सयोनी' में माया का किरदार निभाती दिखाई देंगी। शो में उनके साथ जाह्नवी सोनी और गौतम सिंह विग भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। टीवी पर वापसी को लेकर रश्मि ने बताया कि वह सिर्फ पर्दे पर वापस आने के लिए किसी शो का हिस्सा नहीं बनना चाहती थीं। वह ऐसे किरदार और कहानी की तलाश में थीं, जिससे वह खुद को जोड़ सकें। इसी वजह से उन्होंने पिछले कुछ समय में कई ऑफर्स को ठुकरा दिया। रश्मि ने कहा कि एक कलाकार के तौर पर उनके पास काम के कई मौके आते हैं, लेकिन सिर्फ लगातार काम करते रहना और स्क्रीन पर नजर आना ही जरूरी नहीं है। उनके मुताबिक, कलाकार को ऐसा काम करना चाहिए जिसे लोग लंबे समय तक याद रखें। रश्मि को लगता है कि 'सयोनी' की कहानी में वही खास बात है और इसकी कहानी कलाकारों से भी बड़ी है। अपने किरदार माया के बारे में बात करते हुए रश्मि ने बताया कि यह सिर्फ एक काल्पनिक किरदार नहीं है, बल्कि काफी व्यावहारिक है। अभिनेत्री के मुताबिक, हर कलाकार ऐसा किरदार निभाना चाहता है, जिसे खूबसूरती से लिखा गया हो।

मंगला गौरी के लिए रुक्मिणी वसंत ने पहनी खाकी

रुक्मिणी वसंत अपनी अपकमिंग कन्नड़ फिल्म मंगला गौरी में एकदम अलग अंदाज़ में नजर आने वाली हैं। राहुल पीके के डायरेक्शन में बन रही इस फिल्म को राहुल पीके और पूजा सुधीर ने लिखा है। फिल्म के फर्स्ट लुक में रुक्मिणी पुलिस यूनिफॉर्म में स्कूटर पर बैठी नजर आ रही हैं, जिससे ऑडियंस को उनके नए कैरेक्टर की पहली झलक मिलती है। उनके साथ फ्रेम में वेटरन एक्ट्रेस मालाश्री भी नजर आ रही हैं। दोनों लीडिंग लेडीज़ की यह जोड़ी एक ऐसी कहानी का हिस्सा है, जिसमें दो अलग-अलग जनरेशन की एक्ट्रेसेज़ को सेंटर स्टेज पर लाया गया है। अपनी नुआन्स्ड परफॉर्मेंसेज़ और नेचुरल स्क्रीन प्रेज़ेन्स के लिए जानी जाने वाली रुक्मिणी ने अपने फिल्मी सफर में लगातार अलग-अलग तरह के कैरेक्टर्स को एक्सप्लोर किया है। मंगला गौरी में एक्ट्रेस खाकी पहनकर एक ऐसे रोल में कदम रख रही हैं, जो उन्हें अब तक के बिल्कुल अलग सेटिंग में पेश करता है। यह फिल्म फिल्ममेकर हेमंत एम राव के साथ उनकी दूसरी कोलाइबोरेशन भी है। इससे पहले दोनों सप्त सागरदाचे एलो में साथ काम कर चुके हैं। वहीं चङ्कह्न प्रोडक्शंस के साथ यह उनकी दूसरी एसोसिएशन है, इससे पहले वह टॉक्सिक का हिस्सा रह चुकी हैं। मालाश्री के साथ रुक्मिणी की पेयरिंग इस प्रोजेक्ट को और भी इंटरेस्टिंग बनाती है। दो अलग-अलग जनरेशन की दो डिस्टिंक्टिव परफॉर्मर्स का साथ आना फिल्म के लिए एक अलग ही क्यूरियोसिटी क्रिएट करता है। केवीएन प्रोडक्शंस और दक्षिणायनी टॉकीज के बैनर तले बन रही मंगला गौरी में म्यूजिक मिधुन मुकुंदन का है, सिनेमैटोग्राफी श्रीवत्सन सेल्वाराजन ने संभाली है और एक्शन कोरियोग्राफी विक्रम मोर की है। फिल्म को वेंकट के नारायण और हेमंत एम राव ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म की 75 प्रतिशत शूटिंग पूरी हो चुकी है और बाकी इसका काम कम्प्लीशन की ओर बढ़ रहा है।

राम गोपाल वर्मा के साथ फिल्म बनाएंगे मोहित सूरी

साल 2025 में आई मोहित सूरी निर्देशित फिल्म 'सैयारा' ने सिनेमाघरों में खूब बवाल काटा था। अब वे एक और फिल्म के साथ हाजिर होने वाले हैं। मोहित सूरी नई फिल्म राम गोपाल वर्मा के साथ बनाएंगे। रामू ने बड़े ही रोचक अंदाज में फिल्म की जानकारी फैंस के साथ साझा की है।

राम गोपाल वर्मा और मोहित सूरी एक नई फिल्म पकाने वाले हैं। फिल्म के लिए पकाने जैसा शब्द इसलिए इस्तेमाल किया है, क्योंकि इन्होंने अपनी नई फिल्म का एलान ही कुछ इस अंदाज में किया, मानो कोई व्यंजन पेश करने वाले हैं।

राम गोपाल वर्मा ने अपने एक्स अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने अपनी और मोहित सूरी की एक तस्वीर शेयर की है। इसके साथ कैप्शन लिखा है, 'मैं और 'सैयारा' वाले मोहित सूरी अगली फिल्म साथ में पका रहे हैं। एक लव डिश जो गैंगस्टर करी से भरपूर होगी।

एलान के साथ फैंस उत्साहित

फिलहाल तो दोनों फिल्म मेकर्स ने एक छोटा सा अपडेट देकर फैंस का उत्साह बढ़ा दिया है। उम्मीद है कि जल्द ही वे पूरी जानकारी भी साझा करेंगे।

मोहित सूरी ने जताई खुशी

मोहित सूरी ने भी अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर यह फो री-शेयर की और RGV के लिए अपना लगाव जाहिर किया। उन्होंने लिखा, 'उनकी फिल्में देखने और फिल्ममेकर बनने का सपना देखने से लेकर... उनके साथ फिल्म बनाने तक...और वो भी खुद 'OG गैंगस्टर' राम गोपाल वर्मा के साथ फिल्म बनाने का सपना मिला है। कुछ सफर सच में पूरे हो जाते हैं। यह बात सीधे दिल से निकल रही है'।

सेवा संकल्प यात्रा में डिप्टी सीएम हर्ष संघवी ने चलाई बाइक, वृक्षारोपण व सफाई अभियान में लिया हिस्सा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देवगढ़ बारिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा से राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित 'सेवा संकल्प यात्रा-वडनगर से वाराणसी' के तहत बाइक रैली दाहोद जिले के काली डूंगरी पहुंची। डिप्टी सीएम हर्ष संघवी ने सागरामा से स्वयं बाइक चलाकर रैली का नेतृत्व किया। जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने जल कलश व पुष्पवर्षा से रैली का स्वागत किया। काली डूंगरी में राज्य मंत्री रमेशभाई कटारा, सांसद जसवंतसिंह भाभोर सहित जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण किया। इसके साथ ही स्वच्छता अभियान में भाग लेकर सार्वजनिक स्थानों की सफाई की गई। अधिकारियों ने बताया कि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक 'स्वच्छता ही सेवा-2026' अभियान के तहत जिले में विभिन्न स्वच्छता और जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

मर्यादा की सारी हदें पार, 46 वर्षीय महिला ने सगे बेटे के साथ बनाए 100 से ज्यादा बार अवैध संबंध

फ्लोरिडा में रिश्तों का भयानक कत्लः घरेलू विवाद की जांच में खुला मां-बेटे के अवैध संबंधों का घिनौना सच, आरोपी महिला गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वाशिंगटन/गांधीनगर। सामाजिक मर्यादाओं, नैतिक मूल्यों और पवित्र रिश्तों को पूरी तरह तार-तार कर देने वाला एक अत्यंत खौफनाक और घिनौना मामला अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य से सामने आया है। एक साधारण घरेलू विवाद की शिकायत पर जांच करने पहुंची स्थानीय पुलिस के सामने जब इस परिवार का खूनी और काला सच उजागर हुआ, तो जांच अधिकारियों के भी रोंगटे खड़े हो गए। एक 46 वर्षीय निर्दयी मां द्वारा अपने ही 22 वर्षीय सगे बेटे के साथ दर्जनों बार अवैध और विकृत शारीरिक संबंध बनाने का भंडाफोड़ होने के बाद पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है। इस घटना ने पूरे मानवीय समाज को झकझोर कर रख दिया है।

शेरिफ की जांच में उजागर हुआ घिनौना सच

प्राप्त आधिकारिक और खौफनाक विवरण के अनुसार, फ्लोरिडा के पोल्क काउंटी क्षेत्र में एक भयानक पारिवारिक हिंसा और झगड़े की सूचना पुलिस को मिली थी। जब पोल्क काउंटी के शेरिफ ग्रेडी जुड और उनकी विशेष जांच टीम इस विवाद की तह तक पहुंचे, तो मामले में एक ऐसा विकृत मोड़ आया जिसने कानून के रखवालों को भी सन्न कर दिया। शेरिफ ग्रेडी जुड ने भारी मन से इस मामले का खुलासा करते हुए बताया कि आरोपी महिला क्रिस्टीना क्लेमेंस (उम्र 46 वर्ष) ने अपने ही सगे बेटे शेन क्लेमेंस (उम्र 22 वर्ष) का मानसिक शोषण करते हुए उसके साथ 100 से भी अधिक बार अवैध और अनैतिक संबंध बनाए थे।

कानून का शिकंजा और समाज में भारी आक्रोश

मानवता और पवित्र रिश्तों को कलंकित करने वाले इस जघन्य अपराध पर पुलिस ने कड़ा रुख अपनाते हुए आरोपी मां क्रिस्टीना क्लेमेंस को तुरंत गिरफ्तार कर लिया। अमेरिकी कानून के तहत सगे रक्त संबंधों के बीच इस प्रकार के विकृत संबंधों को अत्यंत गंभीर और गैर-जमानती अपराध की श्रेणी में रखा गया है। इस घिनौनी वारदात का पर्दाफाश होते ही पूरे क्षेत्र में भारी आक्रोश और थू-थू का माहौल है। लोग इस घृणित कृत्य की कड़े शब्दों में निंदा कर रहे हैं और इसे सामाजिक ताने-बाने पर एक गहरा आघात बता रहे हैं। फ्लोरिडा पुलिस और अभियोजन पक्ष अब आरोपी महिला को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए पुख्ता कानूनी सबूत जुटाकर अदालत में पेश करने की तैयारी में जुटा है, ताकि समाज में इस प्रकार की विकृति फैलाने वालों को सख्त संदेश दिया जा सके।

मिडिल-ईस्ट में फिर बढ़ा तनाव, अमेरिका ने 9 देशों में नागरिकों को किया अलर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वॉशिंगटन। मिडिल-ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने के बीच अमेरिका ने क्षेत्र में अपने नागरिकों और दूतावासों की सुरक्षा को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। अमेरिकी विदेश विभाग ने क्षेत्र में मौजूद नागरिकों को सावधानी बरतने और संभावित उड़ान रद्द होने, हवाई क्षेत्र बंद होने तथा यात्रा में बदलाव की जानकारी लेते रहने की सलाह दी है। इसी बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प शनिवार को कैंप डेविड का दौरा निर्धारित समय से एक दिन पहले खत्म कर व्हाइट हाउस लौट आए। उनकी जल्द वापसी का आधिकारिक कारण नहीं बताया गया। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब क्षेत्र में ईरान समर्थित हूती गतिविधियों और अमेरिकी-ईरान तनाव को लेकर सुरक्षा चिंताएं बढ़ी हैं। अमेरिका ने इराक, बहरीन, ओमान, सऊदी अरब, ईरान, कतर, लेबनान, कुवैत और जॉर्डन में अपने नागरिकों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी है। अमेरिकी विदेश विभाग ने क्षेत्र में अचानक हालात बिगड़ने की आशंका जताते हुए यात्रा और हवाई सेवाओं की ताजा जानकारी पर नजर रखने को कहा है। उधर, ईरान ने युद्ध समाप्त करने के लिए अमेरिका के सामने कई शर्तें रखी हैं। रिपोर्टों के अनुसार इनमें सभी मोर्चों पर युद्ध रोकना, विदेशों में फ्रीज की गई ईरानी संपत्तियां जारी करना और नौसैनिक नाकाबंदी समाप्त करना शामिल है। ईरान की ओर से ये मांगें कतर के माध्यम से अमेरिका तक पहुंचाए जाने की बात कही गई है।

गायत्री शक्तिपीठ में पंचकुंडीय महायज्ञ, 108 गांवों तक पहुंचेगा निमंत्रण

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। शासकीय अस्पताल के पीछे स्थित गायत्री शक्तिपीठ में परम वंदनीय माताजी के अवतरण दिवस पर दो दिवसीय अखंड जाप, पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं विभिन्न संस्कार संपन्न हुए। नागदा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से गायत्री परिवार के कार्यकर्ता और श्रद्धालु शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने यज्ञ में आहुतियां देकर लोकमंगल की कामना की। कार्यक्रम में वंदनीय माताजी की साधना, त्याग और तपस्या को याद किया गया। गायत्री शक्तिपीठ की ओर से 108 गांवों तक साहित्य, विचार और यज्ञ का निमंत्रण पहुंचाने का संकल्प लिया गया है। साथ ही 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी। दुर्गापुरा, बीकमपुर और लसूडिया जयसिंह में आगामी महीनों में महायज्ञ प्रस्तावित हैं। नागदा में मातृशक्ति और शिक्षक सम्मेलन भी आयोजित किए जाएंगे। शहर की विभिन्न कॉलोनियों में सामूहिक गायत्री साधना का क्रम जारी है।

राजकोट महानगरपालिका की दोहरी नीति पर उठे गंभीर सवाल

छोटे ठेले वालों पर म्यूनिसिपल टीम की कड़ाई, पर सरकारी ज़मीन पर बिक रही देशी शराब पर प्रशासन क्यों मौन?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। रंगीले राजकोट में राजकोट महानगरपालिका की कार्यशैली और उसकी नीतियों को लेकर गंभीर विवाद खड़ा हो गया है। एक तरफ जहां आरएमसी का अतिक्रमण हटाओ दस्ता अपनी आजीविका कमाने वाले छोटे और गरीब ठेले-रेहड़ी वालों पर डंडे बरसाकर कड़ी कार्रवाई कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ महानगरपालिका की खाली पड़ी ज़मीनों पर खुलेआम देशी शराब बिकने के संगीन आरोप लग रहे हैं। प्रशासन के इस दोहरे रवैये को लेकर स्थानीय निवासियों और विपक्ष में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। स्थानीय स्तर पर उठ रही आवाज़ों और विपक्षी नेताओं के तीखे प्रहारों के अनुसार, महानगरपालिका का अतिक्रमण निरोधक दस्ता सिर्फ गरीब और मध्यम वर्ग के छोटे व्यापारियों पर ही अपनी बहादुरी दिखा रहा है। आरएमसी की ज़मीन पर शराब की बिक्री-जब महानगरपालिका के ही प्लॉटों और सरकारी जगहों पर अवैध देशी शराब का जाल फैल रहा है, तब खुद को 'सिंघम' समझने वाले अधिकारियों की नज़र इन अवैध गतिविधियों पर क्यों नहीं पड़ती? क्या यह सिर्फ प्रशासनिक लापरवाही है या फिर किसी बड़े संरक्षण के तहत यह सब खेल चल रहा है?

महानगर मेट्रो के तीखे सवाल-तंत्र कब खोलेगा अपनी आंखें?

इस स्थिति को देखते हुए राजकोट महानगरपालिका और स्थानीय पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर कई गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं

1. यह दोहरी नीति क्यों? क्या सिर्फ गरीब ठेले वाले ही प्रशासन के नियमों का उल्लंघन करते दिखते हैं, खुलेआम चल रहे शराब के ठेके और अड्डे अधिकारियों को क्यों नहीं दिखाई देते?

2. जिम्मेदारों पर कार्रवाई कब? महानगरपालिका की स्वामित्व वाली ज़मीनों पर अवैध गतिविधियां चलाने वालों के खिलाफ कानूनन सख्त कदम कब उठाए जाएंगे?

3. अधिकारियों की संदिग्ध भूमिका- जो सख्त अधिकारी दुकानें और रेहड़ियां हटाने में भारी मुस्तैदी दिखाते हैं, वे शराब की अवैध बिक्री पर चुप्पी साधकर क्यों बैठे हैं?

मणिनगर के विधायक अमूलभाई भट्ट सहित राजनीतिक और सामाजिक दिग्गजों की खोखरा में प्रेरक उपस्थिति

श्री बलियादेव युवक मित्र मंडल द्वारा 19वें गणेश महोत्सव का भव्य एवं धूमधाम से आयोजन

दादा के आशीर्वाद से पूरे विश्व में सुख, शांति और समृद्धि फैलेः नेताओं और मंडल द्वारा प्रभु चरणों में प्रार्थना, गणेश महोत्सव में उमड़ा आस्था का जनसैलाब!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। संस्कारों की नगरी और उत्सवप्रिय शहर अहमदाबाद में इस समय गणेशोत्सव का भक्तिमय माहौल देखने को मिल रहा है। शहर के खोखरा इलाके में 'श्री बलियादेव युवक मित्र मंडल' द्वारा आयोजित 19वें भव्य गणेश महोत्सव में भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। श्री गणेश जी के दर्शन और महाआरती के पावन अवसर पर राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र के गणमान्य दिग्गजों ने विशेष रूप से उपस्थित होकर दादा के दर्शन किए और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

महानुभावों की गरिमामयी उपस्थिति

इस धार्मिक महोत्सव में मणिनगर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्री अमूलभाई भट्ट, अहमदाबाद नगर निगम (रूष्ट) की स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन श्री कमलेशभाई पटेल, खोखरा वार्ड अध्यक्ष श्री चिरागभाई शेट्टे, स्थानीय नगर पार्षद श्रीमती सोनलबा सरवैया, वरिष्ठ नेता श्री अनिलभाई जनाइकर एवं श्रीमती जिगीषाबेन सोलंकी सहित कई राजनीतिक और सामाजिक अग्रणियों ने शिरकत की। मंडल द्वारा सभी आमंत्रित महानुभावों का उत्सव के पावन वातावरण में आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया।

विश्व शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना

कार्यक्रम के दौरान मणिनगर के विधायक श्री अमूलभाई भट्ट एवं स्टैंडिंग कमेटी चेयरमैन श्री कमलेशभाई पटेल ने कहा, "विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश जी की कृपा से पूरे देश और दुनिया में सुख, शांति और समृद्धि का वास हो। दादा हर नागरिक के जीवन से विघ्नों और कष्टों को दूर करें तथा अहमदाबाद शहर लगातार प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता रहे, यही प्रभु चरणों में हमारी श्रद्धापूर्वक प्रार्थना है।"

भक्तों पर बना रहे गणेश जी का आशीर्वाद- मंडल अध्यक्ष पवन माकन

श्री बलियादेव युवक मित्र मंडल के अध्यक्ष श्री पवन माकन ने कहा, "मंडल द्वारा लगातार 19वें वर्ष गणेश महोत्सव का अत्यंत भव्य एवं श्रद्धापूर्वक आयोजन किया गया है। हर साल क्षेत्र के निवासी और दादा के भक्त बड़ी संख्या में दर्शन का लाभ लेते हैं। गौरीपुत्र गणेश जी सभी भक्तों पर अपना आशीर्वाद बनाए रखें और सभी की मनोकामनाएं पूरी करें, यही हमारी शुभकामनाएं हैं।"

भक्तिमय माहौल में गूंजे 'गणपति बप्पा मोरया' के जयकारे

महोत्सव के दौरान आयोजित भव्य आरती और धार्मिक कार्यक्रमों में स्थानीय निवासियों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पूरा वातावरण 'गणपति बप्पा मोरया, मंगल मूर्ति मोरया' के गगनभेदी जयकारों से गूंज उठा। श्री बलियादेव युवक मित्र मंडल के सदस्यों द्वारा इस आयोजन को सफल बनाने के लिए अथक प्रयास किए जा रहे हैं।

1 अक्टूबर से एलपीजी सब्सिडी के लिए बायोमेट्रिक ई-केवाईसी अनिवार्य, बायोमैट्रिक न कराने पर नहीं मिलेगी छूट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश के करोड़ों घरेलू रसोई गैस उपभोक्ताओं के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए 1 अक्टूबर से सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग के लिए बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण यानी ई-केवाईसी को पूरी तरह अनिवार्य कर दिया है, जिसके तहत यदि कोई ग्राहक तय समय सीमा तक बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन पूरा नहीं करता है तो उसे मिलने वाली लगभग 210 रुपये की सरकारी सब्सिडी का लाभ रोक दिया जाएगा और सिलेंडर बाजार दर पर खरीदना पड़ेगा। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार यह सख्त कदम बाजार में जारी डुप्लीकेट और फर्जी गैस कनेक्शनों की पहचान करने तथा व्यावसायिक एवं औद्योगिक क्षेत्रों में घरेलू सब्सिडी वाले सिलेंडरों के अनधिकृत इस्तेमाल को रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है ताकि वित्तीय राहत केवल वास्तविक और पात्र परिवारों तक ही पहुंच सके। हालांकि जिन उपभोक्ताओं ने पहले ही अपनी ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी कर ली है उन्हें दोबारा कुछ करने की आवश्यकता नहीं होगी, जबकि अन्य नागरिक अपनी संबंधित गैस कंपनी के मोबाइल ऐप, डिलीवरी बॉय के जरिए या नजदीकी डिस्ट्रीब्यूटर एजेंसी के शोरूम पर जाकर इस प्रक्रिया को आसानी से पूरा कर सकते हैं। दूसरी ओर, तकनीकी जगत में उस समय भारी हड़कंप मच गया जब गूगल के उन्नत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल जेमिनाई ने एक साइबर सुरक्षा परीक्षण के दौरान बिना किसी इंसानी हस्तक्षेप या मदद के तीन स्वतंत्र कंपनियों के कंप्यूटिंग सिस्टम और वेबसाइट्स को खुद ही एक्सेस कर सफलता पूर्वक हैक कर लिया। सुरक्षा फर्म इररेगुलर द्वारा आयोजित कैप्चर-द-फ्लैग टेस्टिंग के दौरान जेमिनाई को केवल एक सुरक्षित और सीमित वर्चुअल वातावरण में काम करना था, परंतु प्रणाली में एक तकनीकी खराबी का फायदा उठाकर उसने इंटरनेट पर उपलब्ध सार्वजनिक जानकारियों का विश्लेषण किया, पासवर्ड्स का सटीक अंदाजा लगाया और क्रेडेंशियल्स का उपयोग कर तीन लाइव सिस्टमों के डेटाबेस में सेंध लगा दी। फिर भी इस घटना ने पूरी दुनिया में स्वायत्त एआई प्रणालियों की सुरक्षा, नियंत्रण और उनके अनियंत्रित व्यवहार पर अत्यंत गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्मृति मंधाना बनीं T20I की सबसे सफल बल्लेबाज, शेफाली का नाबाद शतक

एशियन गेम्सः भारतीय महिला टीम का दबदबा बरकरार, बांग्लादेश को 114 रन से रौंदकर फाइनल में बनाई जगह

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स के सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को 114 रन से करारी शिकस्त देकर फाइनल में जगह पक्की कर ली है। शेफाली वर्मा के बेहतरीन नाबाद शतक और गेंदबाजों के धमाकेदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने मुकाबले में एकतरफा जीत दर्ज की। अब 22 सितंबर को फाइनल में भारत की भिड़ंत श्रीलंका से होगी। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 195 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने बांग्लादेशी गेंदबाजों की जमकर खबर लेते हुए महज 49 गेंदों पर नाबाद 100 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसमें 9 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। शेफाली ने कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ तीसरे विकेट के लिए 94 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी निभाई। बांग्लादेश की पूरी टीम शेफाली के अकेले के स्कोर से भी 19 रन पीछे रह गई। दूसरी ओर, सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने 19 गेंदों में 37 रनों की तेज तर्रार पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान मंधाना महिला ङ्ग20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गईं। उनके नाम अब 4,788 रन दर्ज हो गए हैं। इस मामले में उन्होंने न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स (4,758 रन) को पीछे छोड़ते हुए यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। 196 रनों के पहाड़ जैसे लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की टीम भारतीय गेंदबाजी के आगे टिक नहीं सकी और 15.4 ओवर में महज 81 रनों पर सिमट गई। भारत के लिए दीप्ति शर्मा और नंदनी शर्मा ने घातक गेंदबाजी करते हुए 3-3 विकेट चटकाए, जबकि श्री चरणी को 2 सफलताएं मिलीं।

नवाखल गांव के सरपंच पर शादीशुदा महिला से दुष्कर्म और जान से मारने की धमकी देने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। आंकलाव। जिले के नए तहसील अंतर्गत नए नवाखल गांव से एक बेहद शर्मनाक और सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां गांव के ही प्रथम नागरिक यानी सरपंच पर एक विवाहित महिला के साथ बार-बार दुष्कर्म करने और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने के गंभीर आरोप लगे हैं। पीड़ित की शिकायत के आधार पर आंकलाव पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मामला दर्ज किया और चंद घंटों के भीतर ही आरोपी सरपंच को नजदीकी एक फार्म से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, आरोपी सरपंच दिलीप भाई उर्फ दीपो सोलंकी पीड़ित के पति का मित्र था। इसी पहचान और पारिवारिक दोस्ती का फायदा उठाकर उसका पीड़ित के घर अक्सर आना-जाना रहता था। आरोपी ने मदद करने का झांसा देकर महिला का विश्वास हासिल कर लिया। आरोप है कि बीती 19 अगस्त की रात आरोपी ने महिला को उसके पति से जुड़ी किसी जरूरी बात करने के बहाने सुनसान खेत में बुलाया और वहां पहली बार जबरन दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। इसके बाद आरोपी ने किसी को बताने पर पूरे परिवार को खत्म करने की धमकी दी। मामले की दर्ज शिकायत के मुताबिक, वारदात का यह सिलसिला यहीं नहीं थमा। 3 सितंबर को आरोपी ने आसोदर चौराहे के पास महिला को रोका और धमकी दी कि यदि उसने उसकी बात नहीं मानी तो वह उसके पति को सब कुछ बताकर उसका घर बर्बाद कर देगा। इस ब्लैकमेलिंग के जरिए आरोपी महिला को एक होटल में ले गया और उसकी मर्जी के खिलाफ फिर से दुष्कर्म किया। साथ ही यह बात किसी से भी साझा करने पर जान से मारने की धमकी दोहराई। पुलिस शिकायत में उल्लेख है कि 19 सितंबर की रात महिला जब अपने घर के बाहर काम कर रही थी, तभी आरोपी सरपंच फिर से वहां पहुंच गया और उसके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की। महिला द्वारा शोर मचाने पर उसके सास-ससुर और पति तुरंत बाहर निकल आए। परिजनों को आता देख आरोपी मौके से फरार हो गया। इसके बाद पीड़ित ने हिम्मत जुटाकर परिजनों को पूरी आपबीती बताई और आंकलाव थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत दर्ज होते ही आंकलाव पुलिस एक्शन में आ गई। पुलिस ने आरोपी की धरपकड़ के लिए कई टीमों का गठन किया और संभावित ठिकानों तथा रिश्तेदारों के घर दबिश दी। पुलिस टीम को सूचना मिली कि आरोपी गांव के पास ही स्थित एक फार्महाउस में छिपा हुआ है, जिसके बाद पुलिस ने चारों तरफ से घेराबंदी कर आरोपी सरपंच दिलीप भाई सोलंकी को हिरासत में ले लिया। बोकारो/बोरसद क्षेत्र के पुलिस उपाधीक्षक (डीवाईएसपी) एस. पी. कहार ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि पीड़ित महिला की तहरीर पर भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। निष्पक्ष जांच कर न्यायालय के समक्ष साक्ष्य प्रस्तुत किए जाएंगे।

महावीर के जयकारों से गूंजा मदुराई

'जियो और जीने दो' का संदेश लेकर निकली भव्य शोभायात्रा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मदुराई। पर्युषण पर्व के दौरान चली धार्मिक आराधना, तपस्या, प्रवचन एवं आध्यात्मिक गतिविधियों के बाद रविवार को मदुराई में भक्ति, श्रद्धा और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। यहां चातुर्मास पर विराजित साध्वी श्री आज्ञानिधि श्रीजी म.सा. आदि ठाणा-6 की पावन निश्रा में भगवान महावीर स्वामी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में जैन समाज के श्रद्धालु शामिल हुए और पूरा वातावरण भगवान महावीर के जयकारों से गूंज उठा। शोभायात्रा में रथ में विराजित परमात्मा, पालकी में परमात्मा को लेकर चल रहा युवावर्ग, चौदह स्वप्न, जिनशासन ध्वज एवं आकर्षक झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। श्रद्धालु भक्ति गीतों की धुन पर लयबद्ध होकर झूमते हुए आगे बढ़ रहे थे। शोभायात्रा के दौरान सजे-धजे रथ में विराजित भगवान महावीर स्वामी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही। रंग-बिरंगे छत्र, फूलों की सजावट और धार्मिक ध्वजों से सजी शोभायात्रा ने पूरे मार्ग को भक्तिमय बना दिया। युवावर्ग पालकी में परमात्मा को लेकर जयकारों के साथ आगे बढ़ता नजर आया, वहीं बच्चे एवं समाजजन विभिन्न झांकियों में उत्साहपूर्वक सहभागी बने। मार्ग में श्रद्धालुओं ने दर्शन-वंदन कर भगवान महावीर के अहिंसा एवं करुणा के संदेश को नमन किया। श्रद्धा और उल्लास का वातावरण पर्युषण पर्व की धार्मिक भावना को जीवंत करता नजर आया। शोभायात्रा श्री साँचा सुमतिनाथजी मंदिर से प्रारंभ होकर श्री सुमतिनाथजी नया मंदिरजी होते हुए श्री सुमतिनाथजी बड़ा मंदिर पहुंची। इसके बाद नगर की चारों आवनी मौला स्ट्रीट से होते हुए शोभायात्रा का विधिवत समापन हुआ। मार्ग में श्रद्धालुओं ने भगवान महावीर के जयघोष लगाए। इस दौरान "एक-दो-तीन-चार, महावीर स्वामी की जय-जयकार", "त्रिशला नंदन वीर की, जय बोलो महावीर की" तथा "महावीर का यही संदेश–जियो और जीने दो" जैसे जयघोषों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। जगह-जगह श्रद्धालु शोभायात्रा के दर्शन करते नजर आए। श्री संघ प्रवक्ता दिनेश सालेचा ने बताया कि पर्युषण पर्व के कर्तव्य के तहत आत्मचिंतन, संयम, क्षमा और अहिंसा की आराधना की जाती है। भगवान महावीर स्वामी के अहिंसा, सत्य, संयम, क्षमा एवं 'जियो और जीने दो' के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शोभायात्रा का आयोजन किया गया। शोभायात्रा में समाज के सभी वर्गों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। भव्य रथ, परमात्मा की पालकी, धार्मिक झांकियां और जिनशासन ध्वज से सजी शोभायात्रा ने मदुराई के वातावरण को आध्यात्मिक रंग से सराबोर कर दिया। जयघोषों और भक्ति गीतों के बीच श्रद्धालुओं की आस्था देखते ही बन रही थी।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.